धनबाद
शनिवार 22.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-3 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-10
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में सोल (स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप) कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उदघाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी है।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी भारत को गुलामी से बाहर निकालकर बदलाव लाना चाहते थे। उनका विश्वास था कि अगर १०० लीडर उनके पास हों, तब वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। विवेकानंद के इसी मंत्र को लेकर हम सभी को आगे बढ़ना है। सोल में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी शामिल हुए हैं। उनके आने पर पीएम मोदी ने कहा कि भूटान के राजा का शुक्रवार को जन्मदिन होना और हमारे यहां ये अवसर होना। ये अपने आप में सुखद संयोग हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय २१वीं सदी के विकसित भारत के लिए लगतार काम कर रहा है। इसतरह १४० करोड़ देश में हर सेक्टर में, हर कार्यक्षेत्र में, जीवन के हर आधार में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की आवश्यकता है। कुछ आयोजन इसतरह के होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये सोल प्रोग्राम भी ऐसा ही है। किसी भी देश को प्रगति करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों की जरुरत होती है, बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। इस मौके पर लोगों को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस वृद्धि को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थाएं परिवर्तन में एक गेम-चेंजर हो सकती हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सिर्फ एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक जरूरत हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में जब हम डिप्लोमेसी से टेक इनोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे, तब सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। यानी एक तरह से भारत का पूरा विजन और भविष्य एक मजबूत नेतृत्व पीढ़ी पर निर्भर है, इसलिए हमें ग्लोबल थिंकिंग और लोकल अप-ब्रिंगिंग के साथ आगे बढ़ना है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया से प्रतिस्पर्धा के लिए हमें स्मार्ट लीडर्स चाहिए हमें इसतरह के व्यक्तियों को तैयार करने की आवश्यकता है जो भारतीय मानसिकता के साथ अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को समझते हों। इन नेताओं को रणनीतिक निर्णय लेने, संकट प्रबंधन और भविष्य की सोच में पारंगत होना चाहिए। वैश्विक बाजार और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए हमें इसतरह के नेताओं की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को समझते हों।

सोल से काम करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी पॉलिसी मेकिंग को वर्ल्ड क्लास बनाना होगा। यह तभी होगा, जब हमारे पॉलिसी मेकर्स, ब्यूरोक्रेट्स और ऑन्त्रप्रेन्योर अपने पॉलिसी को ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के साथ जोड़कर फ्रेम कर पाएंगे। इसमें सोल जैसे संस्थान की बड़ी भूमिका होगी। अगर हमें विकसित भारत बनना है, तब हर क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ना होगा।

सोल क्या है: - स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) गुजरात का इंस्टीट्यूशन है। इसका काम भारतीय राजनीति में इसतरह के लोगों को आगे बढ़ाना है, जो राजनैतिक परिवार से नहीं आते हैं। बल्कि वे अपनी लीडरशिप क्वालिटी, योग्यता और सामाजिक सेवा के माध्यम से कुछ नया करना चाहते हैं।

सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचा बीजेपी का कोई नेता, स्पीकर ने सीपी सिंह को भेजा था न्योता

रांची (एजेंसी): छठी झारखंड विधानसभा का पहला बजट सत्र २४ फरवरी से शुरू होना है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में बीजेपी का कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। इसके साथ ही आजसू के एक मात्र विधायक निर्मल महतो भी बैठक से गैर हाजिर रहे। वहीं एनडीए की ओर से जेडीयू विधायक सरयू राय और एलजेपी रामविलास के जर्नादन पासवान बैठक में मौजूद रहे।

महागठबंधन की ओर से सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मौजूद थे, वही कांग्रेस की ओर से विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और आरजेडी की ओर से विधायक दल के नेता सुरेश पासवान भी मौजूद थे। सर्वदलीय बैठक में बीजेपी के शामिल होने को लेकर पहले से ही असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। बीजेपी की ओर से नेता प्रतिपक्ष का नाम अबतक तय नहीं किये जाने से बजट सत्र में भी बीजेपी की किरकिरी होनी तय मानी जा रही है। माना जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिलने और आपसी खींचतान की वजह से नेता प्रतिपक्ष का मामला फंसा हुआ।

झारखंड का हार्डकोर नक्सली मुंबई से गिरफ्तार लेवी का पैसा गबन करने का लगा था आरोप

रांची (एजेंसी): झारखंड पुलिस ने महाराष्ट्र पुलिस की मदद से हार्डकोर नक्सली को मुंबई से गिरफ्तार किया। नक्सली तुलसी महतो उर्फ दिलीप महतो को महाराष्ट्र के यवतमाल थाना क्षेत्र इलाके से पकड़ा गया। कड़ी सुरक्षा के बीच उसे महाराष्ट्र से हजारीबाग लाया गया और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हार्डकोर नक्सली तुलसी महतो मूल रूप से आंगो थाना क्षेत्र के चोह गांव का रहने वाला है। २००१ में वो नक्सली संगठन से जान बचाकर मुंबई भागा था। उसपर लेवी का ५० हजार रुपया गबन करने का आरोप लगा था। नक्सलियों ने जनता दरबार के दौरान उससे मारपीट की थी, हथियार और गोली वापस ले ली थी। नक्सलियों ने उसे दस दिन के अंदर ५० हजार रुपया जमा करने का फरमान सुनाया था नहीं तो जान ले लेने की धमकी दी थी। इसके बाद २००१ में वो महाराष्ट्र भाग गया था और मुंबई में छिपकर काम कर रहा था।

तुलसी महतो १९९३ में नक्सली संगठन एमसीसी से जुड़ा था। ग्रामीणों के अनुसार उसकी जमीन को उसके परिवार वाले हड़पने की कोशिश की थी, जिसके बाद अपनी जमीन बचाने के लिए वह १९९३ में नक्सली संगठन किसान कमेटी से जुड़ गया। यहां वह संगठन के सदस्यों के लिए खाना बनाता था। इसी बीच १९९७ में उसकी मुलाकात नक्सली संगठन के जोनल कमांडर मिथिलेश सिंह और सब जोनल कमांडर सोहन मांझी, किशोर दा और विजय दास से हुई। उन लोगों ने इसे एरिया कमांडर की जिम्मेदारी दी।

अमेरिका को तोप निर्यात करेगी भारतीय कंपनी केएसएसएल

नई दिल्ली (ईएमएस): अभी तक यहीं सुनने को मिलाता था कि भारत अमेरिका से या किसी और देश से हथियार खरीद रहा है। लेकिन, अब अमेरिका भारत से हथियार खरीदेगा। आपकों इस बात पर भरोसा नहीं हो रहा होगा, लेकिन ये सच है। दरअसल भारत से आधुनिक तोप खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी एएम जनरल मोटर्स ने भारत फोर्ज लिमिटेड की सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड (केएसएसएल) के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारत में निर्मित उन्नत तोपों की आपूर्ति अमेरिका को होगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने अमेरिका को तोपों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। एएम जनरल दुनिया का एक प्रमुख सैन्य वाहन निर्माता है। फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने के बाद अब अमेरिकी कंपनी के साथ हुआ यह करार डिफेंस मैन्युफेक्चरिंग में भारत की बढती ताकत को दिखाता है।

कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड समझौते के तहत भारत में निर्मित १०५एमएम और १५५ एमएम कैलिबर की माउंटेड, टोव्ड और अल्ट्रा-लाइट गन सिस्टम की आपूर्ति एएम जनरल को करेगा। केएसएसएल स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ऑफ-रोड प्रोटेक्टेड मोबिलिटी सॉल्यूशंस और उच्च-तकनीकी सैन्य उत्पादों के डिजाइन और विकास में विशेषज्ञता रखती है। फोर्ज ▶▶ 8

लवली होंगे दिल्ली विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर 24 को दिलाएंगे विधायकों को शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली को नई सरकार मिलने के बाद अब विधानसभा सत्र शुरू होने की तैयारी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद अब विधायकों के शपथ ग्रहण का दौर शुरू होगा।

इसके लिए दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र २४ फरवरी से शुरू होगा। इसके लिए अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। वे २४ फरवरी को विधायकों को शपथ दिलाएंगे। यहां बताते चलें कि प्रोटेम स्पीकर का कार्यकाल अस्थायी होता है और स्पीकर व डिप्टी स्पीकर के चुनाव तक वे सदन की कार्यवाही संचालित करते हैं।

पहले दिन- सभी नव-निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी।

विधानसभा का स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुना जाएगा। सरकार अपना पहला एजेंडा सदन में रखेगी। नई सरकार के लिए अहम होगा यह सत्र। दिल्ली की नई सरकार के लिए यह पहला विधानसभा सत्र बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। इसी सत्र में नई सरकार अपनी प्राथमिकताओं और योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करेगी।

हेमंत सरकार में शामिल मंत्रियों के बीच बंगला का हुआ आवंटन

रांची (एजेंसी): हेमंत सोरेन सरकार में शामिल ११ मंत्रियों को उनका बंगला आवंटित कर दिया गया है। बजट सत्र से पहले मंत्री अपने नये आशियाने में रहते नजर आएंगे।

स्मार्ट सिटी क्षेत्र जुटको द्वारा बनाये गये इन बंगलों में अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई गई है। इन बंगलों में सुरक्षा के बहुत खास और हाईटेक इंतजाम किये गए है।

इसमें बच्चों को खेलने की जगह से लेकर बैडमिंटन कोट तक बनाया गया है। आने वाले समय में सरकार में शामिल सभी मंत्री इन्ही बंगलों में रहते नजर आएंगे।

नवनिर्मित ये बंगला १६३२१ वर्ग फीट में बना हुआ है, इसमें करीब ८००० वर्ग फीट में भवन बना हुआ है। हर बंगले को दो हिस्सों में बनाया गया है। भवन निर्माण विभाग ने झामुमो कोटे के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को बंगला नंबर वन आवंटित किया है। दो नंबर बंगले में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रहेंगी।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बंगला नंबर ३ आवंटित किया गया है। बंगला नंबर ४ में मंत्री इरफान अंसारी, बंगला नंबर ५ में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, ६ नंबर के बंगला में मंत्री हफीजुल हसन रहेंगे। बंगला नंबर ७ को मंत्री चमरा लिंडा के नाम आवंटित किया गया है।

बंगला नंबर ८ में मंत्री दीपक बिरुआ, बंगला नंबर ९ में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंगला नंबर १० में मंत्री रामदास सोरेन रहेंगे। जबकि राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव को बंगला नंबर ११ आवंटित किया गया है।

'मृत्युकुंभ' वाली टिप्पणी पर बढ़ा विवाद, ममता बनर्जी ने दी सफाई, सभी धर्मों का करती हूं सम्मान

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ' कहने पर विवाद गहरा गया है। इस टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने ममता पर तीखा हमला बोला, जिसके बाद उन्होंने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं।

इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को बंगाल विधानसभा में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के प्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि यह आयोजन 'मृत्युकुंभ' बन गया है, जहां अव्यवस्था और भगदड़ के कारण लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही सीएम ममता ने आरोप लगाया कि सरकार मृतकों की वास्तविक संख्या छिपा रही है।

बीजेपी नेताओं ने ममता बनर्जी की टिप्पणी को हिंदू विरोधी बताते हुए इसकी निंदा की। बीजेपी का कहना है कि महाकुंभ करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, इसे 'मृत्युकुंभ' कहना असंवेदनशील है। पार्टी ने ममता पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद ▶▶ 8

प्रस्तावित एडवोकेट अमेंडमेंट बिल : वकीलों की हड़ताल, अदालतें ठप, केंद्र के खिलाफ भड़का गुस्सा

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्रस्तावित एडवोकेट अमेंडमेंट बिल, २०२५ के खिलाफ वकीलों का आक्रोश अब चरम पर पहुंच गया है। सोमवार से शुरु हुई वकीलों की हड़ताल शुक्रवार को भी जारी रही है। इसका असर अदालती काम-काज पर पड़ा है। यहां मध्य प्रदेश में भी वकील हड़ताल कर रहे हैं।

इससे पहले प्रस्तावित बिल के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट के बाहर वकीलों ने गुरुवार को चक्का जाम कर अपनी बात केंद्र सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की थी। यही नहीं रोहिणी कोर्ट के वकील संगठन ने तो अपने सदस्यों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के सामने अपनी हाजिरी लगाने से भी रोक दिया है। दिल्ली के सभी जिला अदालतों के वकील संगठनों की कोऑर्डिनेशन कमेटी ने कहा है कि बीते सोमवार से शुरू हुई उनकी हड़ताल शनिवार को भी जारी रहेगी। कोऑर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन जगदीप वत्स और सेक्रेटरी जनरल अतुल कुमार शर्मा ने प्रस्ताव जारी करते हुए इस बात की सूचना दी है। कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रस्तावित बिल को वकीलों की एकता, अखंडता और प्रतिष्ठा के खिलाफ और कठोर प्रकृति वाला बताया है। वकीलों का कहना है कि इस बिल से सभी राज्यों की बार काउंसिल और अन्य वकील संगठनों की स्वायत्तता पर सीधे-सीधे असर पड़ेगा।

हड़ताल पर गए वकीलों व समिति ने न्यायिक अधिकारियों से साथ देने और इन दो ▶▶ 8

सुप्रीम कोर्ट ने 498ए से जुड़ी भ्रांतियों को कर दिया साफ, धारा केवल दहेज प्रताड़ना से नहीं जुड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस): अक्सर यह माना जाता है कि आईपीसी की धारा ४९८ए केवल दहेज की मांग से जुड़े मामलों पर लागू होती है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस धारणा को साफ करते हुए बताया कि दहेज की मांग के बिना भी यदि किसी महिला को ससुराल में शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, तब ४९८ए कानून लागू होगा।

दरअसल सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी. वाराले की बेंच ने कहा कि धारा ४९८ए का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को घरेलू हिंसा और अत्याचार से बचाना है, ना कि केवल दहेज उत्पीड़न के मामलों तक सीमित रखना है।

दरअसल आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने ए.टी. राव नामक व्यक्ति के खिलाफ ४९८ए के तहत दर्ज केस को खारिज किया था।

राव की पत्नी ने आरोप लगाया कि पति और सास ने महिला को घर से निकाल दिया और वापसी की अनुमति नहीं दी। महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा। इसके बाद हाई कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि चूंकि दहेज की मांग नहीं की गई थी, इसलिए ४९८ए के तहत मामला नहीं बनता। इसके बाद पीड़िता ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां हाई कोर्ट का आदेश खारिज कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ▶▶ 8

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार के खिलाफ सजा की अवधि पर फैसला 25 तक के लिए सुरक्षित

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की एक अदालत ने १९८४ के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार के खिलाफ सजा की अवधि पर फैसला २५ फरवरी तक के लिए सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान एक शिकायतकर्ता ने दिल्ली की अदालत से पूर्व कांग्रेस सांसद को मृत्युदंड देने का आग्रह किया। कुमार द्वारा कथित तौर पर उकसाई गई भीड़ ने शिकायतकर्ता के पति और बेटे को मार डाला था।

विशेष न्यायाधीश के सामने पेश होकर, शिकायतकर्ता, जिसके पति और बेटे को कथित तौर पर कुमार द्वारा उकसाए गए भीड़ द्वारा मार डाला गया था, ने उसके लिए अधिकतम मौत की सजा की मांग की।

शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फुल्का ने कहा, भीड़ का नेतृत्व करने के नाते आरोपी ने दूसरों को नरसंहार व मानवता के खिलाफ अपराध और नृशंस हत्याएं करने के लिए उकसाया। लिहाजा वह मृत्युदंड से कम सजा का हकदार नहीं है।

एक नवंबर १९८४ को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरूणदीप सिंह की हत्या कर दी गई थी। फुल्का ने कहा कि इस मामले के अलावा दंगों से जुड़े एक अन्य मामले में, दिल्ली छावनी के राज नगर इलाके में पांच लोगों की हत्या के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुमार को दोषी पाया था। उन्होंने दावा किया कि इस तरह सात लोगों की हत्या नरसंहार का हिस्सा थी।

फुल्का ने कहा कि कुमार उस भीड़ का नेतृत्व कर रहे थे जिसने दो लोगों की हत्या कर दी और जिस व्यक्ति ने दूसरों को निर्मम तरीके से लोगों की हत्या करने के लिए उकसाया और उसका नेतृत्व किया, उसे बड़ी सजा मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कुमार को राजनगर मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन अब वह मौत की सजा के हकदार हैं। अभियोजन पक्ष ने पूर्व कांग्रेस सांसद के लिए मृत्युदंड की भी मांग की थी। अदालत ने कुमार की ओर से पेश वकील से दो दिन में अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा। न्यायाधीश ने कहा, सुनवाई की अगली तारीख पर सजा सुनाई जाएगी।

अदालत ने १२ फरवरी को कुमार को अपराध के लिए दोषी ठहराया और शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय के आदेश के मद्देनजर तिहाड़ केंद्रीय जेल से उनके मनोरोग और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन पर एक रिपोर्ट मांगी। आदेश के तहत मृत्युदंड के मामलों में ऐसी रिपोर्ट मांगी जाती है। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। हत्या के लिए न्यूनतम सजा आजीवन कारावास है जबकि अधिकतम सजा मृत्युदंड है।

निरसा में एक करोड़ का शराब जब्त

निरसा (ससे) : निरसा स्थित गल्फरबाड़ी ओपी क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग १९ के समीप उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के मिनी फैक्ट्री का उदभेदन किया है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए से अधिक की बताई जाती है। मौके से करीब २ हजार पेटी अवैध शराब जब्त किया गया है जिसमें विभिन्न ब्रांड के शराब और खाली बोतल, रैपर और कैप, ड्राम और उपकरण बरामद की गई है। बताया जाता है कि एक घर की चारदीवारी के अंदर पूरे सुनियोजित तरीके से अवैध शराब की रिफिलिंग और लेबलिंग के साथ इसे होटलों ढाबों और राष्ट्रीय राजमार्गो में खपाने के साथ दूसरे जिलों में भी भेजा जाता है।

छापेमारी के दौरान तीन धंधेबाज को उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि सहायक उत्पात आयुक्त रामलीला रवानी को गुप्त सूचना मिली थी और उनके नेतृत्व में टीम ने छापेमारी कर बड़ी सफलता हासिल की है। छापेमारी टीम में उत्पाद विभाग के कुमार सतेंद्र, धमन कुजूर, गौतम कुमार महतो, जितेंद्र कुमार सिंह, अमित कुमार शामिल थे।

विधायक राज सिन्हा से मिले रेडक्रास प्रतिनिधिमंडल

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह के साथ वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो, संयुक्त सचिव दिलीप सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सह चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह एवं आजीवन सदस्य ज्ञानचंद, पिंटू , राजा तिवारी, टिंकु साव, दीपक ढककर, प्रकाश शर्मा, मानस प्रसुन्न एवं अन्य ने धनबाद विधायक राज सिन्हा से उनके आवासीय कार्यालय में मिलकर दस बेड डायलिसिस यूनिट प्रदान करने का आग्रह किया। जिसे विधायक ने स्वीकार करते हुए धनबाद उपायुक्त को कल की बैठक में प्रस्तुत करने के लिए पत्राचार किया।

स्कूलों में समय पर एमडीएम का राशन उपलब्ध कराएं : डीसी

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में एमडीएम स्टीयरिंगसह-मॉनिटरिंग कमिटी की बैठक समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में हुई, जिसमें पीएम पोषण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष का बजट पर विचारविमर्श कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा पीएम पोषण योजनान्तर्गत कार्यरत रसोइया का मानदेय भुगतान व स्कूल स्टेप डिलीवरी के तहत विद्यालय तक खाद्यान्न का उठाव, वित्तीय वर्ष २०२४२५ में विद्यालय में उपलब्ध कुकिंग कॉस्ट मद राशि का आयब्यय, वित्तीय वर्ष २०२४२५ में जिलाविद्यालय में उपलब्ध फलअण्डा मद राशि का आयब्यय, वित्तीय वर्ष २०२४२५ में जिलाविद्यालय में उपलब्ध रागी (मडुआ) मद राशि का आयब्यय एवं पीएम पोषण योजनान्तर्गत विद्यालय द्वारा भेजें जा रहे एसएमएस की समीक्षा की गई।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने एमडीएम का औचक निरीक्षण करने के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देशित दिये। उन्होंने कहा कि समयसमय पर विद्यालयों में मिल रहे एमडीएम का औचक जांच कर यह सुनिश्चित करें कि तय मानकों के अनुरूप बच्चों को एमडीएम मिले। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि तय समय पर सभी प्रखंडो में एमडीएम का राशन पहुँचे और वहां से सभी स्कूलों में समय पर राशन उपलब्ध कराएं।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी समेत अन्य मौजूद रहें।

सभी कथाओं में श्रेष्ठ है भागवत कथा : श्री उपेंद्र कृष्ण जी

भूली (ससे) : भव्य एवं पारंपरिक वेश में शुक्रवार से महानपुर में श्रीमद् भागवत कथा कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। भूली डी ब्लॉक सेक्टर ११ के बाबा दु:ख हरेश्वर मंदिर में बीच २१ से २८ फरवरी तक ९ दिवसीय श्री भागवत कथा रस धारा का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया। श्रीभागवत कथा रस धारा में वाराणसी से आये उपेंद्र कृष्ण परासर जी महाराज के मुखारविंद से श्रोता और भक्त भागवत कथा का श्रवण करेंगे।

शुक्रवार को बाबा दु:ख हरेश्वर मंदिर प्रांगण से भव्य कलश शोभायात्रा गांजे बाजे के साथ निकाली गयी। जल भरण की विधि पंडित गणेश झा ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ डी ब्लॉक छठ घाट तालाब में सम्पन्न कराया। जिसके बाद कलश और धर्म ध्वजा के साथ नगर भ्रमण किया गया। डीजे पर राधा श्याम के मनमोहक भजन व सभी भागवत प्रेमी की जय श्री सीता राम, जय श्री राधे श्याम, जय श्रीराम के जयकारे से संपूर्ण वातावरण भक्ति की रस में डूब गया। भागवत कथा २२ से २८ फरवरी दोपहर तीन बजे से चलेगी। कथावाचक उपेंद्र कृष्ण परासर जी महाराज ने बताया कि विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है। इसे सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियां को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा अन्य भी इसे गलती से भी श्रवण कर लेता है, तो भी वो कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अगर कोई सात दिनों तक किसी व्यवस्तता के कारण नहीं सुन सकता है, तो वह दो तीन या चार दिन ही इसे सुनने के लिए अपना समय अवश्य निकालें। तब भी वो इसका फल प्राप्त करता है, क्योंकि ये कथा भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है, जिसमें उनके अवतार से लेकर कंस वध का प्रसंग का उल्लेख होने के साथसाथ इसकी व्यक्ति के जीवन में महत्ता के बारे में भी बताया गया है। मौके पर भागवत कथा रस धारा के आयोजन के लिए गठित कमिटी के अध्यक्ष राकेश सिन्हा, उपाध्यक्ष राजेंद्र सेठ, राजकुमार, सचिव प. गणेश झा, उपसचिव संतोष कुमार, कोषाध्यक्ष जूही शर्मा, उप कोषाध्यक्ष दीपक कुमार, मीडिया प्रभारी नंदन मिश्रा, उप मिडिया प्रभारी सौरभ दुबे, राजीव सिन्हा, संतोष मंडल, संगठन मंत्री चन्दन सेठ, बृजेश कुमार, अमित सिंह, मनोज सिंह, अरुण कुमार, रामानंद, अखिलेश शर्मा, डॉ विनोद चौधरी व अर्जुन लोहार आदि शामिल थे।

श्रीमद् भागवत कथा को लेकर निकली कलश यात्रा

कतरास (ससे) : गांधी चौक कतरास बाजार स्थित महावीर मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा को लेकर शुक्रवार को गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा गांधी चौक कतरास बाजार से निकली, जो शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए लिलौरी मंदिर कतरी नदी पहुंची। जहां विद्वान पंडित जगत पांडेय, अशोक उपाध्याय, लखन पांडेय, सीनू उपाध्याय, गोपाल पांडेय द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ महिलाओं ने अपनेअपने कलश में जल भरी। जल भरने के बाद श्रद्धालु पुन: मंदिर प्रांगण पहुंचे।

कलश यात्रा में भारी संख्या में महिला पुरुष एवं बच्चे नाचतेमाते जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। यात्रा मुख्य जजमान दुर्गा प्रसाद जायसवाल की धर्मपत्नी सबिता जयसवाल के अलावे डॉ स्वतंत्र कुमार, डॉ मधुमाला, सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु चौरसिया, गोपाल जयसवाल, अजय जयसवाल, समीर जयसवाल, शुभम जयसवाल, पवन जयसवाल, बाबूलाल खंडेलवाल, उत्तम चौरसिया, सट्टू जयसवाल, अमर जयसवाल, पवन जयसवाल, गोल्डी जयसवाल, आनंद खंडेलवाल, काजल बाबा, शंकर गुप्ता, सुरेश गुप्ता, कैलाश खण्डेवाल, गिरधारी खंडेलवाल, गीता जयसवाल, सरिता जयसवाल, अंजनी चौरसिया, विनीता जयसवाल, सीखा जयसवाल, अनु जयसवाल, शशि जायसवाल, गीता जयसवाल, रूपा जयसवाल, तपन कुमार, संध्या गुप्ता, महादेवी वर्मा, संजू वर्मा, गायत्री देवी आदि शामिल थी।

बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने मनाया विश्व बंगला मातृभाषा दिवस

धनबाद (कासं) : २१ फरवरी को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के द्वारा पार्थ सारथी दत्त की अध्यक्षता में विश्व मातृभाषा दिवस मनाया गया। जिसमें समिति के संस्थापक बेंगू ठाकुर ने कहा कि शुक्रवार के दिन बंगाली समाज के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि २१ फरवरी को पूरे विश्व में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। १९५२ में पूर्वी पाकिस्तान में बलपूर्वक बंगला भाषा की जगह उर्दू भाषा को राजभाषा बनाने के लिए दबाव बनाई गई। ढाका विश्वविद्यालय के छात्रछात्राओं ने सड़क पर उर्दू के खिलाफ आंदोलन किया। पाकिस्तान की आर्मी ने अंधाधुंध गोलियां चलवाई, जिसमें दर्जनों छात्र शहीद हो गए, इसी आंदोलन का परिणाम हुआ कि १९७१ में मुक्तिवाहिनी ने भारतीय सेना के सहयोग से बांग्लादेश को आजाद करायां।

वहीं १९७२ को असम सरकार ने बंगाल के जगह आसामी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया, राज्य सरकार के निर्णय के खिलाफ सिल्चर रेलवे स्टेशन पर हजारों की संख्या में छात्रछात्राओं द्वारा शांतिपूर्ण धरना दिया गया पर उन पर भी गोली चला दी गई जिसमें ११ छात्र शहीद हुए। १९५२ में भाषा आंदोलन में मानभूमि से कोलकाता तक विशाल आंदोलन हुआ था।

जब १९९१ में यूनेस्को में विश्व भाषा सम्मेलन हो रहा था उसमें निर्णय लिया गया भाषा आंदोलन में एकमात्र मातृभाषा बंगाल के लिए शहीद हुए थे। इसलिए २१ फरवरी को विश्व मातृभाषा के रूप में मनाया जा जाएं।

जश्रसं ने की कुसुंडा जीएम से वार्ता, 34 मांगों पर राजी

केंदुआ (ससे) : कुसुंडा क्षेत्र संख्या ६ में कार्यरत कर्मियों का ३४ सूत्री मांगों के समर्थन में जनता श्रमिक संघ केंद्रीय कमिटी के साथ झरिया विधायक सह संघ के केंद्रीय महामंत्री रागिनी सिंह पहुँची। कुसुंडा क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय जहां उपस्थित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने २५ किलो का फूल माला एवं गाजे बाजे से उनका जोरदार स्वागत किया। तद्पश्चात महाप्रबन्धक से सकारात्मक द्विपक्षीय सफल वार्ता हुई। जिसमे प्रबंधन की ओर से संज्ञान लेते हुए संघ की सभी मांगें जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया गया। मौके पर जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री केडी पाडेय, केंद्रीय अध्यक्ष सन्तोष सिंह, कुसुंडा क्षेत्रीय

अध्यक्ष कमलेश कुमार पासवान, सचिव राजू सिंह, सोनू कुमार, शिव शंकर चौहान, विनय कुमार, श्रवण कुमार, राजमणी आजाद, शेखर जी, मिथलेश पासवान, प्रभात सिंह, नन्द कुमार सिंह, कृपाल रवानी, छोटेलाल चौबे, क्रांति देवी,उमा कुमारी, आरपी पासवान, योगेश कुमार, ललन साव, त्रिलोकी प्रसाद, संजय यादव, अजय भुईयां, असंगठित अध्यक्ष नवीन कुमार, सचिव सुरेंद्र सिंह, कंचन पासवान, विजय बहादुर, महेंद्र कुमार, शिव कुमार राजभर आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने न्यायालय में किया सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन के निर्देशानुसार वरीय पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर सुमित कुमार ने धनबाद व्यवहार न्यायालय परिसर से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों की टीम शुक्रवार को धनबाद व्यवहार न्यायालय पहुंची जहां सुरक्षा व्यवस्था का ऑडिट किया गया। पदाधिकारियो ने न्यायालय परिसर, कोर्ट हाजत, कोर्ट परिसर से जेल की ओर जाने वाली सड़क, न्यायालय परिसर की इंट्री व निकासी गेट, चहारदीवारी की ऊंचाई आदि का निरीक्षण किया।

इस दौरान वहां सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों के साथ साथ मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी, वाहन जांच, आगंतुकों की तलाशी संबंधित व्यवस्था की गहनता से समीक्षा की गई।

इस दौरान परिसर में तैनात पुलिस पदाधिकारियों को सुरक्षा से जुड़े कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए गए, खासकर मंडल कारा से पेशी के लिए कोर्ट लाए जाने तथा पेशी के बाद मंडल कारा वापस पहुंचाने के दौरान बंदियों पर विशेष नजर रखने और बंदियों से मिलने वाले मुलाकातियों पर पैनी निगाह रखने को कहा गयास्। वॉच टॉवर से निगरानी रखने का निर्देश दिया गया।

कचहरी रोड में होटल रत्न विहार से लेकर रणधीर वर्मा चौक तक सड़क किनारे दो पहिया व चार पहिया वाहन लगाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कर्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

एडीएम के नेतृत्व में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का किया संयुक्त निरीक्षण

धनबाद (कासं) : सड़क दुर्घटनाओं एवं जाम से निजात पाने के लिए एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) अरविंद कुमार सिंह व रोड सेफ्टी टीम तथा एनएचएआई दुर्गापुर के प्रतिनिधि ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से बरवाअड्डा किसान चौक से गोविंदपुर तक के दुर्घटना संभावित तथा जाम वाले क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण किया।

वहीं एडीएम ने बताया कि २० फरवरी को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें लिए गए निर्णय एवं उपायुक्त माधवी मिश्रा द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में आज दुर्घटना संभावित क्षेत्र तथा जाम वाले क्षेत्रों का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के बाद एनएचएआई दुर्गापुर को सर्विस रोड तथा मेन रोड के बीच डिवाइडर बनाने, डिवाइडर में रेलिंग लगाने, सर्विस रोड का काम पूरा करने तथा सर्विस रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया गया है। साथ ही स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था करने, साइनेज, कट आई तथा येलो लिंकर लगाने का भी निर्देश दिया गया।

पड़ोसी के उपद्रव से मुक्ति दिलाने की गुहार

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित जनता दरबार में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने विभिन्न लोगों की शिकायतें सुनी।

इसमें एक छात्र ने आवेदन देकर बताया कि उसे बिना कोई कारण बताएं या चेतावनी दिए स्कूल से निष्कासित कर दिया गया है। मामले पर संज्ञान लेते हुए एडीएम ने जिला शिक्षा अधीक्षक को दोनों पक्षों को बुलाकर बात करने और वस्तु स्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया।

केंदुआ बाजार हनुमानगढ़ी से आए व्यक्ति ने उनकी पैतृक जमीन पर जबरन कब्जा करने, रास्ता बंद कर देने एवं रंगदारी मांगने की शिकायत की है। गोविंदपुर के दामकड़ा बरवाअड्डा व बड़ा जमुआ से आई महिलाओं ने १५वें वित्त आयोग मद से बनने वाले नाली निर्माण में कुछ लोगों द्वारा बाधा पहुंचाने, महुबनी २ गोविंदपुर से आए व्यक्ति ने अबुआ आवास एवं पीएम आवास योजना में अनियमितता बरतने की शिकायत की।

जनता दरबार में धारजोरी मौजा में चल रहे अवैध निर्माण कार्य को बंद कराने तथा पड़ोसी के उपद्रव एवं उत्पात से मुक्ति दिलाने व राशन कार्ड में नाम जोड़ने सहित अन्य शिकायत से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जन शिकायत कोषांग के नंदकिशोर कुशवाहा व अन्य लोग मौजूद थे।

अनियंत्रित ट्रक पलटा, यातायात बाधित

धनबाद (कासं) : नई दिल्लीकोलकाता मुख्य मार्ग एनएच १९ पर शुक्रवार को अनियंत्रित ट्रक पलट गया। जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि नेशनल हाइवे १९ पर तोपचांची की तरफ से आ रही ओवरलोडेड ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे ट्रक में लोड चारकोल शीट सड़क पर बिखर गई। जिससे यातायात पूरी तरफ बाधित हो गया है। मामले की सूचना मिलने पर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुँच कर यातायात सामान्य कराने में जुट गई है।

जीएम कार्यालय से मोटरसाइकिल चोरी

केन्दुआ (ससे) : गोधर एरिया छह के महाप्रबंधक कार्यालय से शुक्रवार की दोपहर लगभग १२ बजे मोटरसाइकिल जे एच १० सीएफ ३६९० की चोरी हो गयी। भुक्तभोगी पुटकी प्रेम नगर निवासी राहुल कुमार चौहान ने केन्दुआडीह थाना में अज्ञात चोरों के द्वारा मोटरसाइकिल चोरी होने की लिखित शिकायत की है।

राहुल कुमार चौहान ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की दोपहर १२ बजे गोधर एरिया आफिस के प्रागंण में होण्डा साइन जेएच १२ सीएफ ३६९०, जो गोधर नं० २५ निवासी डॉ. नंदन कुमार चौहान के नाम से है। यात्री शेड में खड़ा कर आफिस गया। जब वापस आकर देखा तो मोटरसाइकिल नहीं थी, काफी खोजबीन की। पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

महिला चाय दुकानदार पर हमला, थाने में शिकायत

धनबाद (कासं) : हाउसिंग कॉलोनी में चाय की दुकान चलाने वाली मरियम खातून पर शुक्रवार को कुछ लोगों ने हमला कर दिया और उनकी दुकान को तहसनहस कर दिया। यह घटना तब हुई जब मरियम खातून ने एक महिला से उधार दिए गए पैसे वापस मांगे।

मीडिया से बातचीत में मरियम खातून ने बताया कि उन्होंने बसंती देवी नाम की एक महिला को कुछ समय पहले उधार दिया था। जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा, तो बसंती देवी ने पहले बहस की और फिर २०२५ लोगों को बुलाकर उन पर हमला करवा दिया। इस दौरान उनकी दुकान में जमकर तोड़फोड़ भी की गई। मरियम खातून, जो अपने दिवंगत पति के बाद अकेले चाय की दुकान चला रही हैं। इस घटना से सदमे में हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी मुश्किल से वह अपना जीवन यापन कर रही हैं, लेकिन इस हमले के कारण उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ा।

घटना के बाद मरियम खातून ने धनबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, इस पूरे मामले में दूसरे पक्ष की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

बीसीसीएल में मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी व प्रतियोगिता

धनबाद (कासं) : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति धनबाद (नराकास) के तत्वावधान में अध्यक्ष कार्यालय भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के संयोजन और कैनरा बैंक के सौजन्य से आज अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद बीसीसीएल के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) कुमार मनोज ने स्वागत वक्तव्य दिया। मंच पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के महाप्रबंधक योगेंद्र पासवान, कैनरा बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अंतिम जैन तूफान सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री मुरली कृष्ण रमैया ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, मातृभाषा वह भाषा है जिसे व्यक्ति बिना पढ़ेलिखे ही बोल सकता है।

यह भाषा मां से प्राप्त होती है और इसके साथ व्यक्ति का सांस्कृतिक और आत्मिक जुड़ाव होता है। मातृभाषा के संरक्षण से हमारी जड़ों को पोषण मिलता है। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में धनबाद के प्रतिष्ठित लेखक, पत्रकार और साहित्यकर्मी उमानाथ लाल को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। अपने वक्तव्य में श्री लाल ने कहा, देश की मातृभाषाएं सरकार से नहीं, जन सरोकार से समृद्ध होंगी। हिंदी के विकास के लिए देश की सभी भाषाओं और बोलियों का संवर्धन बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान स्मृति ज्ञान प्रतियोगिता एवं मातृभाषा पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कार्यालयों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धनबाद स्थित केंद्र सरकार के लगभग ४० कार्यालयों से १२० से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर मातृभाषा के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। समारोह का सफल संचालन बीसीसीएल के प्रबंधक (राजभाषा) एवं नराकास, धनबाद के सचिव दिलीप कुमार सिंह ने किया।

शिव महापुराण कथा में उमड़े शिव भक्त

निरसा (ससे) : धर्म उत्थान समिति की ओर से जुनकुंदर ब्रह्मस्थान स्थित मंगल मूर्ति धाम में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रिवेर्डिंग, रुद्राक्ष और नारद जी की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि नारद जी ने काम, क्रोध को जीत लिया था बावजूद ईश्वर के माया में फंस जाते हैं। नारद जी ने विश्व मोहिनी से विवाह करने के लिए अपने हित में सुंदर रुप भगवान से मांगा था।

भगवान ने नारद जी को बंदर का रुप दे दिया। जिस प्रकार मां को ज्ञान होता है कि बच्चे का हित किस में है। वही कार्य करती है। विवाह करने विश्व मोहिनी के पास नारद जी गए तो उनका उपेक्षा किया गया। क्रोधित होकर नारद जी ने देवगणों को श्राप दे दिया। इसके बाद भगवान ने नारद जी को माया का बोध कराया और अहंकार को भंग किया था। तब जाकर नारद जी को पश्चाताप हुआ। उन्होंने कहा कि धनाढ्य वर्ग में प्रिवेर्डिंग का प्रचलन बढ़ गई है। अब समाज के सभी वर्गों में आ गया है। यह हमारे संस्कारों में नहीं है। समाज बूरी संस्कृति को अपना रहा है। लोग मर्यादा को नष्ट कर प्रिवेर्डिंग को एलईडी पर चलवाते हैं। धन का ग़लत इस्तेमाल कर रहे हैं। बच्चों को इस कुरीति के संबंध में समझाने की जरुरत है। उन्होंने रुद्राक्ष की उत्पत्ति, धारण विधि और लाभ की जानकारी दी। कथा में दौरान अर्धनारीश्वर रुप की झांकी आकर्षण का केंद्र था। मुख्य यजमान के रुप में आशुतोष पाठक, उनकी पत्नी कल्याणी पाठक, पूर्व मुखिया रिंटू पाठक, उनकी पत्नी मुखिया कोमल पाठक थीं। कथा में विधायक अरुप चटर्जी, पूर्व विधायक अपर्णा सेन गुप्ता शामिल हुए।

मौके पर आचार्य मनीष शर्मा, अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, उपाध्यक्ष भरत सिंह, समाजसेवी कृष्ण लाल रुंगटा, सुदेश सिंह, गोरांगो गोराई, अनिल शर्मा, गुड्डू सिंह, रिंटू पाठक, राजू चौहान, इंद्रदेव प्रसाद, वीरेंद्र अटल, भोला चौहान, पप्पू शर्मा, दनोज ठाकुर, मंटू ठाकुर, शैलेश सिंह, रामप्रवेश ठाकुर, अरुण मोदी, वीरु राय, रवि महतो, संतोष प्रसाद, राजेश्वर साव, अखिलेश यादव, धीरज सिंह, राजू रक्षित, कमलेश यादव, ब्रह्मदेव गोप, स्वरुप सरकार, कमलदीप चौहान, संजय चौहान, सुदामा प्रसाद, बुबाई मुखर्जी, आदित्य, ललकू रवानी, यश, अमन, राजा, आयुष, सदानंद ठाकुर, सरगुन ठाकुर आदि थे।

शिल्प प्रदर्शन व जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार अन्तर्गत विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय देवघर द्वारा एकलव्य माध्यमिक विद्यालय, सहराज, गोविंदपुर में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया किया गया है। प्रथम दिवस आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि सहायक निदेशक हस्तशिल्प भुवन भास्कर, चेतना महाविद्यालय के संरक्षक शैलेंद्र एवं अन्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर दिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सहायक निदेशक हस्तशिल्प भुवन भास्कर ने कहा कि हस्तशिल्प संस्कृति की पहचान है और ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से निश्चित ही बच्चों के बीच झारखंड की सभ्यता और संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ेगा। आधुनिकीकरण के दौर में भी हस्तशिल्प एवं हथकरघा के उत्पादों के प्रति बढ़ते रुझान से पता चलता है कि संस्कृति हमारी जीवन का अभिन्न अंग है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हस्तशिल्प की विधा को शामिल करना है, ताकि बच्चों में क्षेत्रीय हस्तशिल्प एवं अन्य संस्कृति गतिविधि की जानकारी मिल सके। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए ऐसे कार्यक्रम स्वरोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग ४ से ९ तक के सभी छात्रछात्रा झारखंड के चार हस्तशिल्प यथा बांस शिल्प, टेराकोटा, सोहराय लोकचित्रकला और डॉल एवं टॉयज के हस्तशिल्पियों द्वारा बारीकी को समझे एवं भारत के समृद्ध हस्तशिल्प विरासत के प्रति जागरूक हो। मौके पर बच्चों संग प्राचार्य हेनालाल हेम्ब्रम, शिक्षकगण अनिल मुर्मू, रविंद्र टुडू, पंकज, सुनीता, गणेश, रुपलाल एवं अन्य मौजूद रहे।

प्रदूषण फैला रही बांसजोड़ा आउटसोर्सिंग कंपनी

लोयाबाद (ससे) : बांसजोड़ा कोलियरी में संचालित साकारमास ज्वाइन्ट भेक्चर पेटी कॉन्टेक्ट धनसार इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड डेको आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा डीजीएमएस के सारे नियमों को ताख पर रखकर खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। उक्त बातें बांसजोड़ा ग्रामीण एकता मंच के आशीष रवानी, राकेश रवानी, रजनी देवी, विभा सिंह समेत अन्य ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से कहा। साथ ही बांसजोड़ा ग्रामीण एकता मंच के ग्रामीणों ने बताया कि डेको आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा बांसजोड़ा पैच से ओबीआर को उठाकर बांसजोड़ा पैच पर ही डंप किये जाने से भारी मात्रा में धूलकण उड़ रहे है। डेको कंपनी के ओबी डंप से उड़ रहे धूलकण से वातावरण प्रदूषित तो हो ही रहा बल्कि धूलकणों से बांसजोड़ा, निचितपुर, गड़ेडिया, सेंदरा, मदनाडीह, कनकनी, लोयाबाद के विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों तथा बच्चों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। इसके अलावे यहां के लोग स्वच्छ हवा की जगह धूल फांकते हैं। इस जान लेवा समस्या को लेकर जब बांसजोड़ा के लोगों से पूछ गया तो नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि डेको कंपनी द्वारा मनमानी तरीके से यहाँ धूलकण उड़ाई जा रही है जो इस क्षेत्र में यह समस्या आम हो रही है। लोग चाहकर भी डेको कंपनी के खिलाफ कुछ नहीं कर पा रहे हैं। डेको कंपनी से उड़ते हुए

धूलकण से घर की छतों और घर के बाहर खड़ी वाहनों पर मोटी धूल से काली परत जम रही है। यहां लोगों का जीना दुश्वार हो गया है।

उड़ते धूलकण से लोगों के घरों में एक परत धूल जम गए है। खाने पीने की सामग्री नष्ट हो रहे है। कपड़े काले हो रहे है। हरे वृक्षों की अंधाधुन कटाई से लोगों को इस प्रदूषण से शुद्ध वायु लेना दुर्लभ हो गया है। उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां उतपन्न हो रही है। ओबी डंप स्थल पर सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। कभी भी बड़ी हादसा हो सकती है। ओबीआर डंप की जा रही है, लेकिन पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। जिससे आसपास के घरों में रह रहे लोगों को धूलमिट्टी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

इसको लेकर प्रदूषण की रोकथाम के लिए कई बार बांसजोड़ा के ग्रमीणों द्वारा आन्दोलन किया गया था लेकिन आज तक कोई पहल नहीं की गई। स्थानीय लोगों ने डेको परियोजना जाकर प्रबंधक से मिलकर ओबी डंप से उड़ रही धूल की रोकथाम व ओबीआर पर पानी छिड़काव कर डंप करने को कहा जाता है लेकिन प्रबंधन के कणों पर जूं तक नहीं रेंगती है। बारबार कर्मियों को सूचना के बावजूद भी यहां नियमित पानी का छिड़काव नहीं किया जाता है।

लोगों ने यह भी बताया कि राष्ट्र हित में ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए कोयला का उत्पादन बहुत ही जरूरी है पर जनता और पर्यावरण की सुरक्षा भी उतना ही जरूरी है, परंतु डेको कंपनी के द्वारा जानबूझकर यहां मानकों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो, बाध्य होकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इसीआरकेयू ने मनाया अखिल भारतीय मांग दिवस

धनबाद (कासं) : ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के आह्वान और ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के दिशा निर्देश पर ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद लाइन शाखा द्वारा अखिल भारतीय मांग दिवस मनाया इसके तहत धनबाद के कैरिज एंड वैगन डिपो के मैने गेट पर सुबह १० बजे से एक गेट मीटिंग आयोजन किया गया, इसमें बारीबारी से सभी वक्ताओं ने अपना वक्तव्य रखें। इस मांग दिवस का मुख्य मांगे रेलवे के खाली पदों को अभिलंब भर जाए,रेलवे में निजीकरण निगम कारण एवं आउटसोर्सिंग पर रोक लगाया जाए, रेलवे में जर्जर कॉलोनी की जगह पर नया आवास का निर्माण एवं रेलवे कॉलोनी में सुविधा का व्यवस्था किया जाए, यूपीएस का कर्मियों को अभिलंब सुधार आ जाए सभी रेल कर्मचारियों को ८ घंटा से ज्यादा काम ना लिया जाए आदि शामिल है और सभा का अंत में डिपो इंचार्ज अभय मेहता को मांग पत्र सोपा गया। आज का इस अखिल भारतीय मांग दिवस में नेताजी सुभाष, जितेंद्र कुमार साव,एन के खवास,प्रशांत बनर्जी,विमान मंडल, सुरेंद्र चौहान, दिलीप कुमार, संतोष कुमार गोंड, एनसी राय, गुलाबचंद पंडित,विकास गोराई, दउदअंसारी, सौरभ कुमार, सीढी हजम, रुचि कुमारी, बिंदु देवी, बबीता कुमारी, प्रीति देवी, लक्ष्मी एवं अन्य रेलकर्मी साथी उपस्थित रहे।

पुश्तैनी जमीन को हथियाने का प्रयास : अरविंद सिन्हा

कतरास (ससे) : हनुमंत नगर कतरासगढ़ के रैयत अरविंद सिन्हा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि हनुमंत नगर में मौजा कतरास (२३९), खाता संख्या ६७, प्लॉट संख्या १९८७ का ख़ातियानी रैयत मेरे दादा स्व भोला प्रसाद लाला है। जो मेरे दादा स्व. भोला प्रसाद लाला ने उक्त जमीन में से अपने अंश को किसी को नही बेचा है। लेकिन भूमाफिया अशोक चौरसिया जो उक्त जमीन में बिल्डर बनकर कार्य कर रहा है। अवैध तरीका से मेरे पुश्तैनी जमीन को हथियाने का प्रयास कर रहा है। उसने मेरे खानदान के कुछ लोगों को अपने साथ मिलाकर इलीगल तरीके से फर्जी दस्तावेज बना लिया है। वो जिस बँटननामा की बात कर रहा है। उसे भी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। दो बार उक्त जमीन मापने आए अंचल के सरकारी अमीन को बिना जमीन की मापी किए वापस लौटा दिया गया। यह बात अमीन के रिपोर्ट में भी उल्लेख किया गया है।

इस संबंध में मैंने कतरास थाना, अंचल कार्यालय बाघमारा, एरिया ३ के जीएम, एसडीएम, बाघमारा डीएसपी, एसएसपी, उपायुक्त, मुख्य सचिव झारखंड सरकार, भूराजस्व मंत्री दीपक बिरुआ, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पुलिस जन शिकायत में आवेदन देकर पूरे मामले और फर्जीवाड़ा के जांच की मांग किया हूँ। मुख्यमंत्री सचिवालय से धनबाद उपायुक्त को जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं, लेकिन अब तक जांच नहीं हुई है।

रुकैया मिर्जा बनी महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष

जोड़ापोखर (ससे) : वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन महिला मोर्चा का संगठन धनबाद जिला में रेखा कुमारी और रामगढ़ जिला में रुकैया मिर्जा को महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाया गया जिस महिला मोर्चा के क संगठन में काफी खुशी की लहर है।

महिला मोर्चा के अध्यक्ष बनने पर सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अली इमाम भारती जी को बहुतबहुत बधाई दिया बधाई देने वालों में से वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन प्रदेश महासचिव मोहम्मद शाहिद जिला अध्यक्ष शमीम शाह

वरीय उपाध्यक्ष का मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह, इदरिसीया फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष शहाबुद्दीन, जिला महासचिव मोहम्मद कलाम, कार्यकारिणी सदस्य सफीक खान, गिरिजा देवी, रीना देवी, प्रिया देवी, सलमा खातून, शहनाज खातून, अंजू देवी, मंजू देवी, उषा देवी, राधा देवी, फातिमा खातून, बजिदर सिंह, अनूप पासवान, सूरज कुमार, फैज अंसारी, हैदर अली इत्यादि लोगों ने बधाई दी। सायसाय प्रदेश अध्यक्ष शहजादी खातून को भी सभी ने बधाई दी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई बधाई

धनबाद/सिंदरी (कासं) : शुक्रवार को सिंदरीधनबाद के सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा सदन के सोशल मीडिया हेड आशीष सिंह सूर्यवंशी ने अपने सहयोगी अंकित शुक्ला के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाक़ात कर उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। दोनों ने मुख्यमंत्री को राधे कृष्ण की तस्वीर भेंट कर शुभकामनाएं देने के साथ ही यमुना को प्रदूषण मुक्त कराने का भी जिक्र किया। वहीं पूर्वांचल क्षेत्र से रोजगार के लिए, दिल्ली में निवास करने वाले लोगों पर भी विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है। गौरतलब है की बीते २० फरवरी को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगुवाई में रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पर की शपथ ली है। दिल्ली में २७ वर्षों बाद भाजपा ने सरकार बनाई है। रेखा गुप्ता दिल्ली के मुख्यमंत्री पद को संभालने वाली चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं।

माइनिंग द मिनरल्स पर सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद (ससे) : माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर ने माइनिंग द मिनरल्स आत्मनिर्भर भारत २०४७ की ओर बढ़ते कदम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें खनन क्षेत्र, इसकी भविष्य की नीतियों और तकनीकी प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रभावोत्पादक विचार विमर्श किया गया।

समापन सत्र की अध्यक्षता मुख्य अतिथि सह एनएमडीसी के निदेशक (वाणिज्य) वी. सुरेश ने की। एससीसीएल के सीएमडी एन. बलराम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। साथ ही एनएमडीसी के मुख्य सतर्कता पदाधिकारी बी. विश्वनाथ, एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पूर्व सीएमडी बी. सुरेन्द्र मोहन, एचसीएल के पूर्व सीएमडी ए.के. शुक्ला, एनएमडीसी के पूर्व निदेशक (उत्पादन) पी.के सतपथी ने एनएमडीसी लिमिटेड ने खनन नवाचार, सुस्थिरता और नीतिगत सुधारों पर चर्चा में योगदान दिया। इस मौके पर एनएमडीसी के निदेशक (तकनीकी) सह अध्यक्ष, एमईएआई हैदराबाद चैप्टर ने अपनी समापन टिप्पणी में कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन में सभी ने परिवर्तनकारी विचारों को साझा किया और भारत के आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास को बढ़ाने में खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उद्योग के अग्रणी व्यक्तित्वों ने नीतिगत सुधारों, अन्वेषण में वृद्धि, टिकाऊ खनन, डीकार्बोनाइजेशन, कौशल विकास और युवा प्रतिभा को आकर्षित करने की आवश्यकता पर जोर देकर सम्मेलन का एक मजबूत आधार बनाया।

संताली भाषा को प्रथम राजभाषा की दर्जा देने की मांग

धनबाद (कासं) : आदिवासी सेंगेल अभियान के तहत यूनेस्को द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के शुभ अवसर में झारखंड में संताली भाषा को प्रथम राजभाषा की दर्जा की मांग को लेकर जैना मोड़ स्थित तिलका मुर्मू चौक से नयामोड़, स्थित बिरसा मुंडा चौक होकर उपायुक्त कार्यालय तक संकल्प के साथ संताली प्रथम राजभाषा बाइक रैली कर प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व सेंगेल बोकारो जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने किया। इससे पहले सभी सेंगेल के नेतागण ने शहीद तिल्का मुर्मू चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किया। वहां से बाईक रैली रवाना करते हुए, शहीद बिरसा मुंडा चौक पर भी उनके चित्र में भी माल्यार्पण कर उपायुक्त कार्यालय तक बाईक रैली किया। तत्पश्चात सेंगेल के सात प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम उपायुक्त जाधव विजया नारायण राव के मार्फत ज्ञापन पत्र सौंपा। आज २१ फरवरी २०२५ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस है। जिसे २१ फरवरी १९५२ को

बंगला भाषा के लिए आंदोलनरत विद्यार्थियों को ढाका विश्वविद्यालय, तब पूर्वी पाकिस्तान में पुलिस प्रशासन द्वारा गोलियों से भून दिया गया था और अनेक भाषा प्रेमी आंदोलनकारी विद्यार्थी शहीद हो गये थे। जो उर्दू की जगह बंगला भाषा की मान्यता के लिए संघर्षरत थे। उन्हीं की स्मृति में यूनस्को ने १९९९ में यह प्रस्ताव पारित किया कि २१ फरवरी की तारीख को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाए। तत्पश्चात संयुक्त राष्ट्र ने इसको मान्यता प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के पालने की परंपरा अब सर्वत्र हो रहा है। आज दुनिया की लगभग ७ हजार भाषाओं में से ४० भाषाएं विलुप्ति की कगार पर खड़ी हैं जिसमें आदिवासी भाषाएं खतरे की जोन में पंहुच चुके हैं। चूंकि इनको भारत देश और राज्यों में कोई विशेष तवज्जो नहीं दी गई है। सर्वाधिक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आदिवासी प्रदेश झारखंड की जहां सर्वाधिक संताली भाषा बोली जाती है, बावजूद संताली भाषा को झारखंड प्रदेश में राजभाषा का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

अतः आदिवासी सेंगेल अभियान की मांग है कि सर्वाधिक बड़ी और राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त आदिवासी भाषा-संताली को अनुच्छेद३४५ के तहत झारखंड की प्रथम राजभाषा का दर्जा दिया जाए तथा बाकि झारखंडी आदिवासी भाषाओं (हो, मुंडा, खड़िया और कुड़ख) को समृद्ध,संवर्द्धन और संरक्षण किया जाए। दूसरी तरफ आदिवासी समाज को भी खुद अपनी भाषाओं को बचाने, बढ़ाने और समृद्ध करने के सभी उपायों को सार्थक बनाना होगा। चूंकि, आदिवासी के लिए उनकी हासा (जमीन) और भाषा ही लाइफ लाईन (जीवन रेखा) है। आदिवासी समाज को विदेशी भाषा,संस्कृति और धर्मों से सावधान होने की जरुरत है। संताली भाषा को २२ दिसंबर २००३ को आठवीं अनुसूचि में शामिल करने के महान उपलब्धि में संताली भाषा मोर्चा का योगदान ऐतिहासिक रहा है। जिसका नेतृत्व सेंगेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने किया था, आज भी निरंतर उन्हीं के नेतृत्व में सरना धर्म कोड और संताली राजभाषा की आंदोलन जारी है।

आशा है केवल वोट बैंक के नजरीए से चीजों को न देखा जाए बल्कि उनके महत्व को प्राथमिकता प्रदान किया जाए और अविलंब संताली भाषा को प्रथम राजभाषा बनाने की सार्थक कार्रवाई की जाए। तभी वीर शहीद सिदो मुर्मू और बिरसा मुंडा के सपनों को आबुआ दिशोम आबुआ राज की परिकल्पना स्थापित हो सकता है।

ज्ञापन पत्र सौंपने वाले सात प्रतिनिधि मंडल का नाम केन्द्रीय संयोजक हराधन मार्डी, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू, झारखंड प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा, जयराम सोरेन, सुगदा किस्कू, सेंगेल महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ललिता सोरेन आदि। बाईक रैली में बोकारो जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू, पेटरवार सेंगेल विडियो विजय मरांडी, कालीचरण किस्कू, संजय टुडू, राजेश मुर्मू, भुटेल टुडू, करमचंद मुर्मू, उपेन्द्र हेम्ब्रम, विजय मार्डी, बुटान बेसरा, कृष्णा किस्कू, नमिता टुडू, सोनी मुर्मू,जगदीश हांसदा, जागेश्वर मुर्मू, विशेश्वर मुर्मू, हरीशचंद्र मुर्मू, लालचंद टुडू, मोहन सोरेन, हरीनारायण मुर्मू, सुरजमनी सोरेन, पद्मा सोरेन, संजय बास्के, पानमती बास्के आदि महिला पुरुष शामिल थे।

संपादकीय

गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की थी जरूरत

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर जितना प्रचार-प्रसार किया गया, उत्तम व्यवस्था के जैसे दावे किए गए, जितनी भारी रकम खर्च करने के ब्योरे पेश किए गए, अब लगता है कि वह सब ढिंढोरा पीटने जैसा था। हकीकत में, अव्यवस्थाएं ही अधिक दर्ज हो रही हैं। इसमें लोगों के आने-जाने, रुकने-ठहरने, नहाने वगैरह के दौरान जो दुश्वारियां झेलनी पड़ीं, लोगों को घंटों गाड़ियों में कैद होकर सड़कों पर गुजारना पड़ा, रेलों में ठुंस-ठुंसा कर जैसे तैसे सफर करना पड़ा, भगदड़ में जो जानें गईं, पंडालों में आग लगने की घटनाएं हुईं उन सबसे अलग चिंता की बात यह है कि संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी नहाने लायक था ही नहीं।

उससे त्वचा रोग और दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होने के खतरे बताए जा रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को अपनी रपट में बताया है कि संगम क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग दिन लिए गए पानी के नमूनों में गुणवत्ता बहुत खराब दर्ज हुई है। उसमें मानव और पशु मल-मूत्र से पैदा होने वाले 'फेकल कोलीफार्म' नामक जीवाणु की अत्यधिक मात्रा पाई गई है। इस तथ्य को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक हफ्ते के भीतर रपट तलब की है।

हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने महाकुंभ के स्नान शुरू होने से पहले ही निर्देश दिया था कि गंगा और यमुना के पानी की गुणवत्ता लोगों के नहाने लायक सुनिश्चित होनी चाहिए। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ताजा रपट से तो यही जाहिर होता है कि एनजीटी के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कहना है कि संगम क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्नान करने की वजह से 'फेकल कोलीफार्म' की मात्रा बढ़ गई। मगर यह दलील किसी के गले नहीं उतर रही।महाकुंभ से पहले संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी स्वच्छ करने के खूब दावे किए गए। सरकार खुद बता रही थी कि महाकुंभ में चालीस करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है और सौ करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की गई हैं। फिर, कैसे संगम क्षेत्र में पानी की सफाई को लेकर ऐसी लापरवाही बरती गई कि लोगों में बीमारी फैलने की आशंका जताई जाने लगी है!

यह छिपी बात नहीं है कि तीर्थ स्थलों पर पूजा सामग्री आदि की वजह से तो गंदगी फैलती है, मगर वह वैसी खतरनाक नहीं होती, जैसी 'फेकल कोलीफार्म' के कारण हो सकती है। सब जानते हैं कि शहरों की गंदगी बिना शोधन के नदियों में गिरा दी जाती है। महाकुंभ में ऐसे गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की जरूरत थी। पर शायद पर्याप्त मात्रा में नहीं लगाए जा सके। ऐसे पावन पर्वों पर बहुत सारे लोग स्नान के साथ आचमन भी करते हैं, नदी जल पीते हैं।

इसलिए ज्यादा चिंता की बात है कि न जाने कितने लोगों को संक्रमण हो सकता है। जाहिर-सी बात है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ के आयोजन में रह गई खामियों को किसी न किसी तरह ढंकने-छिपाने का प्रयास कर रही है, संगम क्षेत्र में फैले जल-प्रदूषण के तथ्य को भी छिपाने का प्रयास करेगी। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रपट से महाकुंभ के आयोजन में अव्यवस्था की एक और चिंताजनक परत उघड़ गई है।

स्त्रियों की सुरक्षा को देखते हुए सरकार ने कानूनी मान्यता देने का लिया फैसला

भारत में विवाह को स्त्री-पुरुष संबंध का मजबूत आधार माना जाता है। इसी से परिवार की नींव पड़ती है और हमारा समाज बनता है। इसके बरक्स अपने देश में सहजीवन को अभी तक सामाजिक मान्यता नहीं मिली है। अलबत्ता, ऐसे रिश्ते चुनने वाले युगलों पर कोई वैधानिक रोक नहीं है। लोकतांत्रिक समाज की इसे उदारता कह सकते हैं। फिर भी सहजीवन के विरोध और समर्थन में प्राय- दलीलें दी जाती रही हैं। कई वर्ष पहले विवाह पंजीकरण विधेयक पारित होने के बाद भी सहजीवन को लेकर सवाल उठे थे और इसकी व्यावहारिकता पर प्रश्नचिह्न लगे थे। आखिरकार सहजीवन में रह रहे युगल भी समाज का ही हिस्सा होते हैं और जहां भी रहते हैं, वहां उन्हें सब देखते और जानते ही हैं। इस तरह उनका कुछ भी गोपनीय नहीं रहता। ऐसे ही एक युगल के तर्क पर उत्तराखंड उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी गलत नहीं कि जब आप विवाह किए बिना साथ रहते हैं, तो सहजीवन का पंजीकरण आपकी निजता पर हमला कैसे हुआ? आप समाज में रह रहे हैं, न कि जंगल में। इसमें कोई दो मत नहीं कि अगर ऐसे किसी रिश्ते में गहरा समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसा है, तो फिर डर कैसा? दरअसल, उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद सहजीवन का पंजीकरण अनिवार्य करने के खिलाफ एक याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है। आज की पीढ़ी को यह समझने की जरूरत है कि ऐसे रिश्ते के लिए यह कानूनी व्यवस्था क्यों करनी पड़ी? ऐसा क्यों लगता है कि सहजीवन से विवाह संस्था को खतरा है। क्या कोई भी समाज परिवार बनाने और बचाने की भावना को कमजोर होते देख सकता है? वहीं स्त्रियों की सुरक्षा भी बड़ा मुद्दा है। सहजीवन में रह रहीं कई महिलाओं से मारपीट और घरेलू हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय समाज में चिंता बढ़ी है। सहजीवन में जन्मी संतानों और उनकी मांओं के कानूनी अधिकार को भी नजरअंदाज नहीं किया सकता। ऐसे में इस तरह के रिश्ते के पंजीकरण से भला क्यों परहेज होना चाहिए? यह अजीब बात है कि हम आधुनिकता की अंधी गलियों में आंखें मूंदे क्यों भटक रहे हैं।

आज का कार्टून

आखिर भारत का असली दुश्मन कौन?

जब ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा दलील देते हैं कि भारत को चीन को अपना दुश्मन नहीं मानना चाहिए, तो सवाल पैदा होता है कि आखिर इंडिया गठबंधन के मुख्य घटक समाजवादी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष और तत्कालीन रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने चीन को भारत का दुश्मन नम्बर वन क्यों करार दिया था? दरअसल, 1962 के भारत-चीन युद्ध से लेकर 2020 के गलवान घाटी हिंसक झड़प तक, क्रमशः उसके पहले या इसके बाद भारत को लेकर चीन के जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार दिखते आए हैं, उससे तो यही प्रतीत होता है कि चीन भारत का मजबूत दुश्मन है। नेहरू-मोदी की मित्रता की भावना को उसने कुचला है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों से पता चलता है कि भले ही ईसाईयत और इस्लाम से सम्भाव्य मुकाबले के लिए हिंदुत्व (भारत) को बुद्धत्व (चीन) की जरूरत पड़ेगी, लेकिन इसके लिए दोनों देशों को समझदारी भरी दूरदर्शिता दिखानी पड़ेगी, अन्यथा वैश्विक परिस्थितियों की धर्मांध चक्की में दोनों देश पिसे जाएंगे और युगों-युगों तक पछताएंगे।

कमलेश पांडे

स्वाभाविक सवाल है कि भारत का असली दुश्मन कौन है? तो जवाब होगा कि भारत के कई दुश्मन हैं और इसके कारण भी अलग-अलग हैं। जहां तक राजनीतिक नजरिए और भौगोलिक सीमाओं का सवाल है तो चीन हमारा दुश्मन नम्बर वन है। वहीं, पाकिस्तान दुश्मन नम्बर 2, बंगलादेश दुश्मन नम्बर 3, नेपाल दुश्मन नम्बर 4, श्रीलंका दुश्मन नम्बर 5, मालदीव दुश्मन नम्बर 6, म्यामांर दुश्मन नम्बर 7, अफगानिस्तान दुश्मन नम्बर 8 और भूटान दुश्मन नम्बर 9 हैं। इन सबकी दांवपेंच भरी नीतियों से भारत किसी न किसी रूप में परेशान रहता है, क्योंकि अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, रूस और पश्चिमी देशों के शह पर ये भारत विरोधी नीतियों पर बहुधा अमल करते आए हैं। वहीं, सांस्कृतिक नजरिए से हिन्दू विरोधी होने के कारण कट्टर इस्लाम, ईसाई, सिख, बौद्ध आदि के आंतरिक गठजोड़ भी भारत के लिए आस्तीन के सांप जैसे हैं। क्योंकि पाकिस्तान, तुर्किये, ईरान आदि की शह पर कभी मुस्लिम देशों के संघ द्वारा, तो कभी ईसाई देशों के संघ द्वारा और इनके धर्मांध कारोबारियों द्वारा भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचे जाते हैं। साथ ही जैसे भारतीय मूल वाले सिख धर्म से जुड़े विदेशी लोगों को कनाडा-यूएसए द्वारा, दलित बौद्धों को चीन द्वारा भड़काया जाता है, अलगाववाद को बढ़वाया जाता है, वह भी भारत के भविष्य से दुश्मनी जैसा ही है। क्योंकि इनको शह देने वाले मुल्क भारत के हिंदुओं की जातीय और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काकर न केवल धर्मांतरण करवाते हैं, बल्कि गृह युद्ध के बीज भी यत्र-तत्र-सर्वत्र बुनते रहते हैं। दलित-ओबीसी साहित्य, साम्प्रदायिक इतिहास को शह आदि इनके सांस्कृतिक औजार बन चुके हैं।

वहीं, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में गुटनिरपेक्षता, सत्य व अहिंसा से अभिप्रेरित वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया जैसी उदात्त सोच से ग्लोबल साउथ मतलब तीसरी दुनिया के देशों के हितों की वकालत के चलते भी पश्चिमी राष्ट्र कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी, इटली आदि भारत से कभी प्रत्यक्ष और कभी परोक्ष शत्रुता रखते आए हैं। हालांकि, कड़वा सच यह है कि भारत के असली शत्रु हमारे मूढ़ राजनेता हैं, जो %महाभारत% काल से अभिप्रेरित सार्थक नीतियों को प्रश्रय देने तथा राष्ट्रवाद-हिंदूवाद को संरक्षित करने के बजाय पश्चिमी लोकतंत्र प्रेरित उस क्षुद्र धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते आए हैं जो एक अंतर्राष्ट्रीय नैतिक महामारी समझी जाती है। चूंकि इसके सिद्धांत और व्यवहार में काफी अंतर दुनिया के देशों में पाया जाता है, इसलिए एशियाई संदर्भ में यह धर्मनिरपेक्षता भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति को कुचलने का एक बौद्धिक हथियार समझी जाती है।

इसके अलावा दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा की जातीय अवधारणा, आदिवासी और आर्य के अंतर्राष्ट्रीय विभेद, अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के धार्मिक विभेद, भाषाई क्षेत्रवाद और एक समान कानून बनाने के बजाय आभिजात्य वर्गों के हितों के मुताबिक कानून निर्माण और इनको लेकर बहुमत-अल्पमत की आत्मघाती राजनीति ऐसे संवैधानिक सवाल हैं जिसका विवेकसम्मत समाधान हमारे राजनेताओं को देना चाहिए लेकिन वह पीछे 75 साल में वह इस मामले में विफल रहे हैं। इस नजरिए से संविधान संरक्षण को लेकर अविवेकी

न्यायिक हठ और कुतर्क भी एक बड़ी वजह है जिससे धर्मनिरपेक्षता जैसी टुच्ची सोच लाभान्वित है। वहीं जातीयता आदि विधि व्यवस्था के सवाल पर प्रशासनिक पूर्वाग्रह भी एक राजनैतिक त्रासदी ही है। इसलिए भारत के इस असली शत्रु को यदि हमलोग पहचान लिए, वैदिक संस्कृति के मुताबिक यहां के जनमानस को ढाल लिए, राजनीतिक अश्वमेध यज्ञ की पुनः शुरुआत कर लिए, तो भारत के जितने भी प्रत्यक्ष या परोक्ष शत्रु हैं, सबके दांत खट्टे किए जा सकते हैं।

निःसन्देह, बदलते विश्व की यही डिमांड भी है, जिसको लेकर भारत के लोगों के बीच सांस्कृतिक व राजनीतिक जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इससे अखण्ड भारत यानी महाभारत के सपनों को पुनः हासिल करना आसान हो जाएगा। हमारा देश विश्व गुरु और सोने की चिड़िया बन जाएगा। अब बात पुनः सैम पित्रोदा के बयानों की। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भले ही एक इंटरव्यू में कहा कि चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इसलिए भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। ऐसा करके उन्होंने भाजपा और सपा दोनों पर निशाना साध दिया। सपा तो मित्रतापूर्ण सम्बन्धों के चलते चुप रही लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने उनके बयान आलोचना की है। लिहाजा, पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। इस बीच पार्टी ने उनके बयान से खुद को अलग कर लिया है। इस संबंध में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए कथित विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं। सवाल है कि चीन के बारे में पित्रोदा का नजरिया ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा भी चीन को लेकर अक्सर ढुलमुल ही रही है। तभी तो ब्रेक के बाद मोदी-चिनफिंग मिले और बंगलादेश जैसा भारत विरोधी कुकाण्ड हो गया। इसलिए चीन के सवाल पर भाजपा-कांग्रेस में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। चाहे इनकी राजनीतिक दलीलें पित्रोदा को लेकर कुछ भी हो। हां, उनके चीन सम्बन्धी बयानों से कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी की ईर्ष्या जरूर बढ़ेगी।

चूंकि कांग्रेस इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही है और यूपी में सपा के साथ उसके रिश्ते भी उतार-चढ़ाव भरे सियासी दांवपेंच वाले होते हैं, तो क्या यह समझा जाए कि पित्रोदा का यह बयान भी समाजवादी पार्टी की मौलिक विदेश नीति पर करारा तमाचा है। क्योंकि यूपी के कद्दावर मुख्यमंत्री रहे स्व. मुलायम सिंह यादव के पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, यूपी के राजनीतिक पैंतरों से अक्सर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी परेशान रहा करते हैं। यूपी के दो लड़के के नाम से मशहूर यह सियासी जोड़ी जब एकजूट रहती है तो कभी सफल तो कभी विफल होती है।

चूंकि सैम पित्रोदा राहुल गांधी के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों में शुमार किये जाते हैं, इसलिए उनके ताजा बयानों को एक तीर से कई शिकार करने की सियासी कवायद समझा जा रहा है। राजनीति में यही होता भी आया है। अमेरिका से लेकर चीन तक और भारत से जुड़े विभिन्न सुलगते सवालों पर सैम पित्रोदा अपनी अटपटी बयानबाजियों के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए कभी कांग्रेस उन्हें अपनी पार्टी से हटाती है तो कभी ससम्मान लाकर ओवरसीज कांग्रेस सम्बन्धी पुरानी जिम्मेदारियों को थोप देती है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब उन्होंने इस तरह का विवादित बयान दिया हो। दरअसल उनके विवादित बयानों के फेहरिस्त लंबी है। उनके सात अटपटे बयान निम्नलिखित हैं, जिनमें से कुछ पर उन्होंने माफी भी मांगी है।

पहला, मई 2024 में सैम पित्रोदा पिछले साल द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा भारतीय नागरिकों की तुलना चीनी, अफ्रीकी, अंग्रेजों और अरबों से की थी। उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा कि हम भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को जोड़ कर रख सकते हैं, जहां पूर्वोत्तर राज्यों में लोग चीनी जैसे दिखते हैं, पश्चिम भारत में लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग व्हाइट जैसे दिखते हैं और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे दिखते हैं।

दूसरा, अप्रैल 2024 में उन्होंने इनडायरेक्ट रुप में अमेरिका में लगाए जाने वाले विरासत टैक्स की वकालत करते हुए कहा था कि अमेरिका में इनहेरिटेंस टैक्स लगता है। इसके तहत अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है, तो वह केवल 45 प्रतिशत प्रॉपर्टी ही अपने बच्चों को ट्रांसफर कर सकता है। बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार ले लेती है। हालांकि, भारत में ऐसा नहीं। ऐसे में अगर कोई शख्स 10 अरब का मालिक है और उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसके बच्चों को उसकी पूरी राशि विरासत में मिलती है और जनता को कुछ भी नहीं मिलता है। ये ऐसे मुद्दा है जिस पर हमें बहस और चर्चा करने की जरूरत है। तीसरा, जनवरी 2024 में सुधींद्र कुलकर्णी के एक लेख का हवाला देते हुए सैम पित्रोदा ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि संविधान के निर्माण में जवाहरलाल नेहरू ने बीआर आंबेडकर से ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके इस बयान पर भी बहस छिड़ गई और बाद में इसे वापस ले लिया गया। चौथा, जून 2023 में राम मंदिर मुद्दे पर पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया था। तब उन्होंने तर्क दिया कि बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों को छोड़कर धार्मिक मामलों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा, मुझे किसी भी धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभार मंदिर जाना ठीक है, लेकिन आप उसे मुख्य मंच नहीं बना सकते।

पांचवां, मई 2019 में भी पित्रोदा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर एक सवाल पर कहा कि जो हुआ तो हुआ। पिछले पांच साल में क्या हुआ, इस पर बात करें। इस टिप्पणी को लेकर भी उन्हें कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। हालांकि, बाद में उन्होंने माफी मांग ली थी।

ननि में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी पर सुको की तल्ख टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोमवार को एक मामले में दिल्ली नगर निगम ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्माण को हटा दिया गया था और इसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के रवैये पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, कोई पीआईएल दायर करता है, तब जाकर आप जागते हैं और दिखावे की कार्रवाई करने लगते हैं। हाई कोर्ट भी आपकी बातों को मानकर मामले को बंद कर देता है। क्या नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ?

संतोष पाठक

इस देश के किसी भी शहर के किसी भी नगर निगम या विकास प्राधिकरण के कार्यालय चले जाइए, बाहर घूमते दलालों की फौज यह बताते हुए नजर आती है कि वहां किस पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के तमाम दावों के बावजूद आम लोगों का रिश्वत दिए बिना कोई काम हो पाना, आज भी उतना ही मुश्किल है जितना कई वर्षों या दशकों पहले हुआ करता था। हालत यह है कि कोई भी व्यक्ति अपना निजी रिहायशी मकान बनवाने के लिए जैसे ही घर के सामने रेत,रोड़ी,बदरपुर और ईंट मंगवाते हैं वैसे ही पुलिस और नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरण का कोई न कोई बंदा रिश्वत की मांग को लेकर पहुंच जाता है। लेकिन इन्ही के इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण होते रहते हैं, बिल्डरों की मनमानी चलती रहती है और ये चुप्पी साध कर बैठे रहते हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जैसे जिलों में तो हालात कहीं ज्यादा भयावह और बेकाबू हो चुके हैं। शहरीकरण की अंधी दौड़ में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी के कारण आम लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।देश की राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं

है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चांदनी चौक में अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की निष्क्रियता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए यहां तक कह दिया कि क्या दिल्ली नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोमवार को एक मामले में दिल्ली नगर निगम ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्माण को हटा दिया गया था और इसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के रवैये पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, कोई पीआईएल दायर करता है, तब जाकर आप जागते हैं और दिखावे की कार्रवाई करने लगते हैं। हाई कोर्ट भी आपकी बातों को मानकर मामले को बंद कर देता है। क्या नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई से जांच करवाने की बात कहते हुए दिल्ली नगर निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है,जिसमें यह पूछा गया कि मामले की गहन जांच क्यों न कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल मौके का मुआयना ही काफी नहीं है, बल्कि दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि अवैध निर्माण की अनुमति किन कारणों से दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर जैसे स्वतंत्र विशेषज्ञों के नाम सुझाने को भी कहा है, जो साइट का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट दे सके। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट सीबीआई जांच को लेकर अपना फैसला दे सकती है। क्योंकि दिल्ली नगर निगम के बयान पर दिल्ली हाई कोर्ट इससे पहले बाग दीवार, फतेहपुरी, चांदनी चौक में अवैध निर्माण को हटाने संबंधी याचिका का निपटारा कर चुका है। यानी अवैध निर्माण को लेकर पीआईएल दायर होने के बाद ही दिल्ली नगर निगम जागती है, थोड़ी-बहुत कार्रवाई का दिखावा कर रिपोर्ट जमा कर देती है और हाई कोर्ट उस याचिका का निपटारा कर देता है। लेकिन इससे न तो बिल्डरों के रवैये में कोई बदलाव आता है और न ही दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के रवैये में।

ऐसे में एक बार फिर से यही सवाल उठकर सामने आ रहा है कि क्या अवैध निर्माण को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यकाल में इस तरह के अवैध निर्माण होते हैं,क्या उनके लिए भी सजा का कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तो प्लाटिंग करके जमीनों को लोगों को बेच दिया। कई जगह पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बेचा गया और कई जगह बकायदा रजिस्ट्री भी करवाई गई लेकिन वर्षों बाद उसे सरकारी जमीन बता दिया जाता है। तो ऐसे में क्या उस दौरान इन जिलों में तैनात रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए ? जरूर होनी चाहिए, बल्कि अगर ऐसे अधिकारी रिटायर भी हो गए हों तो भी उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तभी भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के इस जिन्न को बोतल में बंद करने में कामयाबी मिल पाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो तय मान कर चलिए कि भ्रष्टाचार, अवैध निर्माण और बिल्डरों की मनमानी के खिलाफ सब लफ्फाजी ही कर रहे हैं।

सी.ई.डी. विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार को नई दिशा देने तथा भारत सरकार द्वारा निर्धारित राजभाषा कार्यन्वयन लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु आज दिनांक २१ फ़रवरी को सी.ई.डी. विभाग के सभागार में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य महाप्रबंधक (सी.ई.डी.) श्रीशालिग्राम सिंह, महाप्रबंधक (सी.ई.डी.) मो. तस्निम सलाम, महाप्रबंधक (एस आई जी एस.) श्री वी के सिंह के साथ विभाग के अधिशासी तथा कर्मचारी उपस्थित थे. बी एस एल के राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती विभा रानी, वरीय प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) के साथ कार्यशाला में राजभाषा विभाग की तरफ से डॉ एन के राय , प्रधानाचार्य (शिक्षा विभाग) उपस्थित थे.

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों और कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों का स्वागत करते हुये सहायक महाप्रबंधक सह विभागीय हिंदी अधिकारी सुश्री ज्योति ने विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में प्रगति से संबंधी संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया.

राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि एन के राय ने राजभाषा नियमों और सांविधिक प्रावधानों से जुड़े भारत सरकार की नीति, वार्षिक कार्यक्रमों, निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों, विश्वपटल पर हिंदी के बढ़ते चरण आदि विषयों पर विस्तृत रूप से एक प्रस्तुतीकरण दिया और राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करना आवश्यक बताया.

मुख्य महाप्रबंधक (सी.ई.डी.) शालिग्राम सिंह ने अपने उद्बोधन में बीएसएल के सिविल अभियंत्रण विभाग की भारत सरकार के राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई और दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु सी.ई.डी. कर्मियों का उत्साहवर्द्धन किया. उन्होंने हिंदी के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए हिंदी भाषा में कामकाज को बढ़ावा देने की दिशा में सेल राजभाषा विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला. इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता एवं पोस्टर/स्केच प्रतियोगिता रखी गई थी. प्रतियोगिता मे चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया.

कार्यशाला में सी.ई.डी विभाग के सहायक महाप्रबंधक- बी भी. चंद्रा, परवेश मिंज़, रमो काशिफ हुल रंजन के अलावा कोक ओवन, सिंटर प्लांट, धमन भट्ठी, एसएमएस, मिल जोन ,ऑग्जिलरी शॉप अनुरक्षण केंद्रों तथा एस. आई. जी. एस. विभाग से आये कुल ५५ प्रतिभागी उपस्थित थे. । कार्यशाला का संयोजन श्री सुधीर पांडेय तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री आर एन राकेश ने किया.

4 स्कूली छात्रों को ट्रक ने रौंदा, 1 की मौत

दानापुर (एजेंसी): राजधानी पटना से सटे ग्रामीण इलाकों में इन दिनों सड़कों पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिल रहा है. ताजा मामला पटना के पालीगंज अनुमंडल के बिक्रम के कनपा पुल के पास की है.

जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चार स्कूली छात्रों को रौंद दिया, जिसमें एक छात्र की मौत हो गई. जबकि तीन छात्र घायल हैं, जिससे बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है. मृतक छात्र की पहचान पालीगंज के चकिया गांव निवासी युवराज कुमार के रूप में हुई है. इधर मौत की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया. साथ ही ट्रक को भी जब्त कर लिया है और ट्रक के चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है.

आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोरदाग बना एनक्यूएसी

डुमरी (ससे): बीते २५ जनवरी २०२५ को हुए आभासी मूल्यांकन के उपरांत देश की संस्थान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र भारत सरकार दिल्ली के द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोरदाग को गुणवत्तापूर्ण मानक स्तर युक्त होने का प्रमाण पत्र निर्गत किया हैं जो कि गिरिडीह जिले का पहला प्रमाणित स्वास्थ्य उपकेंद्र होगा।सनद रहे कि वर्ष ११सितम्बर २०२४ को राज्यपाल संतोष गंगवार पोरदाग आये थे।स्वास्थ्य उपकेन्द्र/आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोरदाग का भ्रमण राज्यपाल झारखंड के द्वारा किये जाने के उपरांत ये केंद्र चर्चा का विषय हो गया था जो आज एनक्यूएसी प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर इसकी पुष्टि भी हो गयी।रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश महतो ने इसे डुमरी स्वास्थ्य विभाग के लिये गर्व का विषय बताया है साथ ही उन्होंने बताया कि आने वाले कुछ महीनों में प्रखंड के दो अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर/स्वास्थ्य उपकेंद्र कुलगो एवं अतकी को भी एनक्यूएसी प्रमाणपत्र युक्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है,हमें उम्मीद है हम सफल होंगे।इधर एनक्यूएसी प्रमाण पत्र मिलने पर अस्पताल के सभी चिकित्सक, सभी स्वास्थ्य कर्मी,सभी कार्यालय कर्मी सहित बीपीएम पूजा कुमारी बीएओ रामप्रवेश कुमार बीडीएम विक्की कुमार बीटीटी मानिकचंद महतो,उषा देवी,अर्जुन मोदी लिपिक शंकर ठाकुर एमटीसी मालो कुमारी,राजू कुमार महतो आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

तेजस्वी यादव को हजम नहीं हुआ दिलीप जायसवाल का बयान

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में अब सुपरनेचुरल पावर की एंट्री हो गई है! बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में अब दैविक शक्ति आ गई है. लेकिन ठहरिए! तेजस्वी यादव को ये दैविक शक्ति वाली थ्योरी हजम नहीं हुई. उन्होंने झट से पलटवार कर दिया. आईए जानते है पूरी खबर. दरअसल पटना में जदयू कार्यालय में छऊ- गठबंधन की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें गठबंधन दलों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए. इस दौरान छऊ- के संयुक्त सम्मेलन के पांचवें चरण की घोषणा की गई. इस दौरान जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि छऊ- कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और २०२५ के लिए जो लक्ष्य रखा गया था, वह अब और भी छोटा लगने लगा है. वहीं इस प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि सीएम नीतीश में अब दैविक शक्ति आ गई है. दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा से फ्री होते ही मंत्रियों को फोन कर विकास कार्यों की समीक्षा करते हैं और हर छोटे-बड़े प्रोजेक्ट पर नजर बनाए रखते हैं.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में दैविक शक्ति होने की टिप्पणी पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तीखा पलटवार किया. उन्होंने कहा कि जब नीतीश कुमार ने बीजेपी को छोड़ दिया था, तब यह दैविक शक्ति कहां थी? तेजस्वी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बीजेपी नेता अब उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं, लेकिन पहले जब वे उनके खिलाफ जाते थे, तब कुछ और ही बयान देते थे.

संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में छऊ- गठबंधन ने अपने पांचवें चरण के कार्यक्रमों की घोषणा भी की. इस चरण के तहत बिहार के विभिन्न जिलों में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे. २७ फरवरी को समस्तीपुर, १ मार्च को मधेपुरा, ९ मार्च को शेखपुरा, २२ मार्च को मुंगेर, २३ मार्च को पूर्णिया और कटिहार, २९ मार्च को भागलपुर और नवगछिया, और ३० मार्च को बांका में छऊ- सम्मेलन होगा.

विधायक ने सड़क पर उतर दो संदिग्ध ट्रकों को पकड़ा

डुमरी (ससे): स्थानीय विधायक जयराम कुमार महतो गुरुवार की रात्रि कुलगो टोल प्लाजा के पास अपने समर्थकों के साथ कोयला लदे ट्रकों सहित परिचालन कर रहे अन्य संदिग्ध ट्रकों को रोक कर उसके कागजातों की जांच कर पश्चिम बंगाल नंबर की दो ट्रकों को पकड़ कर डुमरी पुलिस को जांच हेतु सुपुर्द किया। विधायक ने इस दौरान स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी टोल प्लाजा में बुला लिये थे। पुलिस जांच में जूटी है। बताया जाता है कि विधायक को लगातार यह सूचना मिल रही थी कि एनएच-१९ से अवैध कोयला,प्रतिबंधित मछली,पशु तस्करी सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं से लदे वाहन रात के अंधेरे में परिचालन करते है। इधर विधायक के द्वारा अवैध कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से सड़क पर उतरने से अवैध कारोबार में शामिल लोगों या अवैध कारोबार की शुरुआत करने की मंसूबा पाले लोगों में हड़कंप है।

सुपौल कोर्ट में पेश हुए गायक उदित नारायण

सुपौल (एजेंसी): बॉलीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक उदित नारायण झा सुपौल कोर्ट में पेश हुए. यह मामला उनकी पहली पत्नी रंजना झा द्वारा दर्ज किए गए दाम्पत्य जीवन पुनर्स्थापना और मेंटेनेंस से जुड़ा है. रंजना झा ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें मेंटेनेंस की रकम न देने और नेपाल स्थित उनकी संपत्ति के १८ लाख रुपये हड़पने का दावा शामिल है. इस मामले को लेकर सुपौल कोर्ट में काफी हलचल देखने को मिली.

रंजना झा का कहना है कि उनकी शादी १९८० में उदित नारायण से हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे गायक की लोकप्रियता बढ़ी, उन्होंने अपनी पहली पत्नी को अनदेखा कर दिया. रंजना के अनुसार, उदित नारायण ने उन्हें पत्नी मानने से इनकार कर दिया और उनके हिस्से की संपत्ति पर भी कब्जा कर लिया. उन्होंने कहा, मैं केवल अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हूं और न्याय चाहती हूं. उदित ने मुझे और मेरे हक को पूरी तरह से नकार दिया है.

इस केस में यह पहली बार था जब उदित नारायण खुद कोर्ट में पेश हुए. इससे पहले वे कई सुनवाई में अनुपस्थित रहे थे. कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की काउंसलिंग की गई. उदित नारायण ने कोर्ट से अनुरोध किया कि भविष्य में वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में भाग लेना चाहते हैं. इस अनुरोध पर कोर्ट ने विचार किया और मामले की अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी.

संवाद से प्रगति कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बीएसएल के शॉप कार्मिक के द्वारा कार्यस्थल पर मानव संसाधन सम्बंधता - संवाद से प्रगति नामक कार्यक्रम की एक श्रृंखला शुरू की गई है. आरएमपी, सिंटर प्लांट , एस एम एस - खख सी सी एस , सी आर एम -खखख, सी आर एम -खखख विभाग में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में एमआईबी (मेडिकल इनवैलिडेशन बोर्ड), सामूहिक बीमा योजना, शिकायत पोर्टल, बायोमेट्रिक प्रणाली, एचसीएम-प्रखर तथा नए एचआरएमएस मॉड्यूल, संविदा कर्मियों का मेडिकल चेकअप, श्रम उत्पादकता, सेल /बीएसएल की विस्तार योजना,कर्मचारी सहायता (ईएपी), सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता जैसे मुख्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई.

विभिन्न विभागों में आयोजित कार्यस्थल पर मानव संसाधन सम्बंधता - संवाद से प्रगति कार्यक्रम में प्रत्येक विभाग से लगभग ३५ कर्मचारियों ने भाग लिया और सभी ने अपने प्रश्नों को स्पष्ट करने और उस पर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से भाग लिया. शॉप कार्मिक में कार्यरत अधिशासियों के द्वारा कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया. इस प्रकार का संवाद कार्यक्रम मानव संसाधन के प्रगति के बारे में बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

बीजेपी के कार्यक्रम से नीतीश-चिराग-मांझी की दूरी

पटना (एजेंसी): दिल्ली का दंगल पूरा हो गया और अब बारी बिहार की है. गुरुवार (२० फरवरी) के दिन दिल्ली में बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हुआ. जिसमें सीएम रेखा गुप्ता के साथ ६ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली. इस कार्यक्रम में मीडिया के कैमरे नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जीतन राम मांझी को खोजते रहे, लेकिन इनमें से कोई भी नेता नजर नहीं आया. यहां तक की रालोमो अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा भी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए. अब इसको लेकर सियासी अटकलों का बाजार गरम हो गया है. अब लोग पूछ रहे हैं कि वैसे तो एनडीए अपनी एकजुटता और ताकत दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ता है, लेकिन जब उसे इतना बड़ा मौका मिला तो सबने दूरी क्यों बना ली?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजेपी ने एनडीए के सभी सहयोगियों को शपथ ग्रहण में बुलाया था. सीएम नीतीश कुमार इन दिनों 'प्रगति यात्रा' निकालने में व्यस्त हैं, इसलिए उन्होंने अपने प्रतिनिधि के तौर पर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह एवं कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को भेजा था. वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान इस वक्त दुबई में हैं. लेकिन उनकी पार्टी से भी कोई नेता नहीं आया. इसी तरह से केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी शपथ ग्रहण समारोह से नदारद रहे. उनका कोई प्रतिनिधि भी समारोह में नहीं शामिल हुआ. मांझी पहले ही सीटों को लेकर प्रेशर पॉलिटिक्स करने में जुटे हैं.

बता दें कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार एनडीए एक बार फिर से सत्ता हासिल करने का दावा कर रहा है. चुनावी साल में वोटरों के मन में कोई संसय ना रहे इसके लिए सभी घटक दलों के नेता संयुक्त यात्रा निकालने में जुटे हैं. बिहार एनडीए में शामिल सभी दलों के प्रदेश अध्यक्ष संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं.

पीएन कॉलेज में मनाया गया विश्व मातृभाषा दिवस

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के द्वारा कॉलेज सभागार में शुक्रवार को विश्व मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्षता उप प्राचार्य प्रो यशवंत कुमार सिन्हा एवं संचालन प्रो योगेश प्रसाद (विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग) ने किया। एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ शशिभूषण ने अपने संबोधन में कहा कि लोगों के बीच भाषण के प्रति प्रेम संरक्षण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए यह दिन पूरी दुनिया में मनाया जाता है।

उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा ने कहा कि भाषाई विविधता को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देने के लिए हरेक साल २१ फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।कार्यक्रम में प्राध्यापक कुबेर प्रसाद प्रो विनोद कुमार अकेला प्रो उमा पांडेय प्रो मधु जायसवाल प्रो संगीता कुमारी प्रो दिव्या रानी लवली प्रो प्रियंका कुमारी प्रो रजनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

राजद प्रमुख की बातों को क्यों इग्नोर कर रहे तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू परिवार में मतभेद के संकेत मिल रहे हैं. अमूमन लालू परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे का काफी सम्मान करते हैं, लेकिन अब लगता है कि खुद लालू यादव को ही इग्नोर किया जा रहा है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि हाल-फिलहाल की घटनाएं कह रही हैं. दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर लालू यादव काफी शॉफ्ट रहते हैं. वे कई बार नीतीश कुमार को महागठबंधन में आने का ऑफर दे चुके हैं और उनका स्वागत करने की बात कह चुके हैं. लालू यादव के करीबी नेता भी ऐसा ही बयान देते हैं. जबकि तेजस्वी यादव और उनके गुट के नेता इसका खंडन करते हैं.

ईसीआर जीएम ने की वॉर रूम की समीक्षा

हाजीपुर (ससे): महाकुंभ मेला-२०२५ के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन स्थिति की निगरानी हेतु महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल श्री छत्रसाल सिंह ने अन्य विभागाध्यक्षों के साथ आज पीआरपी स्थित वॉर रूम पहुंचकर स्थिति की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरसंभव कदम उठाएं जाएं । उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों के परिचालन के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए ।

विदित हो कि महाकुंभ-२०२५ के श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के विभिन्न स्टेशनों से अबतक कुल ७५७ कुंभमेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया है । इसके साथ उनकी सुविधा हेतु १९ प्रमुख स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया का निर्माण भी कराया गया है जिसमें आवास, भोजन और अन्य आवश्यक चीजों की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि प्रतीक्षारत यात्री अपनी ट्रेनों में चढ़ने तक आराम से रह सकें। स्टेशनों पर उनकी सुरक्षा हेतु कड़े प्रबंध किए गए है तथा काफी संख्या में आरपीएफ, जिला पुलिस एवं एसएसबी की सेवा ली जा रही है । रेलवे सुरक्षा बल की मदद से यात्रियों को पंक्तिबद्ध कर ट्रेनों में चढ़ाया जा रहा है ताकि किसी तरह की असुविधाजनक स्थित उत्पन्न न हो ।

सीएम नीतीश के बेटे निशांत को मिल गया राजनीतिक गुरु

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बीते कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में हैं. सियासी गलियारों में चर्चा है कि निशांत कुमार जल्द ही राजनीति में एंट्री कर सकते हैं. इस बीच निशांत कुमार की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रही है. इस तस्वीर ने राजनीतिक विश्लेषकों को मसाला दे दिया है. मीडिया जगत में इस पर डिबेट शुरू हो गई है और विपक्षी खेमे में इस तस्वीर को लेकर हड़कंप मच गया है. दरअसल, इस तस्वीर में निशांत कुमार जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के साथ दिखाई दे रहे हैं. तस्वीर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी हैं.

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन का शिष्टमण्डल मंत्री से मिला

दरभंगा (ससे): बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ,दरभंगा की ओर से एक शिष्टमंडल दरभंगा परिषदन में बिहार सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी से मिलकर पत्रकारों से सम्बंधित ९ सूत्री मांगपत्र सौपा.मंत्री श्री हजारी ने बिंदुवार चर्चाकर आश्वस्त किया कि इन विषयों पर गम्भीरता से विचार किया जाएगा.

वही उन्होंने शिष्टमण्डल को यह कहा कि आप की एक मांग पर सरकार संज्ञान ले लिया है और बहुत जल्द पत्रकार सम्मान पेंशन योजना की राशि बढा दी जाएगी.मंत्री श्री हजारी ने शिष्टमण्डल से विभिन्न मांगों पर हुई वार्ता के क्रम में यह कहा कि दूसरे राज्यों जो सुविधा पत्रकारों को मिल रही है उसके प्रारूप को देखने के बाद बिहार में भी पत्रकारों को वह सुविधा दिए जाने पर विचार किया जाएगा. वही मंत्री ने कहा कि मान्यताप्राप्त पत्रकारों की सूची भी बहुत जल्द प्रकाशित कर दिया जाएगा.

उन्होंने पत्रकार बीमा की राशि और अबधि पर भी विचार करने का अस्वाशन दिया.शिष्टमण्डल में यूनियन के अध्यक्ष अमरेशश्वरी चरण सिन्हा, शशि मोहन भारद्वाज, पुनीत सिन्हा, मनोज कुमार, प्रकाश झा, इरफान अहमद पैदल, पुरषोत्तम चौधरी, मो. जिलानी अंसारी, विनय ठाकुर, प्रभाष रंजन, मनीष कुमार सिन्हा, विशाल भंडारी, दीपक कुमार झा आदि शामिल थे.वही सम्बंधित ९ सूत्री मांगो में बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के नियमों/शर्तो को पर्याप्त लचीला किया जाए जिससे जिला प्रखंड स्तर के पत्रकारों/संवाददाताओं को भी पेंशन योजना का लाभ मिल सके, सेवानिवृत्त पत्रकारों हेतु पेशन योजना की राशि ६ हजार से बढ़ाकर १५ हजार रु की जाए,पत्रकार बीमा योजना में निहित राशि को ५ लाख से बढ़ाकर १० लाख रुपए की जाए एवं राज्य सरकार का अंशदान ८० से बढ़ा कर १००किया जाए,बीमा योजना से नहीं जुड़ सके पत्रकारों तथा उनके परिवार को चिकित्सा अनुदान प्रदान किया जाए,सरकार के द्वारा जिला स्तर पर पत्रकार कल्याण कोष का गठन किया जाए ताकि इसका लाभ पत्रकारों को मिल सके,बिहार में अन्य राज्यों के तर्ज पर पत्रकार सुरक्षा कानून बनाकर लागू किया जाए,बिहार में अन्य राज्यों के तर्ज पर सरकारी बसों में मान्यताप्राप्त पत्रकारों को पांच हजार किलोमीटर तक वार्षिक निशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाए,वर्ष २०२४-२५ में मान्यता प्राप्त पत्रकारों के जमा आवेदन की प्रक्रिया को पूरी कर पत्रकारों की सूची प्रकाशित की जाए,बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन,दरभंगा सूचना जन सम्पर्क विभाग के प्रेस क्लब भवन के शुभारंभ कार्य का स्वागत करती है साथ ही इस के सफल संचालन हेतु एक पंजीकृत समिति के गठन करने की भी मांग करती है.आदि शामिल था.

संभल हिंसा मामले में महिला को 1 लाख के मुचलके पर रिहाई

संभल,(ईएमएस): संभल हिंसा के दौरान हुई पत्थरबाजी के आरोप में जेल में बंद एक महिला को रिहा किया है। कोर्ट ने साक्ष्य ना होने के अभाव में १ लाख रुपये के मुचलके पर रिहा किया है। जबकि, इसके अलावा जेल में बंद ७९ आरोपियों में से किसी और की जमानत नहीं मिली है। दरअसल, २४ नवंबर २०२४ की हिंसा में शामिल चार महिलाओं सहित ८० आरोपियों को संभल पुलिस गिरफ्तार कर जेल में डाल चुकी है। इसमें चार महिलाओं को पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जेल में बंद आरोपी फरहाना की जमानत के लिए वकीलों के द्वारा पैरवी की जा रही थी।

कार्यालय - जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्श अभियान के तहत् "प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना" के लाभ प्राप्ति हेतु आवेदन आमंत्रण

एतद् द्वारा सूचित करना है कि "प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना" के तहत् जामताड़ा जिले के चिन्हित जनजातिय 285 ग्रामों में प्रस्तावित योजना के अधीन जिले के मात्स्यिकी से जुड़े कृशकों अथवा मात्स्यिकी से जुड़ने हेतु इच्छुक जनजातीय व्यक्तियों के लिए योजना के मुख्य उद्देश्य उनके सामाजिक भौतिक एवं आर्थिक सुरक्षा एवं उन्नति के उद्देश्य से वित्तीय वर्श 2024–25 एवं 2025–26 के लिए जनजातीय आवेदकों को आवेदित योजना का 90 प्रतिशत सरकारी अनुदान शेश 10 प्रतिशत राशि स्वयं लाभुक को वहन किए जाने का प्रावधान है। जिसमें जिला स्तरीय समिति द्वारा पारित लाभुक जनित निम्नलिखित योजनाओं में स्वेच्छा रूप अपनी आर्थिक सक्षमता के आधार पर संचालन एवं लाभ प्राप्ति हेतु विहित प्रपत्र में दिनांक 18.03.2025 तक कार्यालय कार्य अवधि में आवेदन आमंत्रित किए जायेगें।

आवेदन प्रपत्र कार्यालय में निःशुल्क प्राप्त कर सकते है।

आवदेन के साथ आवेदित योजना का डी0पी0आर0, बैंक खाता की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति अपना अंशदान लगाने से संबंधित शपथ पत्र, जाति प्रमाण पत्र अन्य योजना से लाभ की प्राप्त करने का शपथ पत्र एवं निर्माण व अधिष्ठापन योग्य आवेदित योजना हेतु अंचलाधिकारी स्तर से निर्गत भू–स्वामित्व प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई	इकाई लागत (लाख रू0 में)	सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान की राशि (लाख रू0 में)	
				अनु0 जनजाति मात्र (90%)	स्वयं लागत (10%)
1	कार्प हैचरी अधिष्ठापन कार्य	(सं0 में)	25.00	22.50	2.50
2	नये रियरिंग तालाब का निर्माण (नर्सरी/बीज रियरिंग तालाब)	(हे0 में)	7.00	6.30	0.70
3	नये ग्रो आउट तालाब का निर्माण	(हे0 में)	7.00	6.30	0.70
4	मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस एवं तिलापिया पालन आदि के लिए इनपुट (उपरोक्त अंकित नये ग्रो–आउट तालाबों के निर्माण में)	(हे0 में)	4.00	3.60	0.40
5	बयोफ्लॉक तालाबों का निर्माण (4 लाख रू0 प्रति हे0 इनपुट सहित)	0.1 हे0	14.00	12.60	1.40
6	बैकयॉर्ड सजावट/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	(सं0 में)	3.00	2.70	0.30
7	मध्यम आकार के सजावट/ रंगीन/ अलंकारी/ मछलियों की रियरिंग इकाई	(सं0 में)	8.00	7.20	0.80
8	मध्यम आर0ए0एस0 (रिसर्कूलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 30 घनमीटर प्रति क्षमता वाले 06 टैंक एवं 10 टन/कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)04 मी0 व्यास एवं 1 मी0 उँचाई के 25 टैंक वाले बायोफ्लॉक की स्थापना	(सं0 में)	25.00	22.50	2.50
9	छोटे आकार के आर0ए0एस0 (रिसर्कूलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (100 घनमीटर क्षमता का 01 टैंक)04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 उँचाई के 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक की स्थापना	(सं0 में)	7.50	6.75	0.75
10	बैकयॉर्ड मिनी आर0 ए0 एस0 (रिसर्कूलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना	(सं0 में)	0.50	0.45	0.05
11	जलाशयों में केज अधिष्ठापन	(सं0 में)	3.00	2.70	0.30
12	आर0एफ0एफ0/ पेन कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	(हे0 में)	3.00	2.70	0.30
13	कम से कम 10 टन क्षमता वाले शीत गृह (कोल्ड स्टोरेज)/ आईस प्लाट निर्माण	(सं0 में)	40.00	36.00	4.00
14	रेफ्रिजेरेटेड वाहन	(सं0 में)	25.00	22.50	2.50
15	इनसुलेटेड वाहन	(सं0 में)	20.00	18.00	2.00
16	आईस बॉक्स के साथ मोटरसाईकिल	(सं0 में)	0.75	0.675	0.075
17	आईस बॉक्स के साथ साईकिल	(सं0 में)	0.10	0.09	0.01
18	मछली बिक्री के लिए आईस बॉक्स के साथ तीन पहिया वाहन (ई–रिक्शा भी)	(सं0 में)	3.00	2.70	0.30
19	जिंदा मछली बिक्री केन्द्र	(सं0 में)	20.00	18.00	2.00
20	लघु फिश फीड मिल (प्रतिदिन 02 टन उत्पादन क्षमता)	(सं0 में)	30.00	27.00	3.00
21	फिश कियोस्क का निमार्ण (सजावटी/ रंगीन/ अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम बाजार सहित)	(सं0 में)	10.00	9.00	1.00
22	नाव (प्रतिस्थापन) एवं जाल परम्परागत मछुआरों के लिए	(सं0 में)	5.00	4.50	0.50

आवेदन प्रपत्र प्राप्त करने एवं जमा करने का स्थानः– जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 18.03.2025 को कार्यालय अवधि तक।
नोट :– विस्तृत विवरणी मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड राँची के वेबसाईट www.jharkhandfisheries.org पर उपलब्ध है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा।
PR.NO.346911 Fish(24-25):D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा (जिला खेल शाखा)

निविदा आमंत्रण सूचना

जामताड़ा जिला मुख्यालय स्थित पर्वत विहार पर्यटक स्थल, जामताड़ा के रख–रखाव, सुरक्षा एवं संचालन किये जाने हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति के तहत निविदा संख्या–01/2024–25 आमंत्रित किया जाता है।

पर्वत विहार संचालन हेतु इच्छुक प्रतिष्ठान/एजेंसी/आदि दो लिफाफा प्रणाली के अनुसार तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड को अलग–अलग लिफाफे में डालकर उसे एक बड़े लिफाफे में मुहरबंद करते हुए लिफाफे के उपर पर्वत विहार हेतु निविदा वर्ष 2025–26 एवं निविदादाता का पूर्ण नाम/पता आदि अंकित कर दिनांक 03.03.2025 को पूर्वा0 11:30 बजे तक जिला खेल शाखा, जामताड़ा में रखे गये सील बंद बक्से में निविदा डाल सकते है। प्राप्त निविदा को निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष समाहरणालय सभाकक्ष में निविदा निस्तार समिति के द्वारा खोला जायेगा। **निविदा की शर्त्ते एवं विस्तृत विवरणी www.jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है अथवा जिला खेल कार्यालय, जामताड़ा से प्राप्त किया जा सकता है।**

ह0/–
उपायुक्त,जामताड़ा
PR 346923 (Jamtara)24-25*D

ई० प्रोक्यूरमेंट सेल
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0 09/2024–25/EE/BCD/DHANBAD
कार्य का विस्तृत विवरणी जिला **DMFT** मद अन्तर्गत

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of 6 ACR at MS Dharkiro Balak in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
2	Construction of 6 ACR at UHS Jamuatand in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
3	Construction of 6 ACR at UHS Fulwar in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
4	Construction of 6 ACR at UHS Kunji in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
5	Construction of 6 ACR at UMS Kaliyanpur in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
6	Construction of 6 ACR at M.S. Rajendra Kanya in Baghmara Block District Dhanbad.	58,18,200.00	1,16,400.00	10,000.00	05 माह।
7	Construction of 8 ACR at UMS Sinidih in Baghmara Block District Dhanbad.	72,41,700.00	1,44,900.00	10,000.00	06 माह।
8	Construction of 8 ACR at MS Panduki in Govindpur Block District Dhanbad.	72,41,700.00	1,44,900.00	10,000.00	06 माह।
9	Proposed Extension OPD Area at SNMMCH, Dhanabd.	92,96,100.00	1,86,000.00	10,000.00	06 माह।
10	IRQP of SNMMCH Hospital Campus Road in Dhanbad.	92,61,300.00	1,85,300.00	10,000.00	04 माह।
11	Construction of 3 ACR with Principal/ Staff/Kitchen and Toilet in Primary School Phushbangala, Jhariya-02, Dhanbad.	50,93,700.00	1,01,900.00	10,000.00	05 माह।
12	Construction of 4 ACR with Principal/ Staff/Library/Kitchen and Toilet in Primary School Chouthikulhi, Jhariya-01, Dhanbad.	64,53,050.00	1,29,100.00	10,000.00	06 माह।
13	Construction of 5 ACR with Principal Room/ Staff Room, Toilet and Kitchen at Primary School Bhaga Koliyari, Jhariya-01, Dhanbad.	82,91,200.00	1,61,900.00	10,000.00	07 माह।

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 01.03.2025 11:00 बजे
2. वेबसाईट में निविदा डालने की अन्तिम तिथि/समय :–15.03.2025 11:00 बजे
3. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
4. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थानः– 16.03.2025 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय,भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, राँची।
5. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 9973309316
6. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 7488650243
7. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
8. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल व्दसपदम डवकम द्वारा स्वीकार्य होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापसी होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही

निविदादाता की होगी। अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandterders.gov.पद पर देखा जा सकता है।

Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
PR.NO.346939 Building(24-25):D

भोजपुर में भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत

पटना भोजपुर (एजेंसी): प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं का तांता टूटने का नाम नहीं ले रहा है. इस बीच भोजपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां भीषण सड़क हादसे में ६ लोगों की मौत हो गई है.

घटना आरा-मोहनिया फोरलेन पर भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हीनगंज बाजार पेट्रोल पंप के पास हुई. बताया जा रहा है कि यहां श्रद्धालुओं से भरी कार और कंटेनर की भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. इस हादसे में कार पर सवार आधा दर्जन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. सभी मृतक यूपी के प्रयागराज महाकुंभ से स्नान कर वापस घर लौट रहे थे.

बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के हैं और पटना जिले के जक्कनपुर मोहल्ले के निवासी हैं. वहीं हादसे की सूचना पाकर जगदीशपुर थाना पुलिस तथा स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार में सवार मृत लोगों का शव बाहर निकाला. पुलिस ने सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा है. जहां सभी मृतकों का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है. बताया जाता है कि श्रद्धालुओं से भारी कार राजस्थान नंबर की खड़ी कंटेनर में पीछे से भीषण टक्कर मार दी. ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि कार चालक को झपकी आ गई होगी.

उधर समस्तीपुर में भी रफ्तार का कहर देखने को मिला. यहां एक तेज रफ्तार बस ने सड़क पार कर रही एक महिला को कुचल दिया. इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक महिला की पहचान मूसापुर वार्ड एक की रहने वाली फूल कुमारी देवी के रूप में हुई है. इधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. पुलिस ने बस को भी पकड़ लिया है.

घटना के संबंध में मृतक के पति ने बताया कि कल यानी गुरुवार (२० फरवरी) की रात स्टेडियम मार्केट के पास अपनी चाय दुकान बंद कर घर लौट रही थी. इसी दौरान तेज रफ्तार बस में ठोकर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा देने और दोषी वाहन चालक पर कार्रवाई करने की मांग की है.

पप्पू यादव की भांजी की सड़क दुर्घटना में मौत

पटना (ईएमएस): पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की भांजी डॉ. सोनी यादव सहित ४ लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई। हादसा गुरुवार रात १० बजे यूपी के गाजीपुर के पास हुआ।मृतकों में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की भांजी डॉ. सोनी यादव, उनकी बुआ गायत्री देवी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव विपिन मंडल और ड्राइवर सलाउद्दीन शामिल हैं।

सभी महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे, तभी उनकी कार वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर खड़े ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में ४ लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि डॉ.सोनी के असिस्टेंट दीपक झा गंभीर रूप से घायल हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि ड्राइवर को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। ड्राइवर सलाउद्दीन को नींद आने पर झा ने गाड़ी चलाना शुरू किया था। कार रोड साइड में खड़े गिट्टी लदे ट्रक में जाकर पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

भांजी के निधन पर सांसद ने शोक जताया है। सांसद ने लिखा, एक होनहार, संवेदनशील और कर्मठ बेटी इस दुनिया से इतनी जल्दी चली जाएगी, यह सोचना भी मुश्किल है।

सांसद पप्पू यादव ने परिवार से मुलाकात की।

अभी विस चुनाव लड़ने की कोई तैयारी नहीं है : मेयर गरिमा

बेतिया (एजेंसी): बेतिया में सांसद डॉ. संजय जायसवाल और मेयर गरिमा देवी सिकारिया के बीच चल रही रार गंभीर स्थिति में पहुंच गई है. सांसद पक्ष के लोग तो गरिमा देवी सिकारिया को भाजपाई मानने से ही मना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मेयर की नजर अब विधानसभा चुनाव २०२५ पर जा टिकी है. माना जा रहा है कि सिकारिया परिवार से कोई न कोई विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमा सकता है. परिवार के सूत्रों का कहना है कि यह पार्टी पर निर्भर है कि वह किसे टिकट देती है, लेकिन अगर मौका मिला तो पार्टी की उम्मीदों पर जरूर खरा उतरने की कोशिश करेंगे.

हालांकि मेयर गरिमा देवी सिकारिया का कहना है कि अभी विधानसभा चुनाव लड़ने की कोई तैयारी नहीं है. उन्होंने यह जरूर कहा कि मेरी पार्टी बीजेपी अगर मुझे या मेरे परिवार के किसी सदस्य को टिकट देती है तो हम चुनाव लड़ने से पीछे भी नहीं हटेंगे. उन्होंने कहा कि अभी मैं जिस पद पर हूँ, वह बहुत जिम्मेदारी भरा पद है. अभी शहर के विकास में लगी हूँ.

पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा मेयर गरिमा देवी सिकारिया को विधानसभा चुनाव में उतार सकती है. जहां तक गरिमा देवी सिकारिया के भाजपाई होने या न होने का जो सवाल है, उसके बारे में इतना ही कहा जा सकता है कि २०१९ के लोकसभा चुनाव के मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने रमना के मैदान में उन्हें भाजपा का सदस्य बनाया था.

२०२४ में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेतिया आए थे, तब मेयर गरिमा देवी सिकारिया ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया था. उन्होंने राम मंदिर के निर्माण में १,११,००० रुपये का चंदा भी दिया था.

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेतिया में गरिमा देवी सिकारिया की अपनी एक अलग राजनितिक पहचान है. सूत्र यह भी बता रहे हैं कि बेतिया भाजपा में चल रही सिर फुटौव्वल को देखते हुए जेडीयू और राजद भी गरिमा देवी सिकारिया पर डोरे डाल रहे हैं. गरिमा देवी सिकारिया बिहार में सबसे अधिक वोटों से मेयर का चुनाव जीत चुकी हैं, लिहाजा उनकी लोकप्रियता को सभी दल अपने लिए भुनाने की कवायद में जुटे हुए हैं.

हालांकि गरिमा देवी सिकारिया इन सभी राजनितिक अटकलबाजियों को सिरे से खारिज कर रही हैं. मेयर का कहना है कि अगर मेरी पार्टी भारतीय जनता पार्टी मुझे या मेरे परिवार के किसी सदस्य को प्रत्याशी बनाती है तो २०२५ के विधानसभा चुनाव में हम मजबूती से लड़ेंगे और जीतेंगे भी.

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
कम्बाईण्ड बिल्डिग, प्रथम तल्ला, एल0सी0 रोड, धनबाद

ई– निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 25/**RWD/DHANBAD/24-25** दिनांक :- **21.02.2025**

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
				अंक में	अक्षर में		
1	RWD/DHANBAD/18/23-24	टुण्डी	चरककला से संथालडीह काली मंदिर भाया चरकखुर्द तक पथ निर्माण कार्य (लम्बाई – 3.40 कि0मी0)	304.904	तीन करोड़ चार लाख नब्बे हजार चार सौ	15 माह	तृतीया
2	RWD/DHANBAD/ /36/24-25	निरसा	सिरपुरिया काली मंदिर से सिगेर बगान कंचनडीह शंकरडीह तक पथ (लम्बाई –1.50 कि0मी0)	111.214	एक करोड़ ग्यारह लाख इक्कीस हजार चार सौ	09 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– **28.02.2025**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– **15.03.2025** अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– **17.03.2025** अपराह्न 3.30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद, पिन– 826001
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0326–3554757

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, धनबाद।
PR 346950 (Rural Work Department) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – DHN-1/010/2024-25 (2nd call) दिनांक – 20.02.2025

1	Name of Work Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours, tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Different** block under D.W.& S Division no.1, Dhanbad for year 2024-25						
ग्रुप संख्या	प्रखण्ड का नाम	मरम्मति हेतु ड्रिल्ड नलकूप की संख्या		प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य समाप्ति की अवधि
		Major	Minor				
RM to DT -2	निरसा	297	33	261110.58	6000.00	750.00	3 माह
RM to DT -4	कलियासोल	225	25	197811.14	4000.00	500.00	3 माह
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि				25.02.2025 समय 04.00 बजे अपराहन् तक		
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय				07.03.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक		
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय				07.03.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक		
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय				08.03.2025 समय 05.00 बजे अपराहन्		
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान				कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद		
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :-				रणजीत कुमार ठाकुर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबादं		
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0 : 0326-3148874						
9	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0 : 0651-2480345						

नोट – (1) केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(2) स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही कार्यादेश निर्गत किया जाएगा।
(3) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य भुगतेय होगी।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद
PR 346936 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D

हमें ज्ञान देने की वजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल : मायावती

लखनऊ (ईएमएस): बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए।

मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे कि लोकसभा में बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती किसी कारण से नहीं लड़ीं।

महाकुंभ में 58.87 करोड़ श्रद्धालु कर चुके स्नान

प्रयागराज,(ईएमएस): उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से जुड़े अफसरों के साथ मीटिंग की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि व्यवस्था में चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। ऐसी व्यवस्था बनाएं कि श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े। महाकुंभ का शुक्रवार को ४०वां दिन है। अब तक करीब ५८.८७ करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके है। शुक्रवार से महाकुंभ में भीड़ बढ़ गई है, क्योंकि आखिरी वीकेंड है। प्रयागराज के एंट्री पॉइंट से लेकर शहर के अंदर तक भीषण जाम लगा है। ५०० मीटर की दूरी तय करने में करीब दो घंटे का समय लग रहा है। सेक्टर-१९ में गुरु गोरखनाथ अखाड़े के सामने बने श्रद्धालुओं के शिविर में रात करीब ११ बजे आग लग गई।

वित्त मंत्री नें रेल इंजन को किया राष्ट्र को समर्पित

वाराणसी (ईएमएस) : केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज २१ फ़रवरी, २०२५ को बरेका द्वारा निर्मित विद्युत रेल इंजन थ-झ७ को हरी झंडी दिखाकर राष्ट्र को समर्पित किया।

मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के तहत लोकोमोटिव निर्माण में आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से दिए गए मंत्र के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में बरेका ने अब तक ३७५ लोकोमोटिव बनाकर महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। इस उपलब्धि के लिए संपूर्ण बरेका परिवार गर्व का अनुभव कर रहा है, विशेष रूप से महिला कर्मचारियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला।

यह उल्लेखनीय है कि वर्ष २०१७ से बरेका ने विद्युत लोकोमोटिव का निर्माण प्रारंभ किया और आज यह रेलवे के लिए यात्री सेवा हेतु थ-झ७ एवं मालवाहक सेवा हेतु थ-ऋ९ लोको का उत्पादन कर रहा है। इसके अतिरिक्त, गैर-रेलवे ग्राहकों एवं निर्यात के लिए भी लोकोमोटिव का उत्पादन बरेका की विशिष्ट पहचान बन चुका है। बरेका नित नये कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही अब तक २२६८ विद्युत लोकोमोटिव, ७४९८ डीजल लोकोमोटिव, ११ देशों को १७२ निर्यातित लोकोमोटिव, गैर-रेलवे ग्राहकों के लिए ६४१ लोकोमोटिव, १ ड्यूल (डीजल+विद्युत) मोड लोकोमोटिव और ८ डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित लोकोमोटिव का निर्माण कर कुल १०,५८८ लोकोमोटिव उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया है।

बरेका के जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कुमार नें बताया कि वित्त मंत्री ने बरेका द्वारा वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में अब तक का निर्मित ३७५वां लोकोमोटिव राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने स्वयं ड्राइवर कैब में बैठकर इसकी तकनीकी विशेषताओं की जानकारी ली। उन्होंने बरेका के समर्पित अधिकारियों-कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

वित्त मंत्री नें कहा कि थ-झ७ लोकोमोटिव एक उच्च गति के ६००० अश्व शक्ति का विद्युत लोकोमोटिव है, जो विशेष रूप से सभी प्रकार की यात्री, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को खींचने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका उे-उे पहिया विन्यास (दो छह-पहिया बोगी) प्रत्येक धुरी पर अलग ट्रैक्शन मोटर के साथ अधिकतम शक्ति और स्थिरता प्रदान करता है। इसमें संशोधित गियर अनुपात है, जो इसे तेज और प्रभावी बनाता है। इसकी स्पीड १४० किमी प्रति घंटा है और यह २४ रेक खींचने में सक्षम है। इस लोकोमोटिव में आर.टी.आई.एस. (वास्तविक समय सूचना प्रणाली), गर्मियों के लिए वातानुकूलित ड्राइवर कैब, सर्दियों के लिए गर्म हवा की सुविधा, हेड ऑन जेनरेशन (ट्रेन लाइटिंग के लिए), और रिजेनरेटिव ब्रेक सिस्टम जैसी प्रमुख विशेषताएं हैं जो ब्रेक लगाने पर गतिज ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित कर ग्रिड में वापस भेजता है, जिससे ऊर्जा दक्षता बढ़ती है।

इसमें होटल लोड प्रणाली भी है, जो यात्री डिब्बों में रोशनी, पंखे, मोबाइल और लैपटॉप चार्जर, वातानुकूलन और पेंट्री जैसे आरामदायक सुविधाओं को संचालित करती है। इंजन में होटल लोड प्रणाली का प्रयोग करने से ट्रेनों में एक अतिरिक्त डिब्बा लग जाता है। इसमें सी.सी.वी. (कम्प्यूटर नियंत्रित ब्रेकिंग) सिस्टम है, जिसमें ब्रेकिंग अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी होती है।

इससे पूर्व, वित्त मंत्री के लोको फ्रेम शॉप पहुंचने पर महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने आगवानी की एवं बरेका परिवार की ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन किया। वित्त मंत्री ने लोको असेम्बली शॉप, ट्रेक्शन असेम्बली शॉप और लोको टेस्ट शॉप का सूक्ष्म एवं गहण निरीक्षण किया साथ ही, लोको निर्माण प्रक्रियाओं का गहनता से अवलोकन भी किया। भ्रमण के दौरान कारखाना परिसर की साफ-सफाई, तकनीकी विशेषताओं की उन्होंने उनमुक्त कंठ से सराहना की। वित्त मंत्री ने नवनिर्मित पर्यवेक्षक विश्राम गृह एवं अमृत कानन सामुदायिक पार्क का भी उद्घाटन किया।

महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह द्वारा माननीय मंत्री महोदया को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सुरूचीपूर्ण संचालन मुख्य विद्युत इंजीनियर-निरीक्षण श्री अरूण कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार को लगाई फटकार

पटना,(ईएमएस): पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार को फटकार लगाई है। मामला राजस्व सेवा के अधिकारियों को डीसीएलआर पद पर नियुक्ति से जुड़ा है। वहीं एक अन्य मामला नालंदा की एक मुख्य पार्षद की अयोग्यता से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने डीसीएलआर पदों पर नियुक्ति को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग से जवाब मांगा है। वहीं मुख्य पार्षद की अयोग्यता पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों की डीसीएलआर पदों पर नियुक्ति में देरी पर सरकार से जवाब मांगा था, लेकिन ९ महीने बाद भी सामान्य प्रशासन विभाग का जवाब नहीं आया तो हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई।

न्यायाधीश अरविंद सिंह चंदेल की एकलपीठ ने सामान्य प्रशासन विभाग से पूछा कि नौ महीने बीत जाने के बाद भी अब तक जवाब क्यों दाखिल नहीं किया गया? सरकारी वकील ने जवाब देने के लिए दो हफ्तों की मोहलत मांगी जिसे हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली है। यह मामला विनय कुमार द्वारा दायर याचिका पर चल रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि अक्टूबर २०२३ में प्रमोशन के बाद राजस्व सेवा के अधिकारी डीसीएलआर पदों पर नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे तभी सामान्य प्रशासन विभाग ने इन पदों पर बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को नियुक्त कर दिया। यह फैसला राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को बताए बिना लिया गया था।

बता दें डीसीएलआर का पद राजस्व सेवा से जुड़ा है, जहां कम से कम नौ साल राजस्व अधिकारी या अंचल अधिकारी के तौर पर काम करने वाले अधिकारी ही नियुक्त होते हैं। इस पद पर अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति से कामकाज बेहतर होता है और प्रक्रिया भी तेज होती है। हाईकोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई ५ मार्च को करेगा।

दूसरे मामले में पटना हाई कोर्ट ने नालंदा के अस्थावां की पार्षद लाडली सिन्हा की अयोग्यता पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश राजेश कुमार वर्मा ने लाडली सिन्हा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत दी है। लाडली सिन्हा २० दिसंबर २०२२ को मुख्य पार्षद चुनी गई थीं। नामांकन के दौरान उमा शंकर प्रसाद ने आपत्ति जताई थी कि लाडली सिन्हा के दो से ज्यादा बच्चे हैं, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने आपत्ति खारिज कर दी थी। बाद में ३० जनवरी २०२३ को शिव बालक यादव ने राज्य निर्वाचन आयोग में शिकायत की और लाडली सिन्हा को अयोग्य घोषित करने की मांग की।

निर्वाचन आयोग ने मेडिकल बोर्ड से रिपोर्ट मंगवाई और दूसरे सबूत भी जुटाए। ५ फरवरी २०२५ को आयोग ने लाडली सिन्हा को अयोग्य घोषित कर दिया। इसके खिलाफ उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने आयोग के फैसले पर रोक लगा दी है। लाडली सिन्हा के वकील ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग ने मेडिकल बोर्ड से रिपोर्ट मंगवाकर और सबूत इकट्ठा करके अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर काम किया। यह मामला नियमों की व्याख्या और चुनाव आयोग के अधिकारों से जुड़ा है। हाईकोर्ट के फैसले से यह साफ होगा कि इस तरह के मामलों में कौन फैसला ले सकता है।

यूपी सरकार विफल, इसको हटाया जाना चाहिए : राहुल गांधी

रायबरेली (ईएमएस): कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूपी की सरकार विफल सरकार है। इस सरकार को हटाया जाना चाहिए। केंद्र स्कूल, कॉलेजों का निजीकरण कर रही है। यह सरकार नौकरियां देने में सक्षम नहीं है। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२७ के लिए अभी जुट जाने के लिए कहा। गौतम अडाणी को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी अमेरिका जाकर कहते हैं कि मेरा पर्सनल मैटर है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि दो हिन्दुस्तान है। एक अडाणी, अंबानी और एक गरीबों का हिन्दुस्तान है। राहुल गांधी ने लोगों से कहा कि आपने जो शादी देखी, वो उनका नहीं आपका पैसा है। दो हिन्दुस्तान नहीं चाहिए। डरना नहीं चाहिए और आपको सवाल पूछना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि रोजगार और बेरोजगारी पर सवाल पूछें। पूछें कि रोजगार कब पैदा होंगे, बेरोजगारी कब खत्म होगी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट किया और लिखा, रायबरेली की मोहब्बत और मिठास का कोई मुकाबला नहीं। राहुल गांधी ने युवा संवाद के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। रायबरेली में कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील कुमार गौतम ने कहा कि समुदाय का १२ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सुबह गांधी से उनके भुएमऊ स्थित आवास पर मिला। गौतम ने कहा कि हमने अनुसूचित जाति के लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और उन्हें राज्य में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से सामने आई कठिनाइयों के बारे में बताया।

दरभंगा, भागलपुर, गया व मुजफ्फरपुर में मेट्रो सेवा की तैयारी पूरी

पटना (एजेंसी): बिहार के चार प्रमुख शहरों गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा में मेट्रो सेवा शुरू करने की प्रक्रिया एक नए चरण में पहुंच गई है. इस परियोजना के संभाव्यता अध्ययन का काम पूरा हो चुका है, और इसे नगर विकास विभाग को सौंप दिया गया है. रिपोर्ट के साथ ही जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के सुझाव भी सरकार तक भेजे गए हैं. अब राज्य सरकार इस पर अंतिम निर्णय लेगी. यदि सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी होती हैं, तो साल २०२९ तक इन शहरों में मेट्रो परिचालन शुरू हो सकता है.

शहर की आबादी, क्षेत्र विस्तार और परिवहन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मेट्रो की कुल लंबाई और स्टेशनों की संख्या निर्धारित की गई है. प्रारंभ में नगर विकास विभाग ने २० किमी लंबाई में मेट्रो निर्माण का प्रस्ताव रखा था, लेकिन जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के सुझावों के बाद यह सीमा बढ़ा दी गई. चारों शहरों में सबसे लंबा मेट्रो रूट गया का है, जहां ३६.०८ किमी लंबाई का प्रस्ताव दिया गया है. इसके बाद भागलपुर में २४ किमी, मुजफ्फरपुर में २१.२५ किमी और दरभंगा में १८.८ किमी का रूट प्रस्तावित है.

गया शहर में दो प्रमुख कॉरिडोर प्रस्तावित किए गए हैं. पहला कॉरिडोर उत्तर-दक्षिण दिशा में एयरपोर्ट, बोधगया और रेलवे स्टेशन को जोड़ेगा, जिसकी लंबाई २२.६० किमी होगी और इसमें १८ स्टेशन होंगे. दूसरा कॉरिडोर पूर्व-पश्चिम दिशा में १३.४८ किमी लंबा होगा और इसमें १० स्टेशन होंगे. यह विष्णुपद मंदिर, बिपार्ड और मानपुर बस अड्डे को जोड़ेगा.

भागलपुर में मेट्रो सेवा दो चरणों में विकसित की जाएगी. पहले चरण में १९ किमी के दो कॉरिडोर बनाए जाएंगे, जिनमें कुल १८ स्टेशन होंगे. दूसरे चरण में ५ किमी लंबा रूट बनाया जाएगा, जिसमें ४ स्टेशन होंगे. पहला कॉरिडोर सैदपुर से भागलपुर स्टेशन होते हुए चंपानगर तक जाएगा, जबकि दूसरा भागलपुर स्टेशन से वास्तु विहार तक फैला होगा.

मुजफ्फरपुर में दो कॉरिडोर प्रस्तावित हैं. पहला कॉरिडोर हरपुर बखरी से जीरो माइल और भगवानपुर चौक होते हुए रामदयालु नगर तक १३.८५ किमी लंबा होगा, जिसमें १३ स्टेशन होंगे. दूसरा कॉरिडोर ७.४० किमी लंबा होगा और इसमें ७ स्टेशन होंगे.

तेजस्वी पर बरसे मंत्री अशोक चौधरी

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार के मंत्री और जहानाबाद जिले के प्रभारी मंत्री अशोक चौधरी ने प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बार-बार यह बयान दे रहे हैं कि पार्टी में सिफारिश करने वालों को टिकट नहीं मिलेगा, लेकिन असल सवाल यह है कि उनसे टिकट मांग कौन रहा है? मंत्री अशोक चौधरी ने चुनावी भविष्यवाणी किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजद की स्थिति बेहद कमजोर होगी और पार्टी महज १५-२० सीटों तक सिमट जाएगी.

अशोक चौधरी ने जदयू विधायक गोपाल मंडल द्वारा दिए जा रहे विवादित बयानों पर नाराजगी जाहिर की. उन्होंने कहा कि गोपाल मंडल अपनी ही पार्टी को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं, जो उचित नहीं है.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में आने की संभावनाओं पर मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि अगर वे राजनीति में प्रवेश करना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है.

अशोक चौधरी ने केंद्र सरकार के २०२५-२६ के बजट को बिहार के हित में बताते हुए कहा कि इस बार का बजट राज्य के विकास को गति देगा. उन्होंने कहा कि बिहार के बाढ़ प्रभावित कोसी क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, साथ ही मखाना व्यापार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की योजना बनाई गई है.

इसके अलावा, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर और विष्णुपद मंदिर के विकास के लिए भी बजट में राशि आवंटित की गई है. मंत्री अशोक चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि २५ फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक में यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं पर अंतिम मुहर लगेगी. उन्होंने बताया कि जहानाबाद में १९४ सड़कों के निर्माण और ८ पुलों के निर्माण की योजना को मंजूरी दी जाएगी. अरवल मोड़ पर बनने वाले ओवरब्रिज के शिलान्यास की भी जल्द ही प्रक्रिया शुरू होगी.

पांच साल पहले लापता युवक महाकुंभ में भीख मांगता मिला

सिवान,(ईएमएस): बिहार के सिवान जिले में जिस बेटे को मृत मानकर परिवार वालों ने उसका श्राद्ध दिया था, वह अब ५ साल बाद कुंभ मेले में भीख मांगता मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हुसैनगंज थाना क्षेत्र रहने वाले परमेश्वर पंडित वह दोनों पैरों से विकलांग और गूंगा है। बताया जा रहा है कि हुसैनगंज थाना मुख्यालय स्थित हुसैनगंज उत्तर मुहल्ला कुम्हार टोली से छठ पर्व पर नहाने गया युवक अचानक गुम हो गया था। खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला था।

वहीं, अब परमेश्वर महाकुम्भ प्रयागराज की भीड़ में भीख मांगते हुए मिल गया। लड़के की मां ने बताया कि २०२० में वह छठ के मौके पर नहाने के लिए अपने पुत्र के साथ सीवान गई थी तभी वह वहां से लापता हो गया था। उन्होंने कहा कि हुसैनगंज बाजार के चार पांच लोग प्रयागराज स्नान करने गए थे तभी परमेश्वर ने अपने गांव के लोगों को पहचान लिया और व्हीलचेयर से लटकर उनके पैर पकड़ लिए और रोने लगा। यह घटना उनके परिवार और गांव के लोगों के लिए चमत्कार से कम नहीं है। परमेश्वर की मां ने कहा कि मैं तो अपने पुत्र का श्राद्ध कार्यक्रम भी कर चुकी थी। उन्होंने कहा कि तमाम जगह खोजने के बाद मेरी उम्मीद टूट चुकी थी, लेकिन भगवान ने मेरी सुन ली और मेरे पुत्र को मुझसे मिला दिया।

सदस्यता अभियान खत्म होने के बाद होगा सांगठनिक चुनाव

पटना (एजेंसी): मौर्या होटल, पटना. मौका था राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का, लेकिन इसमें एक अपशकुन हो गया था. राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में खुद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ही नहीं आए थे. बैठक में मिशन २०२५ पर मंथन होना था और हुआ भी. कई फैसले लिए भी गए और तेजस्वी यादव का कद बढ़ाकर पार्टी के लिए सभी फैसले लेने के लिए अधिकृत कर दिया गया था. बैठक में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव, आलोक मेहता, सांसद मीसा भारती, सांसद संजय यादव सहित कई नेता शामिल हुए थे, लेकिन जगदानंद सिंह की कमी पार्टी को तो खली ही होगी, मीडियाकर्मियों की निगाहें भी उन्हें ढूंढती रही थी. अब भाई वीरेंद्र ये दावा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महागठबंधन के पाले में आने वाले हैं पर उन्हें ये पता नहीं है कि राजद के प्रदेशाध्यक्ष कहां लापता हैं. वे प्रदेश कार्यालय क्यों नहीं आ रहे हैं?

राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ऐसे समय में लापता हुए, जब पार्टी के लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है. सदस्यता अभियान खत्म होने के बाद सांगठनिक चुनाव भी कराया जाने वाला है. १९९७ में ठगऊ की स्थापना के बाद से हर ३ साल पर सांगठनिक चुनाव कराए जाते हैं. २०२५ में जो सांगठनिक चुनाव होगा, उसकी अवधि २०२८ तक के लिए होगी. किसी भी पार्टी के संगठन के लिहाज से प्रदेश अध्यक्ष एक महत्वपूर्ण पद होता है और बिना प्रदेश अध्यक्ष के राजद सांगठनिक चुनाव कैसे संपन्न करवाता है, यह देखने वाली बात होगी. एक दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं गए थे. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, वो दिल्ली क्या करने जाएंगे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो हमारे पाले में आने वाले हैं. जब भाई वीरेंद्र से यह पूछा गया कि प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह प्रदेश कार्यालय क्यों नहीं आ रहे हैं और उनकी कोई खोज खबर है क्या? तब उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए कहा, कौन आने वाला है और कौन जाने वाला है, यह पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा तय किया जाना है.

जगदानंद सिंह के प्रदेश कार्यालय नहीं आने और लापता रहने का साइड इफेक्ट भी दिखने लगा है. यह साइड इफेक्ट नवादा में दिखा है. नवादा में तेजस्वी यादव के संवाद कार्यक्रम से पहले लगे पोस्टरों में दो विधायकों की तस्वीरें गायब कर दी गई हैं. नवादा से राजद विधायक विभा देवी और रजौली से विधायक प्रकाश वीर को पोस्टर में जगह नहीं मिली है, जबकि गोविंदपुर के विधायक मोहम्मद कामरान की तस्वीर पोस्टर में मौजूद है. सियासी गलियारों में इसकी काफी चर्चा हो रही है. कहा जा रहा है कि आने वाले समय में तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लग सकता है.

राहुल के खिलाफ सड़कों पर उतरा बहुजन स्वाभिमान मंच

रायबरेली,(ईएमएस): कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर रायबरेली पहुंचे। राहुल गांधी के दो दिवसीय दौरे का बहुजन स्वाभिमान मंच ने कड़ा विरोध किया है।

मंच ने राहुल गांधी पर दलितों को गुमराह करने का आरोप लगा दिया है। मंच ने राहुल गांधी से कांग्रेस नेता उदित राज के बयान को लेकर माफी की मांग की। इसके अलावा, पोस्टर के द्वारा भी राहुल गांधी से माफी मांगने की अपील की। रायबरेली जिले के विभिन्न स्थानों पर राहुल गांधी के खिलाफ इन पोस्टरों को देखा गया, इसें उनके खिलाफ विरोध जताकर माफी की मांग की गई।

छात्र को गोली मारकर हत्या क्या कर रही पुलिस

सासाराम (एजेंसी): बिहार में बढ़ती अपराधिक घटनाओं के कारण पुलिस से लोगों का ऐतबार उठता जा रहा है. कभी कांग्रेस सासंद को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा जाता है तो कभी परीक्षार्थी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है. हर बार की तरह पुलिस देरी से पहुंचती है और सिर्फ इंवेस्टिगेशन करने का पुराना खेल खेलती है. ताजा मामला सासाराम के ताराचंडी धौडाढ थाना क्षेत्र से सामने आया है. यहां १०वीं की परीक्षा में नकल नहीं कराने को लेकर छात्रों के दो गुटों में मारपीट और फायरिंग हो गई. इस घटना में एक छात्र को गोली लगी है. जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक अमित कुमार शंभू बिगहा के रहने वाले मनोज यादव का बेटा था.

इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम करके पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. मौके पर पुलिस के तमाम बड़े अधिकारी भी पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास करते दिखे. पुलिस अधिकारियों की ओर से आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया गया. वहीं इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन और स्कूल प्रशासन दोनों पर सवाल उठा रहे हैं. लोगों का कहना है कि परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र के २०० मीटर के दायरे में धारा १४४ लागू कर दी जाती है. परीक्षा केंद्र के आसपास पुलिस प्रशासन की गाड़ियां मौजूद रहती हैं. इसके बाद भी छात्रों के दो गुट आपस में कैसे भिड़ गए और गोलियां कैसे चल गईं? वहीं इससे पहले कांग्रेस सांसद मनोज कुमार पर भी सासाराम में ही जानलेवा हमला हुआ था. भीड़ ने कांग्रेस सांसद को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था. इस घटना में उनका सिर फूट गया था. यह घटना भी एक स्कूल के पास हुई थी. सेंट जॉन इंटरनेशनल स्कूल सांसद के भाई का है. कांग्रेस सांसद ने संसद में आपबीती सुनाई थी. उन्होंने बिहार पुलिस पर बड़े गंभीर आरोप लगाए थे.

मुंगेर पुलिस की आरोपी से मुठभेड़, पैर में लगी गोली

मुंगेर (ईएमएस): बिहार के मुंगेर जिले में शुक्रवार सुबह मुठभेड़ की घटना हुई है। पुलिस फायरिंग में अपराधी के पैर में गोली लगी है। बताया जा रहा है कि ८ साल के अंशु को डेढ़ माह पहले सिगरेट लाने से मना करने पर आरोपी नीतीश कुमार ने गोली मार दी थी। शुक्रवार को पुलिस का उसी आरोपी के साथ मुठभेड़ हुई। दरअसल, मुंगेर पुलिस यूपी पुलिस की तर्ज पर अपराधियों से सख्ती से निपट रही है। कुछ दिन पहले मासूम अंशु को गोली मारने के मामले में फरार चल रहे अपराधी नीतीश कुमार के साथ पुलिस की शुक्रवार को मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में अपराधी नीतीश कुमार के दाएं पैर में गोली लगी है। इसके बाद पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। सात जनवरी २०२५ को मुंगेर जिले में गोविंदपुर गांव में सिगरेट लाने से मना करने पर मासूम अंशु कुमार (०८) वर्षीय के सिर में पड़ोसी नीतीश कुमार ने गोली मार दी। परिवार वाले बच्चे को आनन-फानन में धरहरा स्वास्थ्य केंद्र ले गए। गोली लगने से दाएं आंख का हल्का हिस्सा बाहर निकल गया था। पुलिस आरोपित नीतीश कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी।

योगी संभल जाओ! जुबान पर लगाम लगाओ, नहीं तो रांची लाकर कांके में भर्ती कराऊंगा : इरफान अंसारी

रांची (एजेंसी): झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उर्दू भाषा पर दिए गए विवादित बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें अपनी भाषा पर संयम रखना चाहिए और भड़काऊ बयानबाजी से बचना चाहिए। मंत्री ने योगी को यह कहते हुए चेतावनी दी कि अगर वे इस तरह की बयानबाजी जारी रखते हैं तो उन्हें रांची लाकर कांके मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में भर्ती कराना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि उर्दू किसी एक धर्म या जाति की भाषा नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है जो समाज को जोड़ने का काम करती है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वे अपनी भाषा से समुदायों के बीच विद्वेष फैलाने से बचें और किसी विशेष समुदाय को बार-बार निशाना बनाने की बजाय समाज की एकता को बढ़ावा दें।

इरफान अंसारी ने यह भी कहा कि योगी आदित्यनाथ का मानसिक संतुलन ठीक नहीं लगता। जिसके कारण वे अक्सर ऐसी भड़काऊ और विभाजनकारी बातें करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कैसे ऐसे व्यक्ति को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया जो समाज को तोड़ने की राजनीति करता है। डॉ. अंसारी ने साफ किया कि अगर भविष्य में योगी ने ऐसे गैर-जिम्मेदार बयान दिए, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि ऐसी विचारधारा रखने वाले लोगों की राजनीति में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

यह बयान उस समय आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में उर्दू भाषा पर अवांछित और आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिस पर विभिन्न बुद्धिजीवियों और भाषा प्रेमियों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मंत्री ने इस बयान की निंदा करते हुए उर्दू भाषा को समृद्ध और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत किया।

रघुवर दास ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

जमशेदपुर में यातायात सुगम बनाने के लिए दिए सुझाव

रांची (एजेंसी): पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा है कि जमशेदपुर देश का एक प्रमुख औद्योगिक शहर है। आर्थिक गतिविधियां, भारी वाहनों आदि के परिचालन एवं अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के कारण शहर की आम जनता को जाम एवं यातायात असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आये दिन बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं से बहुमूल्य जान-माल की क्षति हो रही है, जो अत्यंत चिन्ताजनक विषय है। जमशेदपुर शहर में यातायात के दबाव कम कर जनता को राहत देने के लिए पूर्व में सरकार द्वारा निम्नांकित आधारभूत संरचना विकास योनजाएं स्वीकृत की गयी थी। दुर्भाग्यवश इन योजनाओं के लंबित होने से स्थिति और गंभीर हो गयी है। ये योजनाएं है

१. जमशेदपुर में गोविंदपुर उपरी पथ एवं बाईपास निर्माण इस परियोजना की निविदा १३८.७४ करोड़ रुपये की लागत से निष्पादित हो चुकी थी, किंतु निर्माण कार्य लंबित है।

२. लिट्टी चौक से स्वर्णरेखा नदी तक एनएच-३३ को जोड़ने वाले पुल एवं पथ का निर्माण इस योजना का शिलान्यास भी हो गया था, परंतु आगे की कार्रवाई लंबित है। जनहित में टाटा मोटर्स से थीम पार्क होते हुए लिट्टी चौक के लिए एनएच-३३ तक पथ एवं पुल का निर्माण कार्य शीघ्र कराने का आवश्यकता है।

३. मानगो में एनएच-३३ पर नया इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण मानगो पुल के पास स्थित बस स्टैंड को स्थानांतरित करने के निमित एनएच-३३ पर नया इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण योजना की स्वीकृति दी गयी थी। इस योजना के अंतर्गत केवल बाउंड्री वाल का निर्माण हुआ है, शेष कार्य अभी भी लंबित है, इसे शीघ्र पूरा कराया जाना आवश्यक है।

उपर्युक्त परियोजनाओं का क्रियान्वयन समय पर पूर्ण होने से जमशेदपुर की जनता को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगी। यह न केवल राज्य के औद्योगिक विकास को गति देगा, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा को भी सुनिश्चित करेगा। अतः आपसे निवेदन है कि इन योजनाओं का कार्यान्वयन ससमय करवाया जाय, ताकि जमशेदपुर के नागरिकों को यातायात, जाम और अन्य समस्याओं से शीघ्र मुक्ति मिल सके।

10वीं परीक्षा पेपर लीक पर जैक कार्यालय घेराव करने पहुंचे एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने भांजी लाठी, 2 गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता १०वीं बोर्ड की परीक्षा में हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक मामले पर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जैक कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया और संगठन के मंत्री ऋतुराज सहदेव और सौरभ यादव को गिरफ्तार कर लिया।

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर जैक अध्यक्ष से मिल रहे थे, लेकिन प्रशासन ने सरकार के दबाव में आकर उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की। संगठन की केंद्रीय कार्य समिति की सदस्य दिशा दित्या ने कहा कि उनका संगठन हमेशा छात्रों की आवाज उठाता है, और सरकार लाठीचार्ज या गिरफ्तारियों के जरिए इसे नहीं दबा सकती।

रांची जिला संयोजक पवन नाग ने कहा कि झारखंड सरकार पूरी तरह से गैर-लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रही है। छात्रों की आवाज को दबाने के लिए प्रशासन का गलत तरीके से उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एबीवीपी के कार्यकर्ता इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार हैं और झारखंड के छात्रों का नेतृत्व हर परिस्थिति में करेंगे।

अनंत ओझा को मिली जान से मारने की धमकी, वाई प्लस सुरक्षा की मांग

रांची (एजेंसी): बीजेपी के कद्दावर नेता और २ बार विधायक रहे अनंत कुमार ओझा को बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाने को लेकर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में उन्होंने साहिबगंज के नगर थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। इसके साथ ही उन्होंने डीजीपी अनुराग गुप्ता को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने डीजीपी से वाई प्लस सुरक्षा श्रेणी की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार अनंत कुमार ओझा १६ फरवरी को अपने साहिबगंज स्थित कार्यालय में थे। इसी दौरान उन्हें ८६४५३२७१४८ नंबर से मिस्डकॉल आया था।

इसके बाद उन्होंने कॉल बैक किया तो दूसरी तरफ से गाली गलौज की जाने लगी। आरोपी ने कहा कि बार बार बांग्लादेशी-बांग्लादेशी आवाज उठाते हो सुधर जाओ, वरना जान से मार देंगे। इसके बाद उन्होंने डीजीपी को पत्र लिखकर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने अपने हाउस गार्ड हटाने और सुरक्षा कम किए जाने पर चिंता भी जतायी। बता दें कि २०२४ में विधानसभा में विपरीत जनादेश मिलने के बाद उनके आवास से गार्ड हटा दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय पुलिस प्रशासन से प्रतिनियुक्त अंगरक्षकों को भी हटाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने डीजीपी अनुराग गुप्ता से मांग की है कि उन्हें वाई प्लस सुरक्षा श्रेणी दी जीए। इस संबंध में उन्होंने आईजी विशेष शाखा प्रभात कुमार को भी पत्राचार किया है।

पत्र में उन्होंने बताया कि संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर वह लगातार आवाज उठाते आए हैं। इस कारण देश विरोधी ताकतों के द्वारा पूर्व में भी उन्हें धमकी मिल चुकी है। कई संदिग्ध उनका पीछा भी करते हैं। २०१८ में भी धमकी मिलने के बाद तत्कालीन मुख्य सचेतक और वर्तमान में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने उनकी सुरक्षा को लेकर सरकार को पत्र लिखा था, जिसके बाद उन्हें १-४ की सुरक्षा मिली थी। वहीं पुलिस ने चेन्नई और कोलकाता जाकर संदिग्धों पर कार्रवाई की थी। इस बार भी उन्होंने डीजीपी अनुराग गुप्ता से वाई प्लस सुरक्षा श्रेणी की मांग की है।

बाल विवाह मुक्त भारत पर चला जागरूकता अभियान

धनबाद (कासं) : बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण की सहयोगी संस्था झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन द्वारा भुईफोड़ शिव मन्दिर, धनबाद में बाल विवाह पर रोक को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। मन्दिर के पुजारियों को बाल विवाह प्रतिनेशेध अधिनियम की जानकारी दिया गया। मन्दिर प्रांगण में ट्रस्ट द्वारा मंदिर परिसर में बाल विवाह नहीं होती है का बैनर एवं पोस्टर लगाया गया।

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड को-ऑर्डिनेटर दीपा रवानी एवं चंदा कुमारी ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा पिछले दो वर्षों से धनबाद जिला में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा जिसके तहत मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर पंडित, पुजारी, मौलवी के साथ शपथ कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। मंदिर के मुख्य पुजारी को बताया गया कि विवाह के लिए उम्र के लिए आधार कार्ड मान्य नहीं है, उम्र के लिए जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल प्रमाण पत्र को ही मान्य माना जाय।

साथ बाल विवाह होने पर कानूनी प्रावधानों को भी बताया गया। भुईफोड़ शिव मंदिर में काफी संख्या में शादी होती है। मन्दिर के सभी पुजारी को बाल विवाह रोक पर जागरूक किया गया। मौके पर पंडित हिमांशु बनर्जी, सुबोध पंडित, अक्षय कुमार आचार्य आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वित्त विभाग में आईएएस अधिकारियों की भरमार, तैनात किए गए रिकॉर्ड 9 अधिकारी

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार के वित्त विभाग में फिलहाल आईएएस अधिकारियों का बड़ा जमावड़ा हो गया है। राज्य सरकार ने इस विभाग में कुल ९ आईएएस अधिकारियों को तैनात किया है। यह स्थिति तब है जब वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के बजट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है, और आम तौर पर बजट की तैयारी के बाद वित्त विभाग में आईएएस अधिकारियों की अधिक आवश्यकता नहीं रहती है।

फाइनेंस विभाग में जिन अधिकारियों की तैनाती की गई है, उनमें प्रधान सचिव के पद पर प्रशांत कुमार, विशेष सचिव के पद पर अमित कुमार, शशिभूषण मेहरा, और राजेश्वरी बी की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा, संयुक्त सचिव पद पर विजय शंकर गुप्ता, सौरभ कुमार भुवानिया और धनंजय कुमार सिंह को पदस्थापित किया गया है। वहीं, ओएसडी के पद पर रिटायर आईएएस अधिकारी अविनाश कुमार सिंह की तैनाती की गई है। इसके अलावा, वित्त विभाग से जुड़े निदेशक पेंशन एवं लेखा के पद पर नीतीश कुमार सिंह भी तैनात किए गए हैं।

यह तैनाती तब हुई है, जब कई आईएएस अधिकारियों को अन्य विभागों में एडजस्ट नहीं किया जा सका, और उन्हें वित्त विभाग में पोस्ट किया गया है।

रांची में होगा सीनियर पुरुष नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप, 600 खिलाड़ी करेंगे पार्टिसिपेट

रांची (एजेंसी): झारखंड राज्य हैंडबॉल महासंघ और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन में ५३वां सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन २२ से २६ फरवरी २०२५ तक रांची में होगा। टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में ये आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में देशभर से लगभग ३० टीमें भाग लेंगी। जिसमें सर्विसेज, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली जैसी प्रमुख टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट में करीब ६०० खिलाड़ी और कोच हिस्सा लेंगे। इनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी होंगे।

चैंपियनशिप का उद्घाटन २२ फरवरी २०२५ को होगा। उद्घाटन समारोह में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पूजा सिंघल को बड़ी राहत, ईडी की याचिका खारिज

रांची (एजेंसी): रांची की पीएमएलए विशेष कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें ईडी ने राज्य सरकार से यह आग्रह किया था कि वह आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को किसी भी विभाग की जिम्मेदारी ना सौंपे। यह आदेश पूजा सिंघल के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है, क्योंकि इससे उनकी पोस्टिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ईडी की याचिका पर कोर्ट का फैसला

ईडी ने कोर्ट में यह दावा किया था कि यदि पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है, तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर सकती हैं और मामले को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, इस पर कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि पोस्टिंग का अधिकार राज्य सरकार को है, और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन शर्तों पर पूजा सिंघल की जमानत दी गई थी, वे पहले ही काफी हैं, और इस मामले में और शर्तों की आवश्यकता नहीं महसूस होती।

आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल का नाम मनरेगा घोटाले में सामने आया था, जिसके बाद ईडी ने ११ मई २०२२ को उन्हें गिरफ्तार किया। इससे पहले ५ मई २०२२ को ईडी ने उनके २५ ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें बेहिसाब पैसे और अन्य संदिग्ध निवेश की जानकारी मिली थी। छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से १९.३१ करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए थे।

पूजा सिंघल को ७ दिसंबर २०२२ को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया था, लेकिन वह मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त बनी हुई हैं। कानूनी प्रावधानों के तहत, जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन समाप्त कर दिया गया है। इसके बाद, राज्य सरकार ने उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव के रूप में पोस्टिंग दी है। हालांकि पूजा सिंघल को राहत मिली है, लेकिन उनका मनी लॉन्ड्रिंग केस अभी भी चल रहा है। ईडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां इस मामले की गहन जांच कर रही हैं। कोर्ट के हालिया आदेश ने राज्य सरकार को पूजा सिंघल के विभागी कार्यों में हस्तक्षेप करने से रोक दिया है, लेकिन उनकी जांच और कानूनी प्रक्रियाएं जारी रहेंगी।

पृष्ठ एक का शेषांश

अमेरिका को तोप निर्यात---

की तोपें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक ड्राइव सिस्टम से चलती हैं। यह सिस्टम तोपों को विश्वसनीय बनाने के साथ साथ काफी ज्यादा घातक बनाता हैं। तोप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके रखरखाव में काफी कम खर्च हो, इस वजह से ये पसंदीदा तोप बन गया है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जो हाल ही में द्विपक्षीय रक्षा चर्चाओं के बाद हुआ है। भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बाबा कल्याणी ने कहा, अमेरिका को भारत में निर्मित महत्वपूर्ण रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हम पहली भारतीय कंपनी हैं जो अमेरिका को तोपों की आपूर्ति करेगी। यह हमारी क्षमताओं का प्रमाण है और हमारी विश्व स्तरीय तोप समाधान प्रदाता बनने की मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। वहीं एएम जनरल के कार्यकारी उपाध्यक्ष, जॉन चाडबोर्न ने कहा कि यह समझौता पत्र हमारे दीर्घकालिक सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'मृत्युकुंभ' वाली टिप्पणी पर---

ममता बनर्जी ने कहा- मैं सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हूं। धर्म किसी एक व्यक्ति का हो सकता है, लेकिन धार्मिक उत्सव सभी के लिए होते हैं। मेरी आपत्ति कुंभ मेले से नहीं, बल्कि वहां की अव्यवस्था और प्रशासन की लापरवाही से है। इस विवाद ने बंगाल की राजनीति को गरमा दिया है। बीजेपी इस बयान को मुद्दा बनाकर ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी ने इसे बीजेपी की साजिश बताते हुए पलटवार किया है। वहीं कुंभ मेले की अव्यवस्था पर यूपी सरकार पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि यह विवाद ममता बनर्जी और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव को कितना आगे ले जाता है।

प्रस्तावित एडवोकेट अमेंडमेंट---

दिनों में लगे मामलों में किसी भी तरह का प्रतिकूल आदेश पारित नहीं करने का अनुरोध भी किया है। मध्य प्रदेश में भी हुआ केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन मध्य प्रदेश की इंदौर जिला अदालत में भी अधिवक्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारे लगाए हैं। यहां लामबंद हुए वकीलों ने कहा कि केंद्र सरकार वकीलों को लेकर एक ऐसा अधिनियम लाने जा रही है जिसके लागू होने के कारण वकीलों को कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। मध्य प्रदेश के साथ ही अन्य सभी राज्यों में अधिवक्ता अधिनियम में संशोधन का तेज विरोध हो रहा है। बताया जा रहा है कि अधिनियम लागू करने का फिलहाल प्रस्ताव रखा गया है, लेकिन उसके पहले ही वकीलों ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया। यहां अधिवक्ता अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के विरोध में शुक्रवार को सभी वकील कार्य से विरत रहे। इंदौर जिला अदालत के बाहर एकत्र हुए वकीलों ने प्रदर्शन करते हुए प्रस्तावित अधिनियम के विरोध में नारेबाजी की। हड़ताल कर रहे वकीलों ने अधिवक्ता अधिनियम में किए जा रहे संशोधन को काला कानून बताया है और केंद्र से इसे वापस लेने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 498ए से---

कहा कि धारा ४९८ए केवल दहेज उत्पीड़न के लिए नहीं, बल्कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना के लिए लागू होगी। यदि महिला के साथ क्रूरता हुई है, तब पति और ससुराल वालों पर इस धारा के तहत मामला दर्ज हो सकता है, भले ही दहेज की मांग न की गई हो।

हर्ष फायरिंग के दौरान नाबालिग वेटर की गोली लगने से मौत

रांची (एजेंसी): रांची के इटकी के तिलकासुती गांव में एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान एक १५ साल के नाबालिग वेटर की मौत हो गयी। घटना गुरुवार की रात हुई थी। पुलिस ने हर्ष फायरिंग करने वाले युवक को हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान रविंद्र के रूप में हुई है। वह करमटोली ठाकुरगांव का रहने वाला था। घटना के बाद मृतक के गांव के लोग शादी समारोह स्थल पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। इसके बाद रात से ही गांव में पुलिस बल तैनत कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, रविंद्र का आज रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झारखंड कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के राजू पहुंचे रांची, पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रांची (एजेंसी): झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू का आज झारखंड की राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आगमन हुआ, जहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में पार्टी के मंत्री, विधायक, जिलाध्यक्षों सहित हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें फूल माला से लाद दिया। रांची एयरपोर्ट में के. राजू का पारंपरिक तरीके से स्वागत टाना भगतों द्वारा छउ नृत्य एवं ढोल बजाने के साथ किया गया।

प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष एयरपोर्ट से सीधे पुराना हाईकोर्ट स्थित डॉ. अम्बेडकर चौक पहुंचे, जहां कांके विधायक सुरेश बैठा, मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे, डॉ. राजेश गुप्ता, मणिशंकर, राकेश तिवारी, संजीव यादव, अभिषेक साहु, अरुण साहु, फिरोज रिज्वी सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर के. राजू ने अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

वहां से काफिला हिनू चौक, बिरसा मुण्डा चौक, सिद्धू-कान्हू पार्क, अलबर्ट एक्का चौक होते हुए कांग्रेस भवन पहुंचा सभी चौक चौराहों को फूल माला से विशेष रूप से सजाया गया था।

स्वतंत्रता सेनानी, महापुरुषों को अपना श्रद्धासुमन अर्पित कर प्रभारी के राजू कांग्रेस भवन, में आयोजित स्वागत समारोह में पहुंचे।इस स्वागत समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव प्रणव झा, बंधु तिर्की, सुबोधकांत सहाय, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने पोंटिंग का पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने पहले ही मुकाबले में आईसीसी टूर्नामेंट्स (वनडे फॉर्मेट) में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोहली का यह रिकॉर्ड तब सामने आया जब भारतीय टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए मोहम्मद शमी के 5 विकेट की बदौलत बांग्लादेश को 228 रन पर ही रोक दिया था। बांग्लादेश की ओर से तौहीद शतक जड़ने में सफल रहे थे। इसी मैच में विराट ने वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का मोहम्मद अजहरुद्दीन (156 कैच) का भारतीय रिकार्ड भी बराबर कर लिया।

वनडे आईसीसी टूर्नामेंट (डब्ल्यूसी+सीटी) में सर्वाधिक रन

2719 - सचिन तेंदुलकर (52.28 औसत)
2346 - विराट कोहली (64.5 औसत)
2336 - रिकी पोंटिंग (44.0 औसत)
2215 - कुमार संगकारा (49.2 औसत)
2056 - रोहित शर्मा (58.7 औसत)

विराट कोहली ने जैसे ही बांग्लादेश के खिलाफ 13 रन बनाए उन्होंने यह यूनीक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं।

कोहली के पास आईसीसी आयोजनों में शानदार रिकॉर्ड है। उन्होंने 2013 में एमएस धोनी के नेतृत्व में एक युवा खिलाड़ी के रूप में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया था। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बारिश से बाधित फाइनल में 43 रन बनाए।

2017 में वह बतौर कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में गए लेकिन वहां उन्हें सफलता नहीं मिली। पाकिस्तान ने 180 रनों से फाइनल जीता। 2019 विश्व कप में भी वह टीम इंडिया को जीत नहीं दिला पाए। 2023 विश्व कप तक रोहित शर्मा कप्तान बन चुके थे लेकिन इस दौरान भारत को आईसीसी खिताब भी नहीं मिला। आखिर 2024 में भारत ने टी20 विश्व कप जीता लेकिन एक बार फिर से वनडे विश्व कप या चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की टीस अभी भी विराट के दिल में हो सकती है।

वह अभी अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में हैं

पोंटिंग ने मोहम्मद शमी की तारीफ की

दुबई (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने मोहम्मद शमी की दृढ़ता की प्रशंसा की, उन्होंने भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में 'शानदार' पांच विकेट लेने को इस बात का सबूत बताया कि चोट से लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अब यह तेज गेंदबाज अपने 'सर्वश्रेष्ठ संस्करण' में है। शमी ने आईसीसी टूर्नामेंट में अपनी वापसी करते हुए 53 रन देकर 5 विकेट चटकाए जिससे भारत ने गुरुवार को बांग्लादेश को 228 रन पर समेट दिया। वह भारत की छह विकेट की जीत के दौरान 200 वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय और कुल मिलाकर दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी भी बने। पोंटिंग ने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में पांच विकेट लेना शानदार है। वे बिल्कुल वैसे ही हैं, जिन्हें आप अपनी टीम में चाहते हैं, जो आपके लिए कुछ भी कर सकते हैं। खास तौर पर कप्तान के तौर पर आप किसी की आंखों में देखते हैं और उनसे आपके लिए काम करने के लिए कहते हैं, चाहे वे इसे करने जा रहे हों या नहीं और शमी मुझे हमेशा ऐसे ही व्यक्ति लगते हैं।

शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के दौरान टखने की चोट के कारण 14 महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे थे, जिसने उनके शानदार प्रदर्शन को बाधित किया जिसमें वे 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर थे।

कोहली को फॉर्म में लौटने में क्यों आ रही है दिक्कत, कुंबले ने बताई वजह

भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुबले का मानना है कि विराट कोहली खुद पर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे है इस वजह से उन्हें फॉर्म में लौटने में दिक्कत आ रही है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच जीतने के बाद कोहली के प्रदर्शन को लेकर कुबले ने कहा, खराब फॉर्म से गुजरते हुए विशेषकर सफेद गेंद की क्रिकेट में कोहली को इतने लंबे समय तक ऐसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह अपने ऊपर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे हैं। आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी ऐसा कर चुके हैं और हर कोई आपसे उम्मीद रखता है कि यह वो व्यक्ति है जो खेल को हमसे दूर ले जाएगा और ये टीम में महत्वपूर्ण है। जब आपके ऊपर इस तरह का दबाव हो और आपसे इस तरह की उम्मीदें होती हैं तो अचानक आप और कई सारी चीजो को अहमियत देने लगते हैं और बहुत अधिक प्रयास करने लगते हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आप तनावमुक्त नहीं होते हैं। मेरा मानना है कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत अधिक प्रयास कर रहा है। आप देख सकते हैं कि वह अपनी पारी किस तरह से खेल रहा है। उसे बस इसके बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। रोहित शर्मा वहां आता है, उसे आजादी मिलती है क्योंकि बहुत सारी बल्लेबाजी होती है और वे सभी शानदार फॉर्म में हैं। इसी तरह विराट के लिए, उसे बस मैदान में आने के बाद किसी और चीज के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, जब वह फार्म में होता है, जब वह सिर्फ सिंगल लेना चाहता है और स्ट्राइक रोटेट करता रहता है, तो वह स्पिन को बहुत अच्छी तरह से खेलने वाला खिलाड़ी है। अब वह केवल नियंत्रण करने के बजाय रन बनाने के लिए बहुत अधिक प्रयास कर रहा है, और यही उसका गेम प्लान रहा है।

शमी ने चैम्पियंस ट्रॉफी में सफलता का राज खोला

- बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही मैच में झटके 5 विकेट

दुबई (एजेंसी)। चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहने का कठिन दौर पीछे छोड़कर आए भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि बारीकियों पर काम करने और अपने कौशल के प्रति वफादार रहने से उन्हें आईसीसी टूर्नामेंटों में कामयाबी मिलती है जिसमें उनका फोकस किफायती गेंदबाजी पर नहीं बल्कि विकेट लेने पर रहता है। शमी ने चैम्पियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की। वह 200 वनडे विकेट तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज भी बन

गए। शमी ने मैच के बाद कहा, 'आईसीसी टूर्नामेंटों में अगर मेरी गेंदों पर रन भी बनते हैं तो चलता है लेकिन विकेट मिलने चाहिए। उसी से टीम को फायदा होगा। मैं हमेशा यही सोचता रहता हूं। शमी को 2023 वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी जिसके बाद वह 14 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के जरिए वापसी की और अब जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय आक्रमण की कमान संभाल रहे हैं।

शमी ने कहा, 'मैं अपने फन को पूरी वफादारी से निखारने की कोशिश करता हूं। आप अपने कौशल के प्रति कितने वफादार हैं या अपने लक्ष्य को पाने की कितनी भूख आपके भीतर है। आप कैसे लय हासिल कर सकते हैं। भूख होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा बारीकियों पर काम करते आए हैं जिससे उन्हें मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'लय सही होनी जरूरी है। गेंदबाजी करते समय असहज तो नहीं हैं। मैं इन चीजों पर ध्यान देता हूं।

हर्षित ने अपनी सफलता श्रेय बुमराह को दिया, उनके साथ गेंदबाजी करके काफी कुछ सीखा

दुबई (एजेंसी)। बेहद कम समय में तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपनी निरंतरता और शीर्ष स्तर पर खेल के अनुकूल ढलने का श्रेय जसप्रीत बुमराह को दिया। 23 वर्ष के राणा ने दिसंबर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न टी20 और वनडे श्रृंखला में सीमित ओवरों की टीम में पदार्पण किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें बुमराह के साथ खेलने का मौका मिला। राणा ने बांग्लादेश पर चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बृहस्पतिवार को छह विकेट से मिली जीत के बाद कहा, 'मुझे जस्सी भाई के साथ गेंदबाजी करके काफी फायदा मिला। उनके पास काफी अनुभव है और वह हमेशा मुझे मार्गदर्शन देते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों के बारे में और विभिन्न प्रारूपों के बारे में बात करते थे। मुझे इससे काफी फायदा मिला। मैने उनसे निरंतरता सीखी है। उन्होंने भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल की भी तारीफ की जिन्होंने उनकी लाइन और लैंग्थ पर काम किया। उन्होंने कहा, 'मैने उनसे भी बहुत कुछ सीखा।

एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवराज

श्रीलंका से होगा मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं

जिनमें से 2011 वनडे विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, 'हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है। दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, 'मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। दिग्गजों के साथ खेलना और पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से शुरू करना, यही इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्देश्य है। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है।% इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी। सेमीफाइनल और 16 मार्च को होने वाला फाइनल रायपुर में खेला जाएगा।

विदर्भ ने 42 बार की चैंपियन मुंबई का तोड़ा घमंड

रहाणे की टीम से रणजी ट्रॉफी फाइनल में मिली हार का यूं लिया बदला

नागपुर (एजेंसी)। विदर्भ क्रिकेट टीम ने अपने घरेलू मैदान पर मुंबई टीम को 80 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही विदर्भ टीम रणजी ट्रॉफी 2024-25 के खिताबी मुकाबले में पहुंच गई है। यही नहीं, विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया है।

क्रिकेट में एक कहावत है कि किसी भी टीम को उसी के घरेलू मैदान पर हराना काफी मुश्किल होता है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला रजणी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में। विदर्भ ने सूरमाओं से भरी मुंबई टीम को 80 रनों से हराते हुए न केवल रणजी ट्रॉफी-2024-25 के फाइनल में एंट्री मार ली है, बल्कि रणजी ट्रॉफी-2023-24 के खिताबी मुकाबले में मिली हार का भी बदला ले लिया है। तब अजिंक्य रहाणे की टीम ने विदर्भ को हराकर 42वीं बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

नागपुर के ऐतिहासिक वीसीए स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल की पहली पारी में विदर्भ ने पहले बैटिंग करते हुए सभी विकेट खोकर 383 रन बनाए। इसमें दानिश मालेवार के सबसे अधिक 79 रन और ध्रुव शोरे के 74 रन शामिल थे। इस पारी में मुंबई के लिए शिवम दुबे ने सबसे अधिक 5 विकेट झटके।

जवाब में आकाश आनंद के शानदार 106 रनों के बावजूद मुंबई की टीम 270 रनों पर ढेर हो गई। पार्थ ने सबसे अधिक 4 विकेट झटकते हुए विदर्भ को बढ़त दिला दी। इसके बाद विदर्भ की दूसरी पारी 292 रनों तक पहुंची। प्लेयर ऑफ द मैच यश राठौड़ ने सबसे अधिक 151 रन की पारी खेली तो अक्षर वाडेकर ने 52 रन बनाए। इस पारी में मुंबई के लिए शम्स मुलानी ने 6 विकेट झटके, जबकि तनुष ने 3 विकेट अपने नाम किए। भारी भरकम स्कोर के आगे मुंबई की शुरुआत खराब रही, लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों के दम पर वह 300 का आंकड़ा पार करने में सफल रही। शार्दुल ठाकुर ने 66 रन, शम्स मुलानी ने 46 रन, तनुष कोटियान ने 26 रन, मोहित अवस्थी ने 34 रन और डियास ने नाबाद 23 रन बनाए, लेकिन मुंबई को जीत नहीं दिला सके। टीम 325 रनों पर ढेर हो गई। इस तरह विदर्भ का फाइनल में मुकाबला केरल के साथ होगा।

शुभमन गिल का चैंपियंस ट्रॉफी के डैब्यू मुकाबले में शतक, करियर का 8वां

दुबई (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दुबई के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में बांग्लादेश पर टीम इंडिया की जीत में हीरो रहे। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए तौहीद के शतक की बदौलत 228 रन बनाए थे। भारत की ओर से मोहम्मद शमी पांच विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में भारतीय टीम को रोहित और शुभमन ने तेजतर्रार शुरूआत दी। रोहित जब 41 रन बनाकर आऊट हो गए तो एक छोर संभाले खड़े शुभमन ने 125 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। वह वनडे फॉर्मेट में उनका 8वां शतक है।शुभमन के अब आखिरी 4 वनडे मैचों में दो अर्धशतक और दो शतक हो गए हैं। उन्होंने

मैच के दौरान 129 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। यही नहीं, वह भारत के लिए सबसे कम पारियों में 8 शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम 51 पारियों में ही हासिल कर लिया। इससे पहले शिखर धवन ने 57 पारियों में ऐसा किया था। इस लिस्ट में विराट कोहली (68 पारियां), गौतम गंभीर (98 पारियां), सचिन तेंदुलकर (111 पारियां) का भी नाम है।

2010 के बाद से भारत के लिए सबसे धीमा वनडे शतक (गेंदों का सामना करके)

रोहित शर्मा के वनडे में 11 हजार रन पूरे, सचिन-पोटिंग-सहवाग को किया पीछे, कोहली नम्बर 1

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान सबसे तेज 11,000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने चौका लगाकर यह रिकॉर्ड पूरा किया। रोहित ने सबसे कम पारियों में 11,000 वनडे रन बनाने के मामले में सचिन तेंदलुकर, रिकी पोंटिंग और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया है। हालांकि वनडे में सबसे तेज 11 हजारी विराट कोहली ही हैं जो रोहित से कमी कम पारियों में इस मुकाम तक पहुचे हैं। रोहित शर्मा ने 261 इनिंग्स में 11,000 वनडे रन बनाए है जबकि सचिन ने यह रिकॉर्ड 276 इनिंग्स मे बनाया था। सचिन के बाद चौथे नम्बर पर पोटिंग हैं जिन्होंने 286 इनिंग्स में 11,000 वनडे रन बनाए थे। गांगुली ने 288 इनिंग्स में यह कमाल किया था। वही अगर किंग कोहली की बात करें तो उन्होंने 11000 वनडे रन बनाने के लिए मात्र 222 इनिंग्स ही खेली हैं जोकि इन सबसे कही कम हैं।

सबसे कम पारियों में 11,000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ी

- 222 विराट कोहली
- 261 रोहित शर्मा
- 276 सचिन तेंदुलकर
- 286 रिकी पोंटिंग
- 288 सौरव गांगुली

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का हुआ तलाक, रिपोर्ट में खुलासा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा आधिकारिक रूप से अलग हो गए हैं। उनके तलाक की खबरें महीनों से सोशल मीडिया पर घूम रही थीं। दोनों ने इंटरनेट पर रहस्यमयी पोस्ट शेयर किए जिससे संकेत मिलता था कि वे अलग हो गए हैं। लेकिन दोनों मे से किसी ने भी तलाक शब्द का इस्तेमाल नही किया और ना ही खुलकर इस बारे में जानकारी नहीं दी है। अब खबर है कि दंपति की अंतिम सुनवाई और सभी आवश्यक औपचारिकताएं गुरुवार को बांद्रा फैमिली कोर्ट में हुई, जहां दोनों रूप से मौजूद थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार जज ने दंपति को काउंसलिंग लेने की सलाह दी, जो करीब 45 मिनट तक चली। काउंसलिंग सेशन के बाद जज को बताया गया कि दोनों आपसी सहमति से अलग होना चाहते हैं। इसके अलावा यह भी पता चला कि चहल और धनश्री पिछले 18 महीनों से अलग रह रहे थे। तलाक लेने के पीछे संभावित कारण के बारे में पूछे जाने पर दंपति ने कहा कि 'संगतता संबंधी मुद्दे' हैं। गुरुवार को शाम करीब 4-30 बजे जज ने आधिकारिक तौर पर उन्हें तलाक दे दिया।

चहल ने अंतिम सुनवाई से ठीक पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी जिसमें लिखा था, भगवान ने मुझे कितनी बार बचाया है, मैं गिन भी नहीं सकती। इसलिए मैं सिर्फ कल्पना कर सकता हूं कि मुझे कितनी बार बचाया गया है, जिसके बारे में मुझे पता भी नही है। भगवान, हमेशा मेरे साथ रहने के लिए शुक्रिया, तब भी जब मुझे पता नहीं होता। आमीन।

धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, तनाव से आशीर्वाद तक। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि भगवान हमारी चिंताओं और परीक्षणों को आशीर्वाद में कैसे बदल सकते हैं? अगर आप आज किसी बात को लेकर तनाव में है, तो जान लें कि आपके पास एक विकल्प है।

रिश्ते में न मानें किसी और की गलत सलाह

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बहुत प्यारा और गहरा होता है। आपसी प्यार और समझ के साथ दोनों की जिंदगी हंसी खुशी बीत जाती है लेकिन जहां प्यार है वहां तकरार होना भी आम बात है। किसी बात को लेकर पार्टनर आपस में गुस्सा हैं तो किसी दूसरे को अपने मामले में ले आना गलत बात है, परेशानी और भी बढ़ जाती है जब आप किसी दूसरे की गलत सलाह को मान लेते हैं। जिससे बात खत्म होने की बजाय बिगडनी शुरू हो जाती है। अपने परिवार में खुशी से रहना चाहते हैं तो पहले दूसरों की गलत सलाह को नजरअंदाज करें।

- इस बार का ख्याल रखें कि रिश्तों को संजो कर रखने के लिए जरूरी है एक-दूसरे की कद्र करना। दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को समझें किसी के सामने अपनी पर्सनल बातें न बताएं।
- बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो किसी को अच्छी सलाह देने से कतराते हैं। वो आपके मुंह पर तो तारिफ करेंगे लेकिन मन से सही राह नहीं दिखाएंगे। अच्छा होगी कि दोनों एक-दूसरे को समझें और आपस में ही बात को सुलझा लें।
- प्यार अहसास है कंपीटिशन नहीं। किसी की सलाह पर अपने लिए कोई रूल्स न बनाएं जो बाद में आपके लिए ही भारी पड़ें। पार्टनर को ये न कहें कि वह आपकी हर बात को बिना सोचे समझे मानें इससे रिश्ता बिगड़ सकता है।
- जब किसी दूसरे को पता लग जाए कि आपके रिश्ते में दरार आ गई है तो लोग इसे भरने की बजाए और गहरा करने की कोशिश करते हैं। किसी की सलाह न मानते हुए पार्टनर को एक और मौका दें।

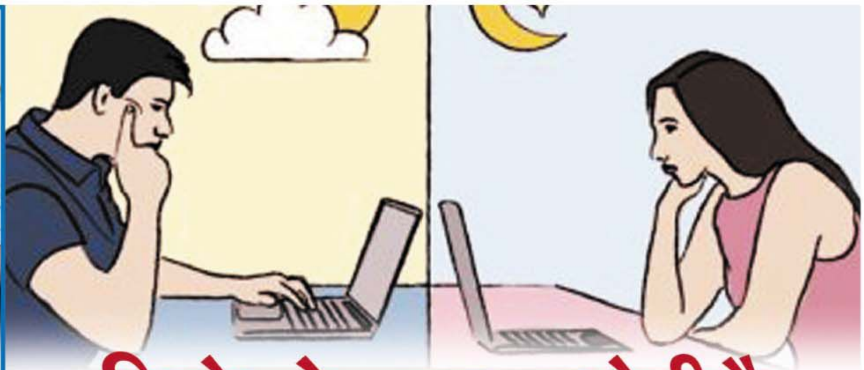

रिश्ते को खत्म कर देती है लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप

आजकल कपल्स काम और करियर के चक्कर में लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहना पंसद करते है। पार्टनर आपस में देर तक बार करने और एक मिलने की प्लानिंग करते है लेकिन कई बार टाइमिंग मैच न होने के कारण आप यह सब कर नहीं पाते। कई बार तो आप पार्टनर से बात करने की बजाए थके होने के कारण सोना पंसद करते है। इससे कारण आपके बीच का प्यार बढ़ने की बजाए खत्म हो जाता है।

वक्त की कमी

आप लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहना तो शुरू कर देते है लेकिन अलग होने के बाद में आप काम में इतना बिजी हो जाते है कि एक दूसरे से बात ही नहीं कर पाते। रात को फ्री होने पर भी आप थके होने के कारण पार्टनर से बात नहीं करते।

उम्मीद का टूटना

आप पार्टनर से रह तो देते है कि 'मैं पक्का महीने में एक बार तुमसे मिलने आऊंगा' लेकिन असल में आप पार्टनर से मिलने नहीं पाते। इससे आपके पार्टनर की उम्मीद टूटने लग जाती है।

अकेलापन

दूर होने पर किसी भी प्रॉब्लम में आप अकेलापन महसूस करने लगते है। ऐसे में आप अपने दोस्तों से भी प्रॉब्लम शेयर नहीं कर पाते और आपको अकेले ही एक बुरे दौर से गुजरना पड़ता है।

दिल की बात

लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप से आपके बीच की दूरियां इतनी बढ़ जाती है कि आप अपनी दिल की बात भी एक दूसरे से शेयर नहीं कर पाते। इसके अलावा आप कहां जा रहें है यह भी पार्टनर को बताना जरूरी नहीं समझते।

पहले वाला प्यार

कुछ समय बाद जब आप अपने पार्टनर से मिलते है तो पार्टनर से मिलकर आप कई बातें करना चाहते है लेकिन उस समय आपको बातें याद ही नहीं आती। इसके अलावा आप पार्टनर के साथ होते हुए भी फोन पर ऑफिस का ही काम करते रहते है।

पेपर क्राफ्ट से निखारें बच्चों का हुनर

बच्चों को ड्राइंग और पेंटिंग करने का बहुत शौंक होता है। पढ़ाई हो या फिर अनुशासन वह हमेशा खेल-खेल में चीजें आसानी से सीख लेते हैं। किताबों के साथ-साथ उन्हें कुछ ऐसी एक्टिविटी के भी सीखाते रहना चाहिए जो उनके काम आए और वह उसमें दिलचस्पी भी दिखाएं। घर पर पड़े बेकार समझे जाने वाले प्लास्टिक के गिलास का इस्तेमाल करके भी आप बच्चों के साथ मिलकर बहुत सी चीजें बना सकते हैं। जैसे कार्टून, बर्थडे कैप, एनिमल, स्पाइडर आदि बना सकते हैं। रंग बिरंगे कलर्स के साथ आप इसके साथ और भी कई तरह के एक्सपैरिमेंट कर सकते हैं। इससे बच्चे खुश भी हो जाएंगे आप भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिता सकेंगे। इसके अलावा वह अपने आइडिया से भी बहुत कुछ बना सकते हैं। आइए आपको कुछ तस्वीरें दिखाते हैं, जिससे आप भी कुछ आइडियाज ले सकते हैं।

बच्चों को पिलाएं ग्राइप वाटर मिलेंगे ये फायदे!

ग्राइप वाटर बच्चों को शुरूआती दिनों में दिया जाता है। हालांकि इसके बारे में कुछ लोगों का मानना है कि यह बच्चों के लिए नुकसानदेह होता है लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पहले ग्राइप वाटर में एल्कोहल का इस्तेमाल हुआ करता था लेकिन इन दिनों ग्राइप वाटर में सोडियम बाइकार्बोनेट और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया जाता है। सोडियम बाइकार्बोनेट बच्चों के पेट से गैस निकालने में मदद करता है। इसके अलावा, नवजात बच्चा पूर्ण रूप से मां के दूध पर निर्भर होता है। कुछ स्थितियों में बच्चे को बाहरी चीजों की जरूरत भी होती है, जिस वजह से बच्चे को ग्राइप वाटर पिलाया जाता है। आज हम आपको इसी के बारे में बताएंगे की शिशु को ग्राइप वाटर पिलाने से क्या फायदा मिलता है।

वैसे तो ग्राइप बोतल पर शिशु को पिलाने की मात्रा बताई होती है लेकिन अपने शिशु को ग्राइप वाटर पिलाने से पहले डॉक्टरी से उसके बारे में अच्छे से पूरी जानकारी लें। फिर डॉक्टर से ही पूछ कर बच्चों को पर्याप्त मात्रा में ग्राइप वाटर पिलाएं। बच्चे के लिए कैसे फायदेमंद है ग्राइप वाटर?

गैस से छुटकारा

नवजात में गैस की समस्या अक्सर देखने को मिलती है, जिससे बच्चे को काफी दिक्कत से गुजरना पड़ता है। ऐसे में ग्राइप वाटर फायदेमंद रहता है। इससे गैस की समस्या दूर होती है लेकिन शिशु के ग्राइप वाटर देने से पहले डॉक्टर से एक बार जरूर सलाह लें।

हिचकी से राहत

नवजात शिशु में हिचकी की समस्या भी रहती है। लोगों का मानना है कि ज्यादा हिचकी आने से पेट का आकार बढ़ जाता है। हिचकी को रोकने के लिए शिशु को ग्राइप वाटर दिया जाता है।

डीहाइड्रेशन से बचाव

शिशु शुरुआत के छह महीने अपनी मां के दूध पर निर्भर होता है इसलिए अधिक गर्मी के दौरान उनका मुंह और गला सूखने लगता है जिस दौरान उन्हें ग्राइप वाटर देने से पानी की कमी को रोका जा सकता है।

दांत दर्द से छुटकारा

शिशु के नए दांत निकलते हैं तब उन्हें काफी दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान शिशु को दस्त भी लग जाते है। ऐसे में उसे ग्राइप वाटर देना चाहिए, जो काफी हद तक दांत दर्द को दूर रखता है।

इन तरीकों से सुलझाएं बेटी की पीरियड्स प्रॉब्लम

पीरियड्स एक ऐसा नैचुरल प्रोसेस है, जिससे सभी औरतों को गुजरना पड़ता हैं।पीरियड्स की शुरूआत 12 से 14 साल के बीच होने लगती है। बदलते लाइफस्टाइल में यह समस्या घर की चारदीवारी में न रहकर बल्कि इस पर खुल कर चर्चा होने लगी है लेकिन आज भी कुछ महिलाएं इस विषय पर खुलकर बात करने से डरती है। यहां तक की एक मां अपने बेटी को इसकी जानकारी देने से शर्माती है लेकिन बेटी को इस के बारे समय आने पर जानकारी देना बहुत जरूरी है, जो मां की जिम्मेदारी भी है। ऐसे में अपनी बेटी को पीरियड्स के बारे में बताते समय घबराए नहीं।

हार्मोनल बदलाव बताएं

बेटी को पहले महिलाओं के शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव की जानकारी दें। उसे बताएं कि इस बदलाव के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ी और तनाव होना स्वाभाविक है। बेटी को बताएंगे कि यह प्रक्रिया किसी एक लड़की में नहीं बल्कि इस उम्र की हर लड़की होती है।

साफ-सफाई जानकारी दें

पीरियड्स की जानकारी देते हुए कहें कि यह नैचुरल प्रोसेस है, जिससे हर लड़की गुजरती है। यह प्रोसेस उनकी अच्छी सेहत के लिए जरूरी भी है। इसके बाद बेटी को नैपकीन का इस्तेमाल करने और उसे डिस्पोज करने, साफ-सफाई रखने की जानकारी दें।

टीवी या किताबों के जरिए

बहुत सी लड़कियों को तो इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती है, जिस वजह से फर्स्ट टाइम पीरियड्स आने पर लड़कियां घबरा जाती है। इसलिए उन्हें समय पर इसकी जानकारी देना बहुत जरूरी है। टीवी में अक्सर आने वाली नैपकिन एड के बारे में अगर बेटी सवाल करें तो वह समय उसको पीरियड्स की जानकारी देने के लिए बैस्ट होगा।

सैनिटरी नैपकिन के बारे में बताएं

बेटी को सैनिटरी नैपकिन जानकारी दें। नैपकीन को यूज करने का तरीका और कितने समय में उसे बदलना है, शुरूआती समय में बेटी के लिए यह जानकारी काफी मयाने रखती है। इसलिए इसके बारे में कोई शर्मिंदगी महसूस न करें।

शादी के बाद लड़कियों में आते है ये बड़े बदलाव

शादी के बाद लड़कियों अपना घर छोड़ कर ससुराल जाना पड़ता है। अक्सर देखा जाता है कि शादी के बाद लड़कियों को अपनी कई पुरानी आदतें छोड़कर नई आदतें अपनानी पड़ती है। इसी के साथ लड़कियों में कई मानसिक और शारीरिक बदलाव आते है। आइए जानते है शादी के बाद लड़कियों में किस तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव आते है।

वजन बढ़ना

हार्मोन चेंज के कारण शादी के बाद लड़कियों को ज्यादा भूख लगने लगती है। जिसके कारण उनके शरीर में फैट जमा होने के कारण वजन बढ़ने लगता है।

इमोशनली

शारीरिक के साथ-साथ लड़कियों में शादी के बाद कई इमोशनल चेंजिस भी आते है। शादी के बाद जिम्मेदारियों के कारण लड़कियों को कुछ भी करने से पहले सोचना पड़ता है।

सेंस्टिविटी

लड़कियों की बॉडी शादी के बाद पुरूषों के टच के प्रति ज्यादा सेंस्टिविटी हो जाती है। इसके अलावा पुरूषों के हार्मोन संपर्क में आने से वो जिम्मेदार बनना शुरू हो जाती है।

मानसिक बदलाव

एक शोध के मुताबिक शादी के बाद लड़कियों का आईक्यू और भी बेहतर हो जाता है। इसा के कारण वो ससुराल की मुश्किल सिचुएशन को भी आराम से संभाल लेती है।

ग्लोइंग स्किन

शादी के बाद लड़कियों में हार्मोन रिलिज के कारण स्किन सॉफ्ट, ग्लोंइग और हेंल्दी हो जाती है।

पीरियड्स की समस्या

अक्सर शादी के बाद उनके मासिक धर्म की तारीख में उतार-चढाव आ जाते है। ऐसे में इसे इग्नोर करने की बजाए इसका डॉक्टरी इलाज करवाएं।

संक्षिप्त समाचार

मध्य इजराइल में कई बसों में विस्फोट, आतंकी हमले का संदेह: पुलिस

बैट याम (इजराइल), एजेंसी। इजराइली पुलिस ने कहा कि गुरुवार शाम को केंद्रीय शहर बैट याम में कई बसों में विस्फोट हुए, जिसे उन्होंने आतंकवादी हमला बताया. एक अधिकारी ने कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ. पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार एक संदिग्ध आतंकवादी हमले की जानकारी मिली है. बैट याम में विभिन्न स्थानों पर कई बसों में विस्फोट की कई रिपोर्ट है. बयान में कहा गया है कि संदिग्धों की तलाश के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं. इसमें कहा गया है कि पुलिस की बम निरोधक इकाइयां अतिरिक्त संदिग्ध वस्तुओं की तलाश कर रही हैं. हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे उन क्षेत्रों से बचें और किसी भी संदिग्ध वस्तु के प्रति सतर्क रहें. बैट याम के मेयर त्ज्विका ब्रॉट ने एक वीडियो बयान में कहा कि विस्फोट दो अलग-अलग पार्किंग स्थलों में दो बसों में हुए. ब्रॉट ने कहा कि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि विस्फोटों के कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं. कुछ इजरायली नेटवर्क द्वारा प्रसारित टेलीविजन फुटेज में एक पूरी तरह जली हुई बस दिखाई गई, जबकि दूसरी बस में आग लगी हुई थी. इजरायली मीडिया ने कहा कि देश भर के बस चालकों को अतिरिक्त संभावित विस्फोटक उपकरणों के लिए अपनी बसों को रोकने और उनकी जांच करने के लिए कहा गया है.

अजरबैजान ने बीबीसी न्यूज के संचालन पर लगाई रोक

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान ने बृहस्पतिवार को अपने देश में बीबीसी न्यूज के संचालन पर रोक लगा दी। अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि वह देश में सिर्फ एक पत्रकार को ही काम करने की अनुमति देगा। विदेश मंत्रालय ने इस निर्णय का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बाकू हमेशा विदेशी देशों के मीडिया के साथ अपने संबंधों और निर्णयों में पारस्परिकता के सिद्धांत का पालन करता है। हाल के वर्षों में अजरबैजान में प्रेस स्वतंत्रता के हालात खराब हुए हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के अनुसार, वहां कम से कम 21 मीडिया पेशेवर वर्तमान में जेल में हैं। हालांकि, राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने पत्रकारों की गिरफ्तारी पर आलोचना को खारिज करते हुए कहा है कि अजरबैजान में एक स्वतंत्र प्रेस और स्वतंत्र इंटरनेट है। गौरतलब है कि बीबीसी की अजरबैजानी सेवा 1994 से संचालित हो रही है।

अस्पताल मे भर्ती पोप से मिली इटली की प्रधानमंत्री मेलनी

रोम, एजेंसी। निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस (88) के स्वास्थ्य की जानकारी लेने इटली की पीएम जियोर्जिया मेलनी अस्पताल पहुंचीं। मेलनी ने कहा, पोप बातचीत कर रहे हैं और 'ब्रोंकाइटिस' संक्रमण के कारण पिछले छह दिन से अस्वस्थ हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पोप के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वेंस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आइए, हम सभी पोप फ्रांसिस के लिए प्रार्थना करें।

इस्राइल में शुरू हुआ भारतीय फिल्म महोत्सव

येरूशलम, एजेंसी। भारत को वैश्विक फिल्म निर्माण केंद्र बनाने के सरकारी प्रयासों और 'वेव्स 2025' की तैयारी के बीच इस्राइल में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत हुई। फिल्म निर्माता किरण राव की फीचर फिल्म 'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुए इस महोत्सव में 'दंगल', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', 'मिमी', 'इंग्लिश विंग्लिश' और '777 चार्ली' जैसी पांच अन्य फिल्मों को भी दिखाया जाएगा।

कराची में सबसे ऊंची मीनार पर लहराया तिरंगा, पाकिस्तान की हेकड़ी रह गई धरी !

कराच, एजेंसी। पाकिस्तान की तमाम कोशिशों के बावजूद कराची के स्टेडियम में भारतीय तिरंगा शान से लहरा रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए स्टेडियम में सभी भाग लेने वाले देशों के झंडे लगाए गए थे, लेकिन भारत के तिरंगे को लगाने से इनकार किया गया था। हालांकि, बीसीसीआई के कड़े रुख के बाद पीसीबी को झुकना पड़ा और अब पूरे पाकिस्तान के सामने उसकी फजीहत हो रही है। बुधवार को कराची स्टेडियम की सबसे ऊंची मीनार पर भारतीय तिरंगा लहराता नजर आया। यह वही पाकिस्तान था, जो दावा कर रहा था कि भारत का तिरंगा उसके स्टेडियम में नहीं लगाया जाएगा। लेकिन अब न सिर्फ पाकिस्तान का स्टेडियम है बल्कि वहां तिरंगा भी भारत का ही लहरा रहा है।

इससे पहले पीसीबी ने यह तर्क दिया था कि जब भारत की टीम पाकिस्तान नहीं आ रही है, तो उसका झंडा लगाने की जरूरत नहीं। लेकिन बीसीसीआई की सख्ती के आगे पीसीबी की एक न चली। पीसीबी ने इस मामले में आइसीसी को बीच में खींचने की कोशिश की लेकिन सच्चाई यह है कि आइसीसी में भी बीसीसीआई की पकड़ इतनी मजबूत है कि वह भारत के खिलाफ कोई कदम उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता। खुद पाकिस्तानी क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाकिस्तान की औकात बीसीसीआई के आगे कुछ भी नहीं। पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कराची स्टेडियम में सभी टीमों के झंडे तो लगे थे, लेकिन भारत के तिरंगे को जानबूझकर हटाया गया था। जब यह बात बीसीसीआई तक पहुंची तो उन्होंने तुरंत आइसीसी और पीसीबी पर दबाव बनाया। नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान को झुकना पड़ा और पूरे देश के सामने फजीहत झेलनी पड़ी। भारत के ऐतिहासिक स्थलों से तुलना करने की कोशिश की, लेकिन हकीकत यह है कि भारत की ताकत और वैश्विक स्थिति से पाकिस्तान कोसों दूर है। पाकिस्तान में सुरक्षा हालात इतने खराब हैं कि वहां कोई विदेशी नेता बिना कड़ी सुरक्षा के नहीं आ सकता जबकि भारत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी परिवार समेत बेफिक्री से घूम चुके हैं। इस घटना ने एक बार फिर दिखा दिया कि जब बात भारत की प्रतिष्ठा की आती है, भारत सरकार किसी के आगे झुकने वाले नहीं हैं। पाकिस्तान की बार-बार की जाने वाली राजनीति और दावे बेकार साबित हुए, और कराची स्टेडियम में तिरंगा लहराकर भारत ने अपनी ताकत दिखा दी।

जेलेंस्की के शांति वार्ता दृष्टिकोण से निराश हैं डोनाल्ड ट्रंप: माइक वाल्ट्ज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी के बाद, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) माइक वाल्ट्ज ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का लक्ष्य युद्ध को समाप्त करना है. उन्होंने शांति वार्ता के अवसर का लाभ न उठाने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की.

गुरुवार को मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए वाल्ट्ज ने कहा कि उनका (राष्ट्रपति ट्रंप) लक्ष्य इस युद्ध को समाप्त करना है. दोनों पक्षों में लड़ाई जारी है. यह प्रथम विश्व युद्ध शैली का युद्ध है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में राष्ट्रपति जेलेंस्की के प्रति उनकी निराशा कई गुना है.

राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कीव से आने वाली कुछ बयानबाजी और अपमान अस्वीकार्य हैं. राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति जेलेंस्की से बहुत निराश हैं क्योंकि वह बातचीत के लिए तैयार नहीं हुए हैं. वह हमारे द्वारा दिए गए इस अवसर को लेने के लिए तैयार नहीं हैं. वाल्ट्ज ने कहा कि मुझे लगता है कि वह जल्द ही मुद्दे पर आ जाएंगे. वाल्ट्ज ने युद्ध और नाटो के रक्षा प्रयासों का समर्थन करने में अमेरिका के वित्तीय बोझ पर बढ़ती चिंताओं को भी उजागर किया.

उन्होंने कहा कि हमने वर्षों से यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह अस्वीकार्य है कि अमेरिका और उसके करदाता न केवल यूक्रेन में युद्ध की लागत बल्कि यूरोप की रक्षा का भी बोझ उठाते रहें है. उन्होंने कहा कि हम अपने नाटो सहयोगियों और अनुच्छेद 5 की प्रतिबद्धता का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हमारे नाटो सहयोगी आगे आएं. हम नाटो शिखर सम्मेलन में प्रवेश करने जा रहे हैं, जिसमें हमारे एक तिहाई नाटो सहयोगी अभी भी 2 प्रतिशत न्यूनतम को पूरा नहीं कर पाए हैं. हमारी अपनी घरेलू प्राथमिकताएं हैं. राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे स्पष्ट कर दिया है. यूरोप को एक भागीदार के रूप में अपनी रक्षा के लिए आगे आने की जरूरत है. हम मित्र और सहयोगी हो सकते हैं और उन कठिन बातचीत कर सकते हैं. उन्होंने आगे कहा कि जब राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रपति पुतिन से बात की और उसके तुरंत बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की. हमने अभी-अभी अपनी ऐतिहासिक वार्ता की, जिसकी मध्यस्थता हमारे अच्छे मित्र और भागीदार- सऊदी अरब ने की, जिसके लिए हम क्राउन प्रिंस को मेजबानी के लिए धन्यवाद देते हैं.

यूक्रेन में बच्चे मर रहे थे और जेलेंस्की करवा रहे थे पत्नी के साथ फोटोशूट, मस्क ने तस्वीरें साझा कर साधा निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी।
डोनाल्ड ट्रंप के बाद उनके सहयोगी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी यूक्रेन के राष?ट्र ति जेलेंस्की पर हमला बोला है। मस्क ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2022 में जेलेंस्की और उनकी पत्नी द्वारा एक मैग्जीन के लिए करवाए गए फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करके उनकी कड़ी आलोचना की है।

मस्क ने लिखा कि जब वहां युद्ध के मोर्चे पर इतने बच्चे मर रहे थे, तब यह इस काम में मग्न थे। मैग्जीन के लिए कराई इस फोटोशूट में राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्की की तस्वीरें शामिल थीं। मैग्जीन ने इस फोटो को पोर्ट्रेट आफ ब्रेवरी- यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्की के नाम से निकाला था। उस समय पर छपे इस फीचर का उद्देश्य युद्ध की परिस्थिति को लेकर यूक्रेनी लोगों का जागरुक करना था। हालांकि, इस फोटोशूट के समय को लेकर कई जगहों पर काफी आलोचना हुई थी। इस फोटोशूट के लिए जेलेंस्की पहले भी आलोचना का सामना कर चुके हैं। इससे पहले रिपब्लिकन नेता लारेन बोएबर्ट ने भी इस पर कई सवाल उठाए थे। मस्क ने जेलेंस्की को सवालों के घेरे में खड़ा करते हुए कहा था कि हम यूक्रेन की मदद करने के लिए 60 अरब डालर की सहायता भेज चुके हैं। लेकिन लगता है जेलेंस्की को ज्यादा फर्क नहीं पड़ता वह तो अपनी पत्नी के साथ फोटोशूट करवाने में व्यस्त हैं। इस तस्वीर को लेकर कई लोगों ने जहां जेलेंस्की की आलोचना की तो कई ने उनका बचाव भी किया था। हालांकि मस्क द्वारा इस फोटो पर टिप्पणी करने के बाद यह एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है।

किसी को नहीं छोड़ेंगे, बसों में सीरियल धमाकों के बाद भड़के इजरायल ने दिया सेना को आदेश

यरूशलम , एजेंसी।
तीन बसों में सीरियल धमाकों से पूरे इजरायल में हड़कंप मच गया। इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना को वेस्ट बैंक में शरणार्थी शिविरों में छापे मारने का आदेश दिया है। इजरायल को शक है कि यहां आतंकी छिपे हो सकते हैं।

रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि फलस्तीनी आतंकवादी संगठनों ने इजरायल में नागरिक आबादी के खिलाफ गुश दान क्षेत्र में हमलों की कोशिश की। मैंने आईडीएफ को तुलकरम, यहूदिया और सामरिया के सभी शरणार्थी शिविरों में अभियान तेज करने का निर्देश दिया है। उधर, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को तेल अवीव के करीब बसों में बम धमाकों के बाद वेस्ट बैंक में गहन तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया। बसों में धमाकों को पीएम कार्यालय ने एक संदिग्ध आतंकवादी हमला कहा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक धमाकों में किसी के घायल होने की अभी तक खबर नहीं है।

अभी तक किसी भी संगठन ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि कस्साम ब्रिगेड ने हमले की तारीफ करते एक बयान जारी किया है।

इसमें कहा गया कि शहीदों का बदला तब तक नहीं भुलाया जाएगा, जब तक कि कब्जा करने वाला हमारी जमीन पर मौजूद है। इजरायल के रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि धमाकों के जिम्मेदार लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने अपने बयान में कहा कि हम आतंकवादियों का लगातार पीछा करेंगे और आतंकी ढांचे को तबाह करेंगे। हमारे छापे तुलकरम और वेस्ट बैंक के सभी शरणार्थी शिविरों पर केंद्रित होंगे। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने खबर दी है कि शिन बेट इस बात की जांच कर रही है कि विस्फोटक उपकरण लगाने वाले लोग तुलकरम से आए थे या नहीं, क्योंकि एक उपकरण पर लगे स्टिकर से पता चलता है कि यह हमला इजरायल के छापों का बदला है।

मृत्यु को लेकर वैज्ञानिकों ने की नई खोज, मरने के बाद दूसरी दुनिया में चली जाती है आत्मा

लंदन , एजेंसी।
मृत्यु के बाद आत्मा कहां जाती है। इस बारे में कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं, लेकिन कई धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं हैं। उदाहरण के लिए प्राचीन यूनानी मानते थे कि मरने के बाद चेरोन नामक एक नाविक आत्मा को दूसरी दुनिया में ले जाता है। वहीं अब ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक नई खोज की है, जिससे यह माना जा रहा है कि मृत्यु के बाद आत्मा का दूसरी दुनिया में जाना एक रासायनिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक?: ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एक विशेष रसायन मृत्यु के समय हमारे दिमाग में सक्रिय हो जाता है, जिसे साइकेडेलिक न्यूरोकेमिकल कहा जाता है। यह रसायन शरीर से आत्मा को बाहर निकालकर दूसरी दुनिया में ले जाने का काम करता है। लंदन के

इंपीरियल कॉलेज के शोधकर्ताओं के अनुसार, निकट-मृत्यु अनुभवों के दौरान मतिभ्रम या विचित्र अनुभव होते हैं। उनमें डीएमटी (डायमेथाइलट्रिप्टामाइन) नामक रसायन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह रसायन हमारे दिमाग में स्वाभाविक रूप से पाया जाता है। इस रसायन के कारण व्यक्ति को मृत्यु के बाद दिवंगत प्रियजनों की उपस्थिति, स्वर्ग जैसी जगहें, या भगवान की आवाज सुनाई दे सकती है।

चूहों पर किए गए शोध से मिली जानकारी: वैज्ञानिकों ने इस रसायन पर अब तक चूहों पर शोध किया है। चूहों में डीएमटी की उपस्थिति और इसके प्रभावों को समझने के बाद वैज्ञानिकों ने यह निष्कर्ष निकाला कि यह रसायन मृत्यु के समय हमारे दिमाग में तेजी से भर जाता है और इसी के चलते व्यक्ति को ऐसे अनुभव होते हैं, जो मृत्यु के बाद की दुनिया को दर्शाते हैं। हालांकि, यह खोज अभी शुरुआती चरण में है और इस पर और अधिक शोध की आवश्यकता है, लेकिन इसने मृत्यु और आत्मा के विषय पर एक नई दिशा में सोचने की संभावना को जन्म दिया है।

चेक गणराज्य के शॉपिंग सेंटर में चाकू हमले से 2 लोगों की मौत, किशोर गिरफ्तार

चेक गणराज्य , एजेंसी।
चेक गणराज्य के एक शॉपिंग सेंटर में बृहस्पतिवार को चाकू से किये गये हमले में दो महिलाओं की मौत हो गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्राग के पूरब में करीब 100 किलोमीटर दूर हाडेक क्रालोव शहर के एक स्टोर में चाकू से किये गये हमले के सिलसिले में उसने एक किशोर संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पहले कहा गया था कि दोनों महिलाएं घायल हो गयी थीं और उनमें से एक की स्थिति गंभीर है। बाद में पुलिस ने कहा कि दोनों महिलाओं की मौत हो गयी। उनकी पहचान नहीं हो पायी है।

इस घटना के बाद घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर पुलिस ने 16 वर्षीय एक किशोर को हिरासत में लिया। समीप ही एक चाकू मिला। प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने इस हमले में जान गंवाने वाली महिलाओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने 'एक्स पर लिखा, ''आज हाडेक क्रालोव में जो कुछ हुआ है, वह बिल्कुल समझ से परे और भयानक कृत्य है। वैसे इस हमले का मकसद तत्काल पता नहीं चल पाया है। पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है और लोगों को कोई खतरा नहीं है। इस संबंध अन्य कोई विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है।

जोहान्सबर्ग में एस. जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से की मुलाकात, भारत-रूस सहयोग पर चर्चा

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और यूक्रेन संकट सहित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर खुशी हुई और उन्होंने रूस-भारत सहयोग की प्रगति को लेकर बातचीत की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया 'एक्स' पर इस बैठक की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि रूस और भारत के विदेश मंत्रियों ने जी20 मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान मुलाकात की। इससे पहले जयशंकर ने सिंगापुर और ब्राजील के विदेश मंत्रियों से भी अलग-अलग बातचीत की। उन्होंने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा वैश्विक स्थिति पर चर्चा की। इस बातचीत को लेकर जयशंकर ने कहा, सिंगापुर के विदेश मंत्री के साथ अच्छी चर्चा हुई। इस बार जोहान्सबर्ग में जी20 बैठक के दौरान हमने वैश्विक स्थिति और

अमेरिका के एक्शन से ढीला पड़ा कनाडा, 7 आपराधिक संगठनों को आतंकवादी सूची में डाला

ओटावा , एजेंसी।
कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डेविड मैकगिंटी ने गुरुवार को कहा कि उनके देश ने सात अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों को आतंकवादी संस्था की सूची में डाल दिया है। यह घोषणा अमेरिका द्वारा ट्रेन डी अरागुआ, सिनालोआ कार्टेल और ड्रग्स की तस्करी से जुड़े अन्य संगठनों को वैश्विक आतंकवादी संगठनों के रूप में नामित करने के एक दिन बाद की गई है।

नशा, मानव और बंदूक तस्करी में लिप्त: डेविड मैकगिंटी ने ओटावा में संवाददाताओं को बताया कि ये सूचीबद्ध संस्थाएं संगठित आपराधिक समूह हैं। ये संगठन अत्यधिक हिंसक तरीकों का उपयोग करके स्थानीय आबादी में भय फैलाते हैं। ये मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अवैध बंदूकों की तस्करी के लिए जाने जाते हैं।

मंत्री ने कहा कि हम जो उपाय कर रहे हैं, वे फेंटानाइल (दर्दनाशक दवा) को सड़कों से दूर रखेंगे और उसे अमेरिका जाने से रोकेंगे।

ट्रूडो ने की थी घोषणा: प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तीन फरवरी को कहा था कि कनाडा आपराधिक संगठनों को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध करेगा, क्योंकि उन्होंने अमेरिकी टैरिफ से 30 दिन की छूट की घोषणा की थी। सार्वजनिक डेटा से पता चलता है कि अमेरिका में जब्त किए गए सभी फेंटेनाइल का 0.2त्न कनाडा की सीमा से आता है, जबकि अधिकांश मेक्सिको के साथ अमेरिका की दक्षिणी सीमा से आता है। अन्य सूचीबद्ध संस्थाएं कार्टेल डेल गोल्फो, ला फैमिलिया मिचोआकाना, कार्टेल्स यूनिडोस और कार्टेल डे जलिस्को नुएवा जेनरेशन हैं। नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने के लिए वित्त विभाग ने गुरुवार शाम को कानून प्रवर्तन, ओटावा और कनाडा के बड़े बैंकों के साथ एक नई साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित अपराध की खुफिया जानकारी साझा करने की अनुमति रहेगी।

मैक्सिको भी लेगा एक्शन: कनाडा के नवनियुक्त फेंटेनाइल जार केविन ब्रोसेउ ने बुधवार को पहली बैठक शुरू की। इसमें बड़े बैंकों के मुख्य मनी लॉन्ड्रिंग अधिकारी और राष्ट्रीय पुलिस बल के अधिकारी शामिल हैं। मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका द्वारा आतंकवादी सूची में शामिल किए जाने के बाद वह मैक्सिको की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के उद्देश्य से एक संवैधानिक सुधार का प्रस्ताव देंगी।

विजया एकादशी के दिन जरूर करें इन 3 चीजों का दान, सौभाग्य में हो सकती है वृद्धि

विजया एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति के जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती है। अब ऐसे में इस दिन दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे दिन किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है। एकादशी तिथि को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। प्रत्येक माह में दो बार एकादशी का व्रत रखा जाता है। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को विजया एकादशी कहा जाता है। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति को श्रीहरि के साथ माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। अब ऐसे में इस दिन दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है।

विजया एकादशी के दिन करें गुड़ का दान

विजया एकादशी एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो भगवान विष्णु को समर्पित है। यह हर साल फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। विजया एकादशी के दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने का विशेष महत्व है। इस दिन दान-पुण्य करने से भी विशेष फल प्राप्त होते हैं। गुड़ का दान विजया एकादशी के दिन गुड़ का दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। गुड़ को मिठास और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ का दान करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है और उसके सभी कष्ट दूर होते हैं।

करें चावल का दान

विजया एकादशी के दिन चावल का दान करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है। इस दिन चावल का दान करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। विजया एकादशी के दिन चावल का दान करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन चावल का दान करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

करें काले तिल का दान

काले तिल भगवान विष्णु को प्रिय हैं और इस दिन उनका दान करने से विशेष फल प्राप्त होता है। विजया एकादशी के दिन काले तिल का दान करने से शनि के दोषों को कम किया जा सकता है। काले तिल का दान करने से व्यक्ति के जीवन में सुख और समृद्धि आती है।

विजया एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा, शुभ तिथि, पूजा मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में सभी एकादशी को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इन्हीं में से एक विजया एकादशी भी है। अब ऐसे में इस साल विजया एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

विजया एकादशी एक महत्वपूर्ण हिंदू व्रत है जो फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और जीवन में सफलता मिलती है। आपको बता दें, विजया एकादशी का नाम ही विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है, जो पालनहार हैं और सृष्टि का संचालन करते हैं। अब ऐसे में इस साल विजया एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा। शुभ तिथि और भगवान विष्णु की पूजा का शुभ मुहूर्त कब है।

विजया एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा?

विजया एकादशी एक महत्वपूर्ण हिंदू व्रत है जो हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस वर्ष विजया एकादशी की तिथि 23 फरवरी को दोपहर 1.55 बजे से प्रारंभ होकर 24 फरवरी को रात 1.44 बजे तक रहेगी। सनातन धर्म में उदया तिथि का महत्व अधिक होता है। इसलिए, विजया एकादशी का व्रत 24 फरवरी को रखा जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

विजया एकादशी की पूजा का शुभ मुहूर्त 24 फरवरी की सुबह 6 बजकर 51 मिनट से सुबह 8 बजकर 17 मिनट के बीच है। इस दौरान आप भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से कर सकते हैं।

विजया एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का महत्व

विजया एकादशी एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित है, और उनकी पूजा का विशेष महत्व है। विजया एकादशी का नाम ही विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता मिलती है। विजया एकादशी के दिन व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। विजया एकादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

विजया एकादशी के दिन क्या दान करने से बचना चाहिए?

विजया एकादशी फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कहा जाता है। हिंदू धर्म में विजया एकादशी का विशेष महत्व है। विजया एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान श्री राम ने लंका पर विजय प्राप्त करने से पहले विजया एकादशी का व्रत रखा था। विजया एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसा कहा जाता है कि विजया एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है। इस व्रत को करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

न करें काले वस्त्र का दान

विजया एकादशी के दिन काले कपड़े दान नहीं करने चाहिए, इसके पीछे धार्मिक और ज्योतिषीय कारण बताए गए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, काला रंग अशुभता का प्रतीक माना जाता है। विजया एकादशी एक पवित्र और शुभ दिन है, इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। काले रंग के कपड़े पहनने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे व्रत का प्रभाव कम हो सकता है। इसलिए, विजया एकादशी के दिन काले कपड़े पहनने से बचना चाहिए। इस दिन पीले या सफेद रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। पीले रंग को भगवान विष्णु का प्रिय रंग माना जाता है

न करें लोहे का दान

विजया एकादशी के दिन लोहे का सामान दान नहीं करना चाहिए। विजया एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी विशेष पूजा की जाती है। लोहे को शनिदेव से संबंधित माना जाता है, और शनिदेव को भगवान विष्णु का विरोधी माना जाता है। इसलिए, इस दिन लोहे का दान करने से भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, लोहे में नकारात्मक ऊर्जा होती है। विजया एकादशी के दिन दान करने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है, जिससे व्रत का फल कम हो सकता है।

न करें नुकीली चीजों का दान

नुकीली चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। ऐसा माना जाता है कि नुकीली चीजें, जैसे कि सुई, चाकू, कैंची आदि नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। विजया एकादशी एक पवित्र दिन है, और इस दिन नकारात्मक ऊर्जा से दूर रहना चाहिए। नुकीली चीजें रिश्तों में खटास पैदा कर सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि नुकीली चीजों का दान करने से रिश्तों में खटास पैदा हो सकती है। विजया एकादशी के दिन रिश्तों में मधुरता बनाए रखना चाहिए।

क्या मनी प्लांट को घर के मुख्य द्वार पर रखना ठीक है? जानें वास्तु के नियम

मनी प्लांट सहित कई अन्य पौधों का स्थान, सद्भाव बनाए रखने और धन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मनी प्लांट को घर के कुछ विशेष स्थानों पर भी लगाने की सलाह दी जाती है और कुछ स्थानों पर न रखने की बात कही जाती है। ऐसे ही एक सवाल यह भी उठता है कि क्या इस पौधे को घर के मुख्य द्वार पर रखा जा सकता है?

मनी प्लांट का महत्व

मनी प्लांट को आमतौर पर सौभाग्य, धन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसके हरे-भरे पत्ते और दूर तक फैलती हुई डालियां विकास और समृद्धि का संकेत देती हैं।

यह पौधा न केवल अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसके कई वास्तु लाभ भी हैं। मनी प्लांट आपके घर के वातावरण को शुद्ध रखने में मदद करता है और घर में सुख-शांति बनाए रखता है। इसकी हरियाली से वातावरण सकारात्मक बना रहता है और आस-पास की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वास्तु की मानें तो घर के सही स्थान और दिशा में लगा हुआ यह पौधा आपके घर के लिए धन को आकर्षित करता है।

क्या घर के प्रवेश द्वार पर मनी प्लांट रखना ठीक है

मनी प्लांट को घर के सही स्थान में लगाना बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि ये धन को आकर्षित करता है और घर में सदैव माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। जब बात इसे घर के मुख्य द्वार पर लगाने की आती है तो इसे आप मुख्य द्वार पर लगा सकते हैं, लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि यह पौधा घर के बाईं तरफ लगा हुआ होना चाहिए और ऐसे स्थान पर लगाना चाहिए जहां से कोई बाहरी व्यक्ति इसकी पत्तियां या टहनी न तोड़ सके। इसे लगाते समय ध्यान देने की जरूरत होती है कि इसकी टहनियां जमीन ओर न जाएं और इनके ऊपर की तरफ बांध देना चाहिए।

किस स्थान पर नहीं लगाना चाहिए

वास्तु की मानें तो मनी प्लांट को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और घर में आर्थिक तंगी आ सकती है। इससे आपके घर की उन्नति रुक सकती है। आपको इस पौधे को प्रवेश द्वार के ठीक सामने कभी भी नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवेश रुक सकता है और इस पौधे की पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा भी नहीं मिल पाती है। इसके साथ ही आपको मनी प्लांट को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए। मान्यता है कि सूखा हुआ पौधा घर के लिए नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनता है।

मुख्य द्वार पर मनी प्लांट रखने से क्या होता है

मुख्य द्वार पर मनी प्लांट रखने के कई फायदे और नुकसान हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार, यदि आपके घर का मनी प्लांट कोई अन्य व्यक्ति तोड़कर अपने घर में लगा लेता है, तो इससे आपके घर में धन की हानि हो सकती है। यह स्थिति आपके धन के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकती है। इसलिए, इसे मुख्य द्वार पर रखने से पहले सावधानी बरतना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, घर के बाहर मनी प्लांट लगाने से धन प्रवाह में रुकावट आ सकती है। यदि मनी प्लांट सही दिशा और स्थान पर नहीं रखा गया है, तो यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। वास्तु शास्त्र में यह भी माना जाता है कि यदि पौधा किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रभावित होता है, तो यह आपके धन और समृद्धि को अन्य स्थान पर ले जा सकता है। इसीलिए, मनी प्लांट को हमेशा सुरक्षित और आंतरिक स्थान पर लगाना चाहिए, जहां यह केवल आपके परिवार के सदस्यों के लिए ही लाभकारी हो।

सामान्य पूजा से कैसे भिन्न है पंचमुखी हनुमान जी की पूजा

हिन्दू धर्म में सप्ताह का हर एक दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित है। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा का विधान है। हनुमान जी की पूजा करने से न सिर्फ बल और साहस की प्राप्ति होती है बल्कि राम कृपा और भक्ति का भी संचार होता है। हनुमान जी की पूजा किसी भी रूप में की जाए परम सुख दायक और फलदायी होती है लेकिन पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा न सिर्फ सामान्य पूजा से भिन्न है बल्कि इसका प्रभाव भी शीघ्र पड़ता है।

पंचमुखी हनुमान जी की कथा

रामायण के अनुसार, रावण ने श्री राम से युद्ध के समय अपने कई पराक्रमी योद्धाओं और महाबलशाली भाइयों का सहयोग लिया था लेकिन जब उसने यह देखा कि एक से एक महा असुर भी राम सेना के समक्ष टिक नहीं पा रहा है तब उसने अपने भाई अहिरावण को बुलाया। अहिरावण ने अपने मायावी छल से श्री राम (श्री राम और माता सीता की विवाह के दौरान क्या थी उम्र) और लक्ष्मण जी का अपहरण कर लिया और उन्हेंई मूर्छित कर पाताल लोक गया। असल में यह समय था जब हनुमान जी पंचमुखी रूप धारण कर संसार में अपने इस स्वरूप की स्थापना करें। इसी कारण से श्री राम ने यह लीला रचाई वरना ब्रह्मांड में ऐसा कोई नहीं जो श्री हरि विष्णु अवतार श्री राम और शेषनाग अवतार लक्ष्मण जी को छल सके। बहराल कथा पर पुनः लौटते हुए बता दें कि अहिरावन ने श्री राम और लक्ष्मण को एक कक्ष में रख दिया और दोनों के वध की तैयारी में जुट गया। हनुमान जी जब राम जी और लक्ष्मण भैय्या को ढूंढते-ढूंढते पाताल लोक पहुंचे तब उन्होंने देखा कि अहिरावण हवन कर श्री राम और लक्ष्मण जी की बलि देने की तैयारी में है। हनुमान जी ने अहिरावण को युद्ध के लिए ललकारा और दोनों में युद्ध छिड़ गया। बहुत देर तक भी जब हनुमान जी युद्ध करने के बाद भी अहिरावण की मृत्यु कर पाने में सक्षम नहीं हो पाए तब उन्होंने मां पार्वती का स्मरण किया। माता पार्वती हनुमान जी के सामने प्रकट हुई और उन्हें बताया कि अहिरावण की मृत्यु तभी संभव है जब उसके महल के पांच कोनों में रखे पांच दीपक एक साथ एक ही समय पर बुझाए जाएं। तब हनुमान जी ने मध्य में खड़े होकर पांच मुख प्रकट किये और अलग-अलग दिशाओं में उन मुखों को घुमाकर दीपक बुझा दिए जिसके बाद हनुमान जी द्वारा अहिरावण का वध संभव हो सका। तभी से पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का आरंभ हुआ।

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख पांच अलग-अलग दिशाओं की तरफ हैं। हर एक मुख का अपना विशेष महत्व है। हर एक मुख एक जीवा और उससे जुड़ी खूबियों को दर्शाता है। पंचमुखी हनुमान जी के 5 मुख- पहला वानर का, दूसरा गरुड़ का, तीसरा वराह का, चौथा नृसिंह का और पांचवा अश्व का। जहां एक तरह पंचमुखी हनुमान जी के इस स्वरूप में वानर मुख पूर्व दिशा में है। तो वहीं, गरुड़ मुख पश्चिम दिशा में है। पंचमुखी हनुमान जी का वराहमुख उत्तर दिशा में है तो नृसिंहमुख दक्षिण दिशा में है। हनुमान जी का अश्व मुख आकाश की दिशा में है। वानर मुख दुश्मनों पर विजय प्रदान करता है। गरुड़ मुख जीवन की बाधाओं को हरता है। लंबी उम्र, प्रसिद्धि, बल और शक्ति का परिचायक है। नृसिंह मुख मन से डर और तनाव को दूर करता है। अश्व मुख समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति करता है।

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा विधि

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा हनुमान जी के सामान्य रूप से भिन्न है। पंचमुखी हनुमान जी मूर्ति या तस्वीर घर की दक्षिण दिशा में ही स्थापित करनी चाहिए। यूं तो हनुमान जी की पूजा के लिए विशेष दिन मंगलवार और शनिवार है लेकिन पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सप्ताह के किसी भी पांच दिन की जा सकती है।

पंचमुखी हनुमान जी को सिन्दूर नहीं चढ़ाया जाता है बल्कि लाल रंग का फूल या चमेली का तेल अर्पित करना शुभ फलदायी होता है। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में नियमों के उलंघन की कोई गुंजाइश नहीं है। इसी कारण से हनुमान जी के पंचमुखी रूप की पूजा करना कठिन माना जाता है।